RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

# राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, बुधवार

25.2.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 127

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

# पीएम मोदी की इजराइल यात्रा 25-26 फरवरी को, नेतन्याहू के साथ व्यापक वार्ता करेंगे

**एजेंसी। नई दिल्ली**

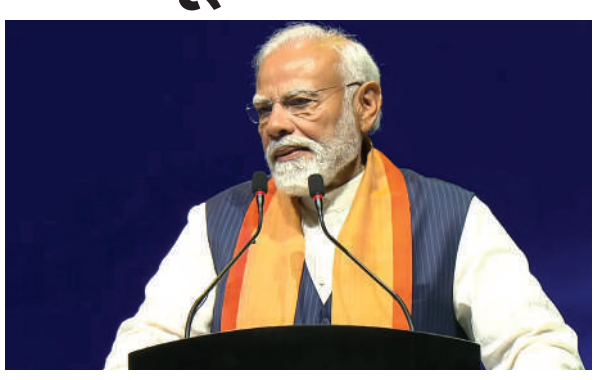

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 फरवरी से इजराइल की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वह अपने इज़राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और इजराइली संसद नेसेट को संबोधित भी करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 12:45 बजे तेल अवीव पहुंचेंगे। आगमन पर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच संक्षिप्त मुलाकात होगी। पहले दिन प्रधानमंत्री नेसेट को संबोधित करने के अलावा भारतीय मूल के लोगों के साथ एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। रात्रि में वह प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा आयोजित निजी रात्रिभोज में शामिल होंगे। यात्रा के दूसरे दिन 26 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी यरुशलम स्थित याद वाशेम जाकर होलोकॉस्ट स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जहां नाजी अत्याचारों में मारे गए लाखों यहूदियों की स्मृति संरक्षित है। इसके बाद प्रधानमंत्री इज़राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत भी होगी। वार्ता के बाद नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान भारतीय और यहूदी समुदाय के सदस्यों के साथ भी संवाद करेंगे। यह यात्रा रणनीतिक, तकनीकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का यह दूसरा इज़राइल दौरा होगा और दोनों देशों के बीच 'रणनीतिक साझेदारी' को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। सरकार के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने 4-6 जुलाई 2017 को इज़रायल की ऐतिहासिक यात्रा की थी। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली इज़रायल यात्रा थी, जिसके दौरान द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत किया गया था। इसके बाद इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जनवरी 2018 में भारत का दौरा किया था। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हाल के वर्षों में नियमित संवाद बना रहा है। वर्ष 2023 से 2026 के बीच दोनों नेताओं ने विभिन्न अवसरों पर टेलीफोन वार्ता कर क्षेत्रीय हालात, आतंकवाद, पश्चिम एशिया की स्थिति तथा द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। गत जनवरी में दोनों नेताओं ने नववर्ष की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करते हुए क्षेत्रीय स्थिति की समीक्षा की। भारत-इज़रायल संबंधों में रक्षा और सुरक्षा सहयोग एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। नवंबर 2025 में भारत के रक्षा सचिव की इज़रायल यात्रा के दौरान रक्षा सहयोग पर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे सामरिक सहयोग को नई गति मिली है। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश सहयोग में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में इज़रायल के वित्तमंत्री की भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय निवेश समझौता पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसका उद्देश्य निवेश संरक्षण और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत और इज़रायल के बीच स्टार्ट-अप, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, भारत-इज़रायल औद्योगिक अनुसंधान एवं नवाचार कोष (आई4एफ), कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में मजबूत सहयोग है।

## केंद्र ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम्' करने को दी मंजूरी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम्' किए जाने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नए 'सेवा तीर्थ' में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले साल जून में राज्य सरकार ने राज्य का नाम 'केरलम्' किए जाने को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया था। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिलने के बाद अब इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। राष्ट्रपति इससे जुड़े विधेयक को आगे राज्य विधानसभा को उसका पक्ष जानने के लिए भेजेंगे। विधानसभा से उसका दृष्टिकोण मिलने के बाद इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद संसद में पेश किया जाएगा।

## रांची से दिल्ली जा रही एयर एम्बुलेंस जंगल में क्रैश, आठ की मौत

**जंगल और दुर्गम पहाड़ी के कारण राहत एवं बचाव कार्य में आई भारी कठिनाई**

**एजेंसी। चतरा**

झारखंड के चतरा जिले में सोमवार रात रांची से नई दिल्ली जा रही एक एयर एम्बुलेंस जंगली क्षेत्र में क्रैश हो गई। इस हादसे से विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पायलट, को-पायलट, एक मरीज और मेडिकल स्टाफ के सदस्य शामिल हैं। यह विमान रात करीब 10 बजे दिल्ली पहुंचने वाला था, लेकिन उससे पहले ही यह क्रैश हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नागरिक उड्डयन नियामक डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि यह एक मेडिकल इवैक्युएशन यानी एयर एम्बुलेंस फ्लाइट थी, जिसे दिल्ली की निजी कंपनी रेडबर्ड एयरवेज संचालित कर रही थी। डीजीसीए के मुताबिक बीचक्राफ्ट सी90 श्रेणी का यह विमान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची से रवाना हुआ था। यह फ्लाइट रांची से नई दिल्ली जा रही थी और अनुमानित लैंडिंग समय रात 10 बजे थी। रिपोर्ट के मुताबिक उड़ान के कुछ समय बाद विमान ने कोलकाता एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क स्थापित किया, लेकिन शाम 7:34 बजे के करीब वाराणसी से करीब 100 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में विमान का संपर्क और रडार सिग्नल टूट गया। इसके बाद विमान से किसी भी तरह का कोई संपर्क नहीं हो सका। बाद में यह विमान झारखंड के चतरा जिले के करमाटांड़ गांव के पास जंगल में दुर्घटनाग्रस्त पाया गया। स्थानीय लोगों ने तेज धमाके जैसी आवाज सुनने और धुएं का गुबार उठते देखा, जिसके बाद प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंची। हालांकि, घने जंगल और दुर्गम पहाड़ी इलाके के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस हादसे की सूचना रात करीब 10 बजे मिली। इसके कुछ ही देर बाद अधिकारियों ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक मरीज, एक डॉक्टर, एक पैरामेडिक, दो अटेंडेंट, एक पायलट और एक को-पायलट शामिल थे। चतरा पुलिस अधीक्षक ने बता किया यह इलाका बेहद दुर्गम है, इसलिए मौके तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली से जांच टीम आएगी और ब्लैक बॉक्स को बरामद करने की कोशिश की जाएगी। इस हादसे में कुल सात लोगों की मौत हुई है। हादसे के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने औपचारिक जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की एक टीम भी दुर्घटनास्थल पर पहुंची। डीजीसीए ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। तकनीकी खराबी, मौसम की स्थिति, मानवीय चूक या किसी अन्य कारण की जांच की जा रही है। ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद जांच में तेजी आने की उम्मीद है। विमान का संपर्क टूटने के बाद रडार डेटा और उसकी अंतिम ज्ञात लोकेशन के आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था।

## संक्षिप्त समाचार

### चुनाव आयोग ने 27 साल बाद आयोजित किया राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन, सीईसी बोले- मतदाता हमारे केंद्र में

**नई दिल्ली।** मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन में 27 वर्ष बाद आयोजित किया जा रहा है, जिसमें चुनाव आयोग (ईसीआई) और राज्य चुनाव आयुक्त एक साथ आ रहे हैं। ज्ञानेश कुमार ने यहां भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि राष्ट्रीय हित और संवैधानिक समन्वय को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोगों को मिलकर काम करना चाहिए और हर निर्णय में मतदाता को केंद्र में रखना चाहिए। इस अवसर पर चुनाव आयुक्त डॉ. एसएस संधु और डॉ. विवेक जोशी ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और विचार-विमर्श की रूपरेखा प्रस्तुत की। आयोग ने "लोकतंत्रों का संगम" नामक पुस्तक का लोकार्पण भी किया। उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में ईवीएम, ईसीआईनेट और मतदाता सूची साझा करने पर प्रस्तुति दी जाएंगी। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारी मतदाता सूची प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और संस्थागत समन्वय को बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इन चर्चाओं का मुख्य केंद्र "एक मतदाता सूची" की अवधारणा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न संवैधानिक आदेशों द्वारा शासित अधिकार क्षेत्रों में मतदाता आंकड़ों की एकरूपता सुनिश्चित करना है।

### उपराष्ट्रपति और गृहमंत्री ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की 78वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पोस्ट में लिखा कि जयललिता एक करिश्माई नेता थीं, जिन्होंने तमिलनाडु के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी। उल्लेखनीय दृढ़ संकल्प और प्रशासनिक दक्षता के साथ उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण, गरीबों के उत्थान और समावेशी विकास के उद्देश्य से अनेक कल्याणकारी योजनाओं का नेतृत्व किया। तमिलनाडु की प्रगति और समृद्धि में उनके योगदान को देश हमेशा याद रखेगा और उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि गरीबों के कल्याण और महिला सशक्तीकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने तमिलनाडु के विकास को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि जयललिता ने यह सुनिश्चित किया कि शासन का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उल्लेखनीय है कि जयललिता (24 फरवरी 1948 से 05 दिसंबर 2016) जिन्हें अम्मा के नाम से भी जाना जाता था, एक भारतीय अभिनेत्री, राजनीतिज्ञ और समाजसेवी थीं। उन्होंने 1991 से 2016 के बीच करीब 14 वर्षों तक छह बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

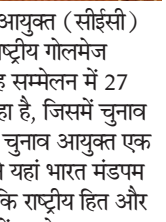

## जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घुसपैठ और अवैध धार्मिक निर्माण जैसे मुद्दों पर हाईलेवल बैठक करने जा रहे शाह

**एजेंसी। नई दिल्ली**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 से 27 फरवरी तक बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे है। जिसमें वे विशेष रूप से जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घुसपैठ और अवैध धार्मिक निर्माण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले है। यह बिहार में इस तरह की पहली उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक होगी, जिसमें बिहार के सीमांचल के सात जिलों किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, सहरसा और सुपौल के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक होगी। दरअसल बिहार के ये सभी जिले भारत-नेपाल और भारत-बांग्लादेश सीमाओं के निकट स्थित होने के कारण लंबे समय से सुरक्षा और आवाजाही की दृष्टि से संवेदनशील रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शाह की इस हाईलेंवल बैठक में जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की प्रस्तुतियों के साथ खुफिया आकलन पर चर्चा होगी। मुख्य विषयों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों, अवैध घुसपैठ की घटनाओं और कथित अनधिकृत धार्मिक निर्माणों की समीक्षा शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने और सुरक्षा कमियों को दूर करने के उपायों पर विशेष जोर देने वाले है। यह पहल सीमांचल क्षेत्र पर केंद्र के बढ़ते ध्यान को दर्शाती है, जहां अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निकटता और जटिल सामाजिक-आर्थिक स्थिति के कारण सुरक्षा और राजनीतिक चर्चाएँ लगातार रहती हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री शाह बिहार में व्यापक सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए भी कई बैठकें करने वाले है।

## दिल्ली में एआई समिट के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

**एजेंसी। नई दिल्ली**

दिल्ली के भारत मंडपम में 16-21 फरवरी तक आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भंग करने की कथित साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य अतिथियों, प्रतिनिधियों और आगंतुकों के बीच कुछ आक्रामक तत्वों ने पूर्वनियोजित तरीके से सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें काबू किया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी को चोटें भी आईं। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (क्राइम) देवेश श्रीस्ताव ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य अतिथियों, प्रतिनिधियों और आगंतुकों के बीच कुछ आक्रामक तत्वों ने पूर्वनियोजित तरीके से सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें काबू किया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी को चोटें भी आईं। मामले में थाना तिलक मार्ग में एफआईआर संख्या 19/2026 भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं 61(2), 121(1), 132, 190, 195(1), 221, 223(A), 196, 197 और 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में कई लोगों की संलिप्तता सामने आई। कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर कुछ संदिग्धों की पहचान की गई। जांच एजेंसियों को ऐसे अन्य व्यक्तियों की भी जानकारी मिली है, जिन्होंने कथित तौर पर इन आक्रामक तत्वों को लॉजिस्टिक और अन्य प्रकार की सहायता प्रदान की। पुलिस के अनुसार अब तक कुल आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार व्यक्तियों में भारतीय युवा कांग्रेस के पदाधिकारी भी शामिल हैं। सभी आरोपितों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई है। इसी क्रम में युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 191(1) और 192 भी जोड़ी हैं। पुलिस का दावा है कि अब तक की जांच में यह मामला गहन षड्यंत्र के तहत अंजाम दिया गया प्रतीत होता है, जिसके पुख्ता साक्ष्य जुटाए गए हैं। स्पेशल सीपी के मुताबिक, मामले की बहु-राज्यीय पृष्ठभूमि, आरोपितों के बीच संभावित वित्तीय एवं लॉजिस्टिक नेटवर्क और व्यापक साजिश के पहलुओं को देखते हुए आगे की जांच अब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल को सौंप दी गई है। पुलिस अन्य चिन्हित आरोपितों और संदिग्धों की तलाश में दिल्ली समेत अन्य राज्यों में छापेमारी कर रही है।

## उमा भारती की बहू एवं भतीजे को बम से उड़ाने की धमकी

**टीकमगढ़।** भाजपा की फायरब्रांड नेत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री की बहू एवं भतीजे को बम से उड़ाने की खबर सामने आने के बाद सनसनी फैल गई है। इतना ही नहीं फेसबुक पर मिली इस धमकी के बाद दो अज्ञात लोग उनके बंगले पर पहुंचे और धमकी दी। हालांकि जिला पंचायत अध्यक्ष की शिकायत के बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की बहू श्रीमती उमिता-राहुल लोधी टीकमगढ़ जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। उन्होंने शिकायत में बताया है कि बीती 21 तारीख को उन्होंने फेसबुक पर कोई पोस्ट की थी। इस पोस्ट पर 22 फरवरी की रात किसी जीडब्ल्यू बृजेंद्र कुशवाहा की आईडी से धमकाने वाला कमेंट आया। इस कमेंट में उन्हें और उनके पति पूर्व मंत्री राहुल लोधी को जान से मारने एवं बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अमिता-राहुल सिंह ने इस कमेंट के स्क्रीनशॉट को सुरक्षित किया। फिर इसी रात 11 बजे के लगभग देहात थाना अंतर्गत स्थित उनके बंगले पर दो अज्ञात युवक चेहरा ढक्कर पहुंचे। उन्होंने छज्जे से इन दोनों को देखा।

## एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के समुचित एकीकरण से पर्यटन अनुभव बेहतर होगा: उपराष्ट्रपति

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का समुचित एकीकरण पर्यटन अनुभव को अधिक सुगम, स्मार्ट और आकर्षक बना सकता है। उपराष्ट्रपति मंगलवार को यहां आयोजित पर्यटन नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन का आयोजन यूएस-इंडिया पार्टनरशिप फोरम ने सांकला फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र तेजी से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में एआई, डेटा एनालिटिक्स, वर्चुअल रियलिटी तथा स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी तकनीकों को अपनाना आवश्यक है।

इन तकनीकों के माध्यम से पर्यटकों को व्यक्तिगत सेवाएं, बेहतर मार्गदर्शन, सुरक्षित यात्रा और समृद्ध अनुभव प्रदान किए जा सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घोषित 'टूरिज्म विजन 2029' के तहत प्रत्येक राज्य में कम-से-कम एक विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

## 'सेवा तीर्थ' गतिशीलता, निष्ठा और समाधान को बढ़ावा देगा, नये कार्यालय में मंत्रिमंडल की पहली बैठक

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज प्रधानमंत्री के नये कार्यालय 'सेवा तीर्थ' में केंद्रीय मंत्रिमंडल की ऐतिहासिक प्रथम बैठक हुई। पहली बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर 'सेवा तीर्थ' की नई ऊर्जा और 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की तीव्र गति से भारत को निकट भविष्य में विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान दिलाने का दृढ़ संकल्प लिया गया। इसमें कहा गया, " 'सेवा तीर्थ' उस गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता का उत्तर है, जो जड़ता की जगह गतिशीलता को, उदासीनता की जगह निष्ठा को और संदेह की जगह समाधान को बढ़ावा देता है। पहली बैठक में पारित प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पढ़ा। इसमें कहा गया कि आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक में आधुनिक और सामर्थ्य भारत का सपना देखा गया। अब 'सेवातीर्थ' में संकल्पना को साकार किया जाएगा। प्रस्ताव में स्थान का इतिहास बताते हुए कहा गया है कि 'सेवा तीर्थ' उन अस्थायी बैरकों के स्थान पर बना है, जो ब्रिटिश काल के थे। उस स्थान पर राष्ट्र संचालन के सक्रिय संस्थान का निर्माण नए भारत के कायाकल्प का भी प्रतीक है। इसमें कहा गया कि 'गुलामी के कालखंड से पहले भारत अपनी भौतिक भव्यता और मानवीय मूल्यों के लिए जाना जाता था। सेवातीर्थ की संकल्पना इन दोनों ही आदर्शों से मिलकर बनी है। मूल भावना है कि कर्तव्य, सेवा और समर्पण की त्रिवेणी से यह कार्यस्थल एक तीर्थ की भांति पवित्र हो। इसमें इस संकल्प को दोहराया गया कि 'सेवा तीर्थ' में हो रही इस पहली बैठक के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल का हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के प्रति सेवाभाव से प्रेरित होगा और राष्ट्र निर्माण के व्यापक लक्ष्य से जुड़ा होगा।

## कैबिनेट ने गिफ्ट सिटी से शाहपुर तक अहमदाबाद मेट्रो विस्तार को दी मंजूरी, 1,067 करोड़ रुपये की परियोजना

**एजेंसी। नई दिल्ली**

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसी) के मौजूदा उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर को गिफ्ट सिटी से शाहपुर तक 3.33 किलोमीटर विस्तारित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1,067.35 करोड़ रुपये है और इसे लगभग चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि यह पूरा खंड एलिवेटेड (ऊपर से गुजरने वाला) होगा तथा इसमें तीन नए एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। यह विस्तार अहमदाबाद शहर और गिफ्ट सिटी क्षेत्र के बीच सार्वजनिक परिवहन संपर्क को और मजबूत करेगा। प्रस्तावित रूट के आसपास स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन से वर्ष 2029 तक प्रतिदिन लगभग 23,702 यात्रियों के इस कॉरिडोर के उपयोग का अनुमान है, जो वर्ष 2041 तक बढ़कर लगभग 58,059 प्रतिदिन हो सकता है। इससे अहमदाबाद और गिफ्ट क्षेत्र के बीच व्यवसाय, रोजगार तथा शिक्षा से जुड़े आवागमन की आवश्यकता को सुगम और तेज बनाया जा सकेगा। विस्तार से नेटवर्क एकीकरण बेहतर होगा और उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर की समग्र उपयोगिता बढ़ेगी। इससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, यातायात दबाव घटेगा और पर्यावरणीय लाभ भी प्राप्त होंगे। परियोजना के निर्माण चरण में लगभग 1,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है, जबकि संचालन एवं अनुरक्षण (ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस) चरण में लगभग 250 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा। इसके अतिरिक्त, निर्माण, आपूर्ति, सेवाओं तथा सहायक गतिविधियों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी बड़ी संख्या में उत्पन्न होंगे।

## तीन मंजिला मकान में भीषण आग, पांच मासूमों समेत महिला जिंदा जली

**मेरठ।** यूपी के मेरठ जिले से सोमवार रात किदवईनगर इलाके में एक कपड़ा व्यापारी के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में परिवार की एक महिला और पांच मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई। किदवईनगर निवासी कपड़ा व्यापारी इकबाल अंसारी का तीन मंजिला मकान है। घर के ग्राउंड फ्लोर पर रेडीमेड कपड़ों का बड़ा गोदाम है, जबकि ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहता था। सोमवार रात करीब 9 बजे, अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और आग कपड़ों के गोदाम तक पहुंच गई।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



# अब शांतिदूत बन सुप्रीम तकनीक से न्यायिक विवाद सुलझाएंगे डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. गंगवार

» उच्चतम न्यायालय के सर्टिफाइड मीडिएटर बनाए गए

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** शिक्षा के क्षेत्र में विगत साढ़े तीन दशक से सेवारत दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. अवनींद्र सिंह गंगवार की उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। डॉ. गंगवार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलहनामा परियोजना समिति (एमसीपीसी) की ओर से मध्यस्थता की अवधारणा एवं तकनीक पर आयोजित 40 घंटे के विशेष प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर एक विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। 18 दिसंबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक हाइब्रिड मोड में चले इस गहन सत्र के उपरांत मंगलवार को विद्यालय परिवार ने इसके लिए उन्हें बधाई दी और इसे संस्थान के लिए गौरव का क्षण बताया। विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने इसे पूरे झारखंड

के शिक्षा जगत के लिए एक बड़ा गौरव बताया।

इस प्रशिक्षण के साथ ही अब डॉ. गंगवार शिक्षाविद के साथ-साथ एक शांतिदूत की भूमिका में न्यायिक विवादों को सुलझाने में भी अपनी महती भूमिका निभा सकेंगे। एक सर्टिफाइड मीडिएटर (प्रमाणित मध्यस्थ) के रूप में भी अब वे पहचाने जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस प्रमाणन के साथ ही वे विभिन्न न्यायालयों (जिला न्यायालय, उच्च न्यायालय या स्वयं सुप्रीम कोर्ट) के मध्यस्थता केंद्रों में पैनलबद्ध हो चुके हैं। यानी, कोर्ट खुद ऐसे मामलों को उनके पास भेज सकता है, जिन्हें आपसी बातचीत से सुलझाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट की इस प्रतिष्ठित समिति (एमसीपीसी) के प्रशिक्षकों - इला रावत एवं राजीव ठकराल के मार्गदर्शन में प्राप्त यह दक्षता मात्र एक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि शिक्षा और न्याय के समन्वय की नई दिशा है। आम भाषा में समझें तो मीडिएशन का मतलब है दो पक्षों के बीच के झगड़े या विवाद को बिना कोर्ट-कचहरी जाए, बातचीत और सही तकनीक से सुलझाना। सुप्रीम कोर्ट की मीडिएशन एंड कॉन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी देशभर में ऐसे एक्सपर्ट्स तैयार करती है, जो कानूनी दांव-पेंच के बजाय आपसी सहमति से समाधान निकाल सकें। अंतरराष्ट्रीय न्यायिक मानकों के अनुरूप यह ट्रेनिंग इसलिए दी जाती है, ताकि विवादों को समय रहते मध्यस्थता व सुलहनामे से खत्म किया जा सके।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर डॉ. गंगवार ने सर्वोच्च न्यायालय की संबंधित समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे केवल एक व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक गंभीर जवाबदेही बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि समाज में शांति और सामंजस्य स्थापित करना है, जिसे अब वे न्याय के इस मानवीय पहलू (मध्यस्थता) के जरिए और भी सशक्त बनाएंगे। उनका मानना है कि अधिकांश विवादों का स्थाई हल कानूनी फैसलों से कहीं अधिक आपसी संवाद में छिपा होता है। उन्होंने कहा कि अपनी इस नई भूमिका के जरिए वे कड़वाहट की जगह सहयोग और विवाद की जगह विश्वास का वातावरण बनाने के लिए पूरी निष्ठा से समर्पित हो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

# जोखिम की पहचान ही बचाव का आधारः अधिशासी निदेशक दत्त

» बीएसएल में सेफ्टी सर्कल कार्यशाला की शुरुआत, जीरो एक्सीडेंट का लक्ष्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने कार्मिकों की सुरक्षा और कार्यस्थल को अभेद्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र (एचआरडी) में सेफ्टी सर्कल स्कीम के तहत तीन दिवसीय विशेष कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। 26 फरवरी तक चलने वाली इस कार्यशाला का उद्देश्य न केवल दुर्घटनाओं पर लगाम लगाना है, बल्कि हर कर्मचारी के भीतर सुरक्षा की एक स्वतः स्फूर्त संस्कृति विकसित करना है।

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बिपिन कृष्ण सरतापे तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) नीता बा की उपस्थिति रही। शुरुआत में नीता बा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा पेश की और बताया कि कैसे यह प्रशिक्षण आने वाले दिनों में संयंत्र के सुरक्षा मानकों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक श्री दत्त ने इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने जोर देकर

कहा कि कार्यस्थल पर संभावित खतरों और जोखिमों का सटीक आकलन (रिस्क एवं हैज़र्ड कैलकुलेशन) ही एक सुरक्षित वातावरण की नींव है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कार्यशाला सुरक्षा ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ संयंत्र में एक प्रो-एक्टिव यानी पूर्व-सक्रिय सुरक्षा संस्कृति के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उनका स्पष्ट संदेश था कि हर कार्मिक सुरक्षित रहे, यही प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

**भिलाई के विशेषज्ञ दे रहे हैं गुरुमंत्र**-कार्यशाला को खास बना रहे हैं मुख्य संकाय (फैकल्टी) के रूप में पधारे क्यूसीएफआई के गोपाल प्रसाद सिंह। भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) के रूप में उनका विशाल अनुभव प्रतिभागियों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। वे खतरा पहचान, जोखिम मूल्यांकन और सतत सुरक्षा सुधार जैसे तकनीकी विषयों पर व्यावहारिक जानकारियां साझा कर रहे हैं। इस पूरे आयोजन का कुशल समन्वय और संचालन प्रबंधक जे. एन. यादव तथा सहायक प्रबंधक एस. के. डी. भौमिक द्वारा किया जा रहा है।

# "वी आर योर फ्रेंड्स इन यूनिफॉर्म" के तहत अनाथ बच्चों में जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो** : 24 फरवरी 2026 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम "वी आर योर फ्रेंड्स इन यूनिफॉर्म" के अंतर्गत माहेर संस्थान में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने संस्थान में रह रहे अनाथ बच्चों से संवाद कर उन्हें उनके अधिकारों, शिक्षा के महत्व, अनुशासन और व्यक्तिगत सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

बच्चों को सरल और सहज भाषा में समझाया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या, भय या आपात स्थिति में वे अपने अभिभावक, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस से तुरंत संपर्क करें। उन्हें बताया गया कि आपात सहायता के लिए डायल 112 पर कॉल कर पुलिस से मदद ली जा सकती है। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच खेल

सामग्री का भी वितरण किया गया, जिससे उनके चेहरे पर खुशी देखी गई। साथ ही संस्थान प्रबंधन को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस की इस पहल को बच्चों और संस्थान की ओर से सकारात्मक सराहना मिली।

# इस्पातकर्मियों ने पेश की आत्मनिर्भरता की नई मिसाल

» मशीन शॉप की जर्मन रोल ग्राइंडिंग मशीन का कायाकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो** : बोकारो स्टील प्लांट के मशीन शॉप ने तकनीकी कौशल और आंतरिक संसाधनों के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्षों पुरानी और परिचालन संबंधी गंभीर बाधाओं से जूझ रही जर्मन निर्मित रोल ग्राइंडिंग मशीन को विद्युत एवं यांत्रिकी अनुरक्षण टीम ने नया जीवन प्रदान किया है। पिछले कुछ समय से यह मशीन बार-बार जाम होने और तकनीकी खराबी के कारण वेंटिलेटर पर थी, लेकिन प्लांट की जांबाज टीम ने इसे फिर से पूरी क्षमता के साथ धड़कने के लिए तैयार कर दिया है।

इस जटिल पुनरुद्धार कार्य को अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता और मशीन शॉप के विभागाध्यक्ष पी. पी. सिंह के कुशल मार्गदर्शन में

अंजाम दिया गया। मशीन शॉप के वरीय प्रबंधक शुभलेन्दु कुमार, नितिन सक्सेना और सहायक प्रबंधक मनोज कुमार की त्रिमूर्ति ने इस चुनौतीपूर्ण मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान ईटीएल के महाप्रबंधक हरिहर राउत, ईआरएस के सहायक महाप्रबंधक अनिंद्य पाल और वरीय प्रबंधक नवीन कुमार का तकनीकी सहयोग मील का पत्थर साबित हुआ, जबकि संपूर्ण कार्यों का बारीकी से पर्यवेक्षण सहायक महाप्रबंधक डी. के. मंडल ने किया।

**मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल टीम की जुगलबंदी**-नवीनीकरण की इस महा-प्रक्रिया में यांत्रिकी (मैकेनिकल) टीम ने मशीन के एक-एक पुर्जे को खोलकर उसकी गहन ओवरहॉलिंग की। मशीन के बार-बार जाम होने की पुरानी समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए गियरबॉक्स का पूर्ण जीर्णोद्धार किया गया। वहीं दूसरी ओर, विद्युत अनुरक्षण टीम ने ईटीएल और ईआरएस विभागों के साथ मिलकर मशीन की नसों यानी कंट्रोल केबल्स और रिले लॉजिक सिस्टम को पूरी तरह बदल दिया। इस हाई-टेक प्रतिस्थापन से मशीन के संचालन में आने वाली रुकावटें अब इतिहास बन गई हैं।

**बढ़ेगी उत्पादकता, लागत में भारी बचत**-मशीन शॉप की इस साहसिक पहल ने न केवल रोल ग्राइंडिंग मशीन की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है, बल्कि इसकी उपलब्धता भी शत-प्रतिशत सुनिश्चित की है। सबसे खास बात यह रही कि यह पूरा कार्य बाहरी एजेंसी के बजाय आंतरिक संसाधनों और विशेषज्ञता से पूरा किया गया, जो बीएसएल की आत्मनिर्भरता और तकनीकी उत्कृष्टता का जीता-जागता प्रमाण है। इससे न केवल परिचालन लागत में भारी कमी आएगी, बल्कि संयंत्र की कुल उत्पादकता को भी नई गति मिलेगी।

# सेक्टर 12 में दो दिवसीय अष्टजाम, अखंड हरिकिर्तन में डीसी-एसपी शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारोः** सेक्टर 12 स्थित क्लब मोड़ के निकट श्रीराम क्लब सेवा समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय अष्टजाम एवं 24 घंटे का अखंड हरिकिर्तन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा और हनुमान जी की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुआ। विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण और जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

समिति के संस्थापक अध्यक्ष रिंकू सिंह ने बताया कि श्री हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्रीराम की आराधना के साथ हरिनाम संकीर्तन प्रारंभ हुआ और 24 घंटे तक अखंड हरिकिर्तन चलता रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधते हैं और भजन-कीर्तन से आपसी भाईचारा मजबूत होता है।

कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह भी शामिल हुए। दोनों अधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि, शांति और प्रगति के लिए प्रार्थना की तथा आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक गतिविधियां समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

महायज्ञ और अखंड हरिकिर्तन को सफल बनाने में

दिनेश पांडेय, चुमन कुमार, अमरनाथ पोद्दार, सोमेश पाण्डेय, भरत यादव, संतोष वरनवाल, संतोष कुमार, रंजय कुमार, शिव कुमार, गौरव कुमार, पिंटू (अयोध्या कुमार), राम जी, शैलेश कुमार, पप्पू कुमार, गोलू कुमार, रंजय, गौतम, गौरव, शांतनु चौहान, राजु जी, रंजय जी, प्युष, अनिल कुमार, विशाल और अजय सहित कई सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति गीतों और कीर्तन का आनंद लिया।

# अनुसूचित क्षेत्रों में शहरीकरण पर उठे संवैधानिक सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कोल्हान :** विस्थापित अधिकार मंच के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने विस्तृत बयान जारी कर आरोप लगाया है कि झारखंड के पाँचवीं अनुसूची अंतर्गत अधिसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं के संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों को क्रमिक रूप से कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों के गांवों को नगर निकायों में शामिल करने, सीमा विस्तार करने और शहरी क्षेत्र घोषित करने की प्रक्रियाएँ ऐसे ढंग से आगे बढ़ाई जा रही हैं, जिससे संविधान प्रदत्त विशेष सुरक्षा प्रावधान निष्प्रभावी होते जा रहे हैं।

राकेश रंजन महतो ने कहा कि भारतीय संविधान की पाँचवीं अनुसूची अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विशेष व्यवस्था प्रदान करती है। इसके तहत राज्यपाल को यह अधिकार है कि वे सामान्य राज्य कानूनों को अनुसूचित क्षेत्रों में पूर्णतः या आंशिक रूप से लागू न करें अथवा आवश्यक संशोधन करें। साथ ही आदिवासी सलाहकार परिषद से परामर्श की व्यवस्था भी आदिवासी हितों की रक्षा के उद्देश्य से की गई है। उनका कहना

है कि बिना राज्यपाल की विशेष अधिसूचना और परिषद से विधिवत परामर्श के यदि शहरी निकायों का गठन या विस्तार किया जाता है, तो यह संवैधानिक भावना के विपरीत होगा।

उन्होंने पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी धारा 4 के तहत ग्राम सभा को स्वशासन की मूल इकाई माना गया है। कानून के अनुसार भूमि अधिग्रहण से पूर्व ग्राम सभा से परामर्श या सहमति अनिवार्य है, लघु वनोपज पर स्वामित्व ग्राम सभा का होता है, खनन पट्टा या परियोजनाओं से पहले स्थानीय समुदाय की राय आवश्यक है तथा पारंपरिक संसाधनों और सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था की रक्षा की जिम्मेदारी भी ग्राम सभा पर है। उनका आरोप है कि किसी ग्राम को नगर निगम या नगर परिषद क्षेत्र में शामिल किए जाने के बाद PESA स्वतः लागू नहीं रहता और ग्राम सभा की वैधानिक स्थिति समाप्त हो जाती है।

राकेश रंजन महतो ने वन अधिकार अधिनियम, 2006 (FRA) का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकारों की मान्यता ग्राम सभा की अनुशंसा पर आधारित है। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन का अधिकार भी ग्राम सभा को प्राप्त है। ऐसे क्षेत्रों को शहरी सीमा में सम्मिलित करने से सामुदायिक भूमि और संसाधनों की कानूनी स्थिति प्रभावित हो सकती है, जिससे भविष्य में भूमि उपयोग परिवर्तन और संभावित विस्थापन की आशंका बढ़ेगी।

उन्होंने 74वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 का उल्लेख करते हुए कहा कि शहरी निकायों की स्थापना संविधानसम्मत है, लेकिन यह संशोधन पाँचवीं अनुसूची को निरस्त नहीं करता। अनुसूचित क्षेत्रों में किसी भी प्रशासनिक पुनर्गठन से पहले संवैधानिक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है।

विस्थापित अधिकार मंच ने राज्य सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या संबंधित क्षेत्रों में राज्यपाल की विशेष अधिसूचना जारी हुई है, क्या आदिवासी सलाहकार परिषद से औपचारिक परामर्श लिया गया है, क्या ग्राम सभाओं की लिखित सहमति प्राप्त की गई है और क्या PESA व वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों की विधिक समीक्षा की गई है। मंच ने मांग की है कि जब तक व्यापक जनसुनवाई, ग्राम सभा की सहमति और संवैधानिक समीक्षा पूरी नहीं हो जाती, तब तक नगर निकाय गठन, सीमा विस्तार या प्रशासनिक पुनर्वर्गीकरण की प्रक्रिया स्थगित की जाए।

अंत में राकेश रंजन महतो ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा, आदिवासी स्वायत्तता और जल-जंगल-जमीन पर समुदाय के अधिकारों की रक्षा का प्रश्न है। यदि संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी जारी रही तो विस्थापित अधिकार मंच लोकतांत्रिक और विधिक माध्यमों से व्यापक जनआंदोलन चलाने को बाध्य होगा।

# बोकारो की सियारी पंचायत का राष्ट्रीय पटल पर बजा डंका, मुंबई क्लाइमेट वीक में लो-कार्बन मॉडल की धूम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** झारखंड के बोकारो जिले ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। गोमिया प्रखंड की सियारी पंचायत ने अपने अनूठे लो-कार्बन विकास मॉडल के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाई है। हाल ही में मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित क्लाइमेट वीक 2026 के दौरान इस पंचायत की पर्यावरण-अनुकूल पहलों को व्यापक स्तर पर सराहा गया।

**पांच राज्यों के बीच गूंजी झारखंड की आवाज**-पंचायत के मुखिया रामवृक्ष मुर्मू ने पंचायत लीडिंग इंडियाज क्लाइमेट चार्ज सत्र में बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों से आए प्रतिनिधियों के साथ मंच साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह एक छोटी सी पंचायत जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती का सामना स्थानीय स्तर पर कर रही है।

**सौर ऊर्जा और नवाचार से बदली**

**पंचायत की सूरत**-मुखिया ने अपनी प्रस्तुति में उन चुनौतियों और समाधानों को रेखांकित किया, जिन्होंने सियारी को मॉडल बनाया। उन्होंने बताया कि बार-बार बिजली कटौती से बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी, जिसके समाधान हेतु सीएसआर फंड से 72 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं। विद्यालयों और सामुदायिक भवनों को सोलर सिस्टम से लैस किया गया है। मुख्य तालाब पर सोलर आधारित लिफ्ट सिंचाई पंप स्थापित कर डीजल और अनियमित बिजली पर किसानों की निर्भरता को समाप्त किया गया। साथ ही, 800 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इतना ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन बनाने के लिए भी पंचायत ने ठोस कदम उठाए हैं। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) और बिरसा मुंडा बागवानी मिशन के माध्यम से क्षेत्र में 2,880 आम के पौधों सहित 800 अन्य फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए हैं।

इस सफलता के पीछे पंचायत हेल्प डेस्क, पॉलिसी एंड डेवलपमेंट एडवाइजरी ग्रुप, दामोदर बचाओ अभियान और कॉमन ग्राउंड इनिशिएटिव जैसे संगठनों का महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग रहा है। यह पूरी पहल कॉन्फ्रेंस ऑफ पंचायत कार्यक्रम का हिस्सा है, जो पंचायतों को भविष्य के लिए तैयार कर रही है।

**उपायुक्त ने दी बधाई, कहा- अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा**-इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने मुखिया और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर जलवायु अनुकूल विकास की यह मिसाल अन्य पंचायतों के लिए पथ-प्रदर्शक बनेगी और भविष्य में ऐसे नवाचारों को प्रशासन द्वारा हर संभव प्रोत्साहन दिया जाएगा।

# पारस एचईसी हॉस्पिटल में कैंसर सर्वाइवर्स मीट में 50 योद्धाओं को किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**रांचीः** पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में कैंसर सर्वाइवर्स के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन उन मरीजों के लिए समर्पित था, जिनका इलाज अस्पताल के कैंसर सेंटर में चल रहा है या पूरा हो चुका है। कार्यक्रम में करीब 50 कैंसर सर्वाइवर्स को सम्मानित किया गया और उनके साहस को सलाम किया गया। कार्यक्रम में सर्वाइवर्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले जिस इलाज के लिए उन्हें मुंबई या दिल्ली जाना पड़ता था, वह अब रांची में ही उपलब्ध है। मरीजों ने डॉक्टरों की विशेषज्ञता की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल का माहौल काफी दोस्ताना है और इलाज भी अपेक्षाकृत किफायती है। इस अवसर पर हॉस्पिटल के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ गुंजेश कुमार सिंह ने कहा कि कैंसर अब लाइलाज बीमारी नहीं है। सही समय पर जांच और आधुनिक उपचार से अधिकांश मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। हमारा उद्देश्य मरीजों को विश्वस्तरीय इलाज स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है।

सीनियर कंसल्टेंट, हेड एंड नेक सर्जरी डॉ मदन प्रसाद गुप्ता ने कहा कि हेड एंड नेक कैंसर के मामलों में समय पर सर्जरी और मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच बेहद जरूरी है। पारस में सभी विशेषज्ञ एक साथ मिलकर

मरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ उपचार योजना बनाते हैं।

एसोसिएट कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डॉ अभिनव शेखर ने कहा कि तकनीक और अनुभव के समन्वय से जटिल सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा रही है। हमारा प्रयास है कि मरीजों को बड़े शहरों जैसा भरोसेमंद इलाज यहीं उपलब्ध हो। एसोसिएट कंसल्टेंट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी डॉ निशांत भारद्वाज ने कहा कि आधुनिक रेडिएशन तकनीक से उपचार अधिक सटीक और सुरक्षित हुआ है। इससे साइड इफेक्ट कम होते हैं और मरीज जल्दी स्वस्थ होते हैं।

हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस अस्पताल में कैंसर के इलाज की सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि झारखंड के मरीजों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी डॉक्टर और समर्पित टीम के साथ हम बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### मधुकरपुर में घर में घुसा रसैल वाइपर, रेस्क्यू कर निकाला गया बाहर

**कसमार (बोकारो) :** कसमार प्रखंड के मधुकरपुर में सोमवार की देर रात अशोक कुमार महतो के घर पर आस्ट्रेलियन रसेल वाइपर सांप घुस गया, जिसे गांव के कुछ युवाओं के प्रयास से रेस्क्यू कर उसे पकड़कर दूर जंगल में ले जाकर छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार अशोक महतो जब रात में घर से आंगन में निकले तो देखा कि घर के एक कोने में रसेल वाइपर सांप दीवाल की ओर चढ़ रहा था। उन्होंने रसेल वाइपर सांप देखते ही हल्ला किया तो घर और आसपास के लोग जुटे। इस बीच गांव से दो तीन ऐसे युवकों को बुलाया गया जो सांप पकड़ने में माहिर थे। सभी के प्रयास से सांप को सुरक्षित पकड़कर गांव से दूर जंगल में ले जाकर छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार सांप लगभग 7 फुट लंबा था। रेस्क्यू टीम में विवेक कुमार, नेहरू रेड्डी, विनय कुमार, धनेश्वर महतो, जयंत कुमार, सुनील कुमार तुरी शामिल थे। जानकार लोगों ने बताया कि इन दिनों इस क्षेत्र में रसेल वाइपर सांप अधिक देखे जा रहे हैं। अक्सर यह सांप अपने भोजन जैसे चूहा, छिपकली इत्यादि की तलाश में घरों पर घुस जाते हैं। इस सांप को गांव में सियारचंदा के नाम से लोग जानते हैं, जो काफी जहरीला माना जाता है।

### बोकारो थर्मल में आंधी-पानी से तबाही

**बोकारो थर्मल :** सोमवार की काली रात बोकारो थर्मल और आसपास के इलाकों के लिए दुश्वारियों भरी रही। अचानक आए प्रचंड तूफान और मूसलाधार बारिश ने ऐसा कहर बरपाया कि समूची आवासीय कॉलोनी अंधेरे के आगोश में समा गई। प्रकृति के इस रौद्र रूप के कारण बिजली व्यवस्था पूरी रात वेंटिलेटर पर रही और जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।तूफान की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुभाष नगर स्थित पुराने सिविल ऑफिस के समीप 11 केवी लाइन का इंसुलेटर जोरदार धमाके के साथ फट गया। इससे हाई-वोल्टेज तार टूटकर जमीन पर आ गिरा, जिसके परिणामस्वरूप सिक्स यूनिट, रेलवे स्टेशन, लेबर क्वार्टर, निशान हाट, मुर्गी फार्म, जीएम कॉलोनी और गोविंदपुर बस्ती जैसे विस्तृत क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई। आधी रात को अचानक हुए इस ब्लैकआउट से हजारों लोग उमस और अंधेरे से जूझने को मजबूर हो गए। बिजली संकट के साथ-साथ शहर की बदहाल सड़कों ने लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया। झारखंड चौक से बैंक ऑफ इंडिया और अंबेडकर नगर से रेलवे स्टेशन हनुमान मंदिर तक की सड़कें कीचड़ के दलदल में तब्दील हो गईं। दरअसल, एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) कार्य के लिए बिछाई गई पाइप लाइनों हेतु सड़कों की खुदाई की गई थी। बारिश होते ही वहां जमा मिट्टी ने फिसलन और कीचड़ का ऐसा जाल बुना कि दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों का निकलना दूभर हो गया।

### श्यामा माई मंदिर में होली महोत्सव के साथ बहने लगी भागवत-ज्ञान की रसधार

- भागवत दृष्टि रखकर ही जीवन में सुखी हो पाना संभव : गोविंद कृष्ण शास्त्री

**बोकारो :** मैथिली कला मंच, कालीपूजा ट्रस्ट के तत्वावधान में एक बार फिर फाल्गुन में श्रीमदभागवत कथा का अनूठा सम्मिलन शुरू हुआ। नगर के सेक्टर-2डी स्थित काली मंदिर (श्यामा माई मंदिर) में होली महोत्सव के साथ-साथ श्रीमद्भागवत कथा रस वृष्टि का आयोजन मंगलवार को विधिवत शुरू हो गया। इसके पूर्व, सोमवार को कलशयात्रा के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ था। रंगों की फुहार वाले त्योहार होली में एक बार फिर भागवत ज्ञान के रस में सराबोर करने भागवत भास्कर कृष्णचंद्र ठाकुर जी महाराज के कृपापात्र शिष्य व्यास विग्रह गोविंद कृष्ण शास्त्री जी महाराज मथुरा के वृंदावन धाम से पहुंचे हैं। मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन दोपहर 3 से संध्या 7 बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 01 मार्च को होली उत्सव, भजन कीर्तन और महाप्रसाद वितरण के साथ यज्ञ की पूर्णाहुति होगी।

मंगलवार को कार्यक्रम में पहुंचे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गोविंद कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने गीत-संगीत के साथ आत्मदेव नामक ब्राह्मण और उसकी पत्नी धुंधली की कथा का वर्णन करते हुए भागवत ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन में अगर हम सुखी होना चाहते हैं, तो हमें भागवत दृष्टि रखनी होगी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मैथिली कला मंच, काली पूजा ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण चन्द्र झा, महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर सहित यज्ञाचार्य पं. राहुल शर्मा, मुख्य यजमान सुशीला मिश्र, कौशलेंद्र मिश्र, सतीश चंद्र मिश्र, कैलाश कुमार मिश्र, अरुण कुमार ठाकुर, प्रमिला देवी, किरण मिश्र, पं गोविंद झा, पं. गौरी शंकर झा, सुशील कुमार झा के अलावा सैकड़ों की संख्या श्रद्धालु रहे। इस क्रम में राधा-कृष्ण की मनोरम झांकी भी प्रस्तुत की गई।

# डीसी-एसपी ने मतगणना केन्द्र का किया सघन निरीक्षण, अभेद्य सुरक्षा के बीच होगी वोटों की गिनती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े मापदंड तय कर दिए हैं। मतगणना प्रक्रिया की गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक विस्तृत निषेध सूची जारी की है, जिसका उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चास स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में बनाए गए मतगणना केंद्र की तैयारियों का जायजा लेने सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह और उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार स्वयं धरातल पर उतरे।

अधिकारियों ने मतगणना हॉल और स्ट्रांग रूम का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम से मतगणना हॉल तक मतपेटियों को लाने-ले जाने के सुरक्षित गलियारे, त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाची पदाधिकारियों, अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं के प्रवेश व निकासी के मार्ग अलग-अलग हों, ताकि कहीं भी भीड़ की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही, प्रकाश व्यवस्था और अग्निशमन संसाधनों को हर वक्त अलर्ट मोड पर रखने को कहा गया है।

**मोबाइल पर पूर्ण प्रतिबंध, मीडिया और मेडिकल के लिए विशेष इंतजाम**-अनुशासन को लेकर प्रशासन का रुख बेहद कड़ा है। मतगणना केंद्र के भीतर मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, हालांकि प्राधिकृत मीडिया कर्मियों को मीडिया सेंटर तक मोबाइल ले जाने की छूट दी गई है। केंद्र पर सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक सुसज्जित मीडिया सेंटर, प्राथमिक उपचार हेतु मेडिकल टीम और सहायता के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

**पार्किंग और ट्रैफिक के लिए बना मास्टर प्लान**-मतगणना के दिन केंद्र के बाहर होने वाली गहमागहमी को देखते हुए वाहन पार्किंग का विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया गया है। अधिकारियों, मतदान कर्मियों, अधिकृत मीडियाकर्मियों और अभ्यर्थियों के वाहनों के लिए अलग-अलग स्थल चिन्हित किए गए हैं। सुचारू यातायात हेतु ट्रैफिक प्लान बनाने और हर महत्वपूर्ण मोड़ पर स्पष्ट साइनेज (दिशा-सूचक बोर्ड) लगाने का आदेश दिया गया है, ताकि आमजनों को असुविधा न हो।

**प्रवेश द्वार पर सभी व्यक्तियों की होगी सघन तलाशी**-प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतगणना केंद्र के प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा बल सभी व्यक्तियों की सघन तलाशी लेंगे। यदि किसी के पास से कोई भी प्रतिबंधित सामग्री बरामद होती है, तो उसे तत्काल जब्त कर लिया जाएगा। यह नियम मतगणना में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों, कर्मियों, अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं पर समान रूप से लागू होगा। जिला प्रशासन ने सभी से अपील की है कि शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतगणना संपन्न कराने के लिए इन नियमों का कड़ाई से पालन करें।

**पारदर्शिता पर जोर, अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं**-प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि मतगणना की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। यदि कोई भी व्यक्ति अव्यवस्था फैलाने या अफवाह उड़ाने की कोशिश करेगा, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी शफीक आलम और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

### मतगणना के कारण 27 फरवरी को उपायुक्त का जनता दरबार स्थगित

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 की मतगणना को लेकर प्रशासनिक व्यस्तताओं के कारण आगामी 27 फरवरी 2026 को प्रस्तावित उपायुक्त का जनता दरबार स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में विशेष कार्य पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी ने मंगलवार को आधिकारिक जानकारी साझा की।

उन्होंने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे 27 फरवरी को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु समाहरणालय में आयोजित होने वाले जनता दरबार में उपस्थित न हों। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस तिथि के पश्चात जनता दरबार पूर्व की भांति अपने निर्धारित समय पर पुनः संचालित किया जाएगा।

# बगदा : पत्रकार मनोज कपरदार की भाभी लीलावती देवी का निधन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कसमार (बोकारो) :** कसमार प्रखंड के बगदा गांव निवासी बोकारो समाहरणालय के दिवंगत कार्यालय अधीक्षक स्वर्गीय जगदीश प्रसाद कपरदार की धर्मपत्नी तथा वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार कपरदार की भाभी लीलावती देवी (74) का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं और रांची में उनका इलाज चल रहा था। लीलावती देवी अपने पीछे तीन पुत्र कृष्ण किशोर कपरदार, रवि कपरदार और चंद्रकिशोर कपरदार तथा दो पुत्रियां विनांजलि और पुष्पांजलि समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। कृष्ण किशोर कपरदार झामुमो के नेता हैं, जबकि विनांजलि एवं पुष्पांजलि सरकारी शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। मृतका सरल, धार्मिक और मिलनसार स्वभाव की महिला थीं। परिवार और समाज में उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त था। उनके निधन से कपरदार परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, प्रमुख नियोती कुमारी, विधायक प्रतिनिधि मो शेरे आलम, जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार हेंब्रम, जेएलकेएम जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार महतो, भाकपा माले प्रखंड सचिव शकुर अंसारी, बगदा पंचायत समिति सदस्य मौउ भट्टाचार्य, टांगटोना पंचायत समिति सदस्य ज्योत्सना झा, सिंहपुर पंचायत समिति सदस्य विनोद महतो, पूर्व मुखिया रामसेवक जायसवाल, विष्णु चरण महतो, पूर्व पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र जायसवाल, झामुमो नेता सिकंदर कपरदार, समाजसेवी घनश्याम महतो, राजेश कुमार राय, शंभू कपरदार, पंकज कुमार जायसवाल, ज्ञानेश जायसवाल, पंकज मोदक सहित कई गणमान्य लोग शामिल हैं।

# कसमार में पंचायत सहायकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कसमार (बोकारो) :** झारखण्ड सरकार के निर्देश पर कसमार प्रखण्ड के सभी पंचायत सचिवालय में कार्यरत पंचायत सहायकों का प्रखण्ड स्तरीय चार दिवसीय प्रशिक्षण कसमार प्रखण्ड मुख्यालय के सभागार में मंगलवार को समाप्त हुआ। उक्त ट्रेनिंग में पंचायत सहायकों के अलावा सभी पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत सचिव भी शामिल हुए। मास्टर ट्रेनर प्रकाश चन्द्र झा व रिसोर्स पर्सन सुनिता देवी ने प्रशिक्षण पूरा कराया। विदित हो कि पंचायत सचिवालयों में तकरीबन एक वर्ष पूर्व ग्रामसभा के माध्यम से पंचायत सहायकों का चयन किया गया था। तब से वे बगैर किसी प्रशिक्षण के ही कार्य करते आ रहे हैं। पंचायत सहायक पंचायत सचिवालयों में स्थापित ग्राम पंचायत सहायता केन्द्र के संचालक की भूमिका निभाएंगे तथा ग्रामीणों के सभी प्रकार के आवेदन को प्राप्त कर पावती निर्गत करते हुए फाइल में संधारण कर संबंधित विभाग को अग्रत्तर कार्रवाई हेतु प्रेषित करेंगे। जिससे अब आम जनता को छोटी या बड़ी समस्या के लिए प्रखण्ड कार्यालय या संबंधित विभाग के दफ्तर की दौड़ नही लगानी पड़ेगी। मौके पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पंचायत सहायक मिथिलेश कुमार महतो, दिलीप कुमार महतो, संजु कुमारी, दीपक कुमार महतो, ब्रजेश कुमार महतो, मिंटी सिंह, मिथुन महतो, देवप्रिय झा, रीना देवी, रूपलाल महतो, विवेक शर्मा, विजय कपरदार, हेमंत कुमार महतो, रेणु रंजन भारती, सुधा कुमारी, आशीष कुमार, राकेश कुमार महतो, त्रिलोचन महतो, निर्मल महतो, साहिना बेगम, रोज मोहम्मद, लखन महतो, लवकुश रजवार, सुनीता देवी, हेमंती देवी, मोहन नायक विकाश करमाली के अलावा कसमार प्रखण्ड के सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव तथा ब्लॉक कोर्डिनेटर अभिषेक कुमार ठाकुर भी मौजूद रहें।

# बैरिकेडिंग तोड़कर भागी थार, चार गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कांड संख्या 34/26 दिनांक 23/02/26 के प्राथमिकी अभियुक्त को जेल भेजा गया।

कांड संख्या 33/26 दिनांक 23/02/26 के प्राथमिकी अभियुक्त को जेल भेजा गया।

**बोकारो :** नगर निकाय चुनाव 2026 के मद्देनजर बोकारो में पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बोकारो से मिले निर्देश के बाद 22 फरवरी 2026 को पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के आदेश पर संवेदनशील स्थानों पर विशेष छापामारी और वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन और पुलिस उपाधीक्षक यातायात विद्या शंकर की निगरानी में बीएस सिटी थाना क्षेत्र के अमृत पार्क गरगा पुल चेक पोस्ट के पास सघन वाहन जांच की जा रही थी। अभियान में बीएस सिटी, सेक्टर 4, हरला और यातायात थाना प्रभारियों सहित कई पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे।

रात करीब 10 बजे एयरपोर्ट की ओर से आ रही एक काले रंग की थार वाहन ने पुलिस का ध्यान खींचा। वाहन की नंबर प्लेट पर रजिस्ट्रेशन नंबर की जगह "पापा" लिखा हुआ था। पुलिस ने जब वाहन को रुकने का संकेत दिया तो चालक ने बैरिकेडिंग तोड़ते हुए तेज रफ्तार में चास की ओर भागने की कोशिश की। इस दौरान जांच में लगे पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे। पुलिस टीम ने पीछा कर वाहन को पकड़ा। जांच में थार का वास्तविक रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच09बीएन 4141 पाया गया। ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने पर चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। वाहन पर सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर बीएस सिटी थाना कांड संख्या 33/26, दिनांक 22.02.2026 के तहत धारा 281/132/109/221/352/3(5) बीएनएस एवं 185 एमवी एक्ट में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इसी दौरान जांच स्थल पर जेएच09बीए 5612 नंबर की टाटा पंच कार को भी रोका गया। चालक शराब के नशे में पाया गया। जब वाहन जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई तो चालक और कार में सवार एक अन्य व्यक्ति ने जांच अधिकारी से उलझते हुए सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर बीएस सिटी थाना कांड संख्या 34/26, दिनांक 22.02.2026 के तहत धारा 132/109/221/352/3(5) बीएनएस एवं 185 एमवी एक्ट में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दोनों वाहनों को जब्त कर थाना लाया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में थार चालक शिव कुमार (27 वर्ष), पिता महेन्द्र यादव, निवासी भगवती कॉलनी, चास बोकारो; नितेश कुमार (26 वर्ष), पिता दिलीप साव, निवासी बिहार कॉलनी, चास बोकारो; टाटा पंच चालक अशोक कुमार (31 वर्ष), पिता दिलीप शर्मा; तथा मिथलेश कुमार ठाकुर (20 वर्ष), पिता शिव भूषण ठाकुर, निवासी बिहार कॉलनी, चास, थाना चास, जिला बोकारो शामिल हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि चुनाव को लेकर जिले में सघन जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# हाथियों की गतिविधियों पर पैनी नजर के लिए बोकारो प्रशासन ने जारी किया व्हाट्सएप चैनल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हाथियों के निरंतर विचरण और उससे उत्पन्न होने वाले खतरों को देखते हुए जिला प्रशासन एवं वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब हाथियों की ताजा लोकेशन और उनकी गतिविधियों की सटीक जानकारी सीधे नागरिकों के मोबाइल तक पहुंचाने के लिए एक आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल शुरू किया गया है। यह कदम मानव-वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने और जनहानि को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

इस नई व्यवस्था के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीण और नागरिक हाथियों के मूवमेंट, उनके झुंड की वर्तमान स्थिति और वन विभाग द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों को तत्काल प्राप्त कर सकेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अक्सर अफवाहों के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल बन जाता है, जिससे बचने के लिए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करना श्रेयस्कर है।

**हाथियों के अपडेट के लिए इस लिंक का करें प्रयोग**-जिला प्रशासन ने अपील की है कि हाथियों से संबंधित किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचित करें। ताजा अपडेट पाने के लिए नागरिक निम्नलिखित लिंक के माध्यम से आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल से जुड़ सकते हैं। चैनल का नाम- बोकारो हाथी अपडेट्स, व्हाट्सएप लिंक- https://whatsapp.com/channel/0029Vb7FEMiDJ6GsfDXOQN0w

**सतर्कता को ही बताया बचाव के उपाय**-वन विभाग का मानना है कि समय रहते सूचना मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकते हैं और जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह पहल विशेष रूप से उन संवेदनशील क्षेत्रों के लिए संजीवनी साबित होगी, जहां हाथियों का झुंड अक्सर फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाता है।

# बोकारो में 23 केंद्रों पर वाणिज्य संकाय के 1526 विद्यार्थियों ने दी सीबीएसई एकाउंटेंसी की परीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के क्रम में मंगलवार को वाणिज्य संकाय के महत्वपूर्ण विषय एकाउंटेंसी की परीक्षा आयोजित की गई। बोकारो जिले के सभी 23 परीक्षा केन्द्रों को मिलाकर कुल 1526 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। कुल पंजीकृत 1530 में से 04 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सीबीएसई के नगर समन्वयक एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बताया कि परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त रही। चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

उन्होंने केन्द्रवार परीक्षार्थियों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि डीपीएस चास में 6, जीजीपीएस चास में 89, होली क्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 01, आदर्श विद्या मंदिर चास में 12, होली क्रॉस बालीडीह में 30, चिन्मय विद्यालय में 97, केंद्रीय विद्यालय बोकारो थर्मल में 5, क्रिसेन्ट पब्लिक स्कूल में 70, डीपीएस सेक्टर-4 में 80, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में 163, डीएवी स्वांग में 75, केंद्रीय विद्यालय चंद्रपुरा में 56, डीएवी भंडारीदह में 68, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में 127, डीएवी तेनुघाट में 29, डीएवी सेक्टर-4 में 174, डीएवी 6 में 45, पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल में 20, जीजीपीएस चास में 75, केंद्रीय विद्यालय- 1 बोकारो में 83, सरस्वती विद्या मंदिर 3सी में 73, पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया में 142 और डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी में 6 परीक्षार्थी शामिल हुए।

**अधिकतर परीक्षार्थियों को आसान लगे पेपर, तो कुछ ने कहा लेन्दी**-परीक्षा देकर बाहर निकले परीक्षार्थियों में अधिकतर ने एकाउंटेंसी के प्रश्नपत्र को आसान बताया। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र काफी संतुलित थे। विषय के विशेषज्ञों ने भी कहा कि सभी क्वेश्चन मॉडरेट थे। जिन बच्चों ने थोड़ी सी भी अच्छी तैयारी की होगी, वे निश्चय ही अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। वहीं, कुछ परीक्षार्थियों ने प्रश्नों को लेन्दी और अधिक समय लेने वाला बताया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### मतगणना हेतु काउंटिंग सुपरवाइजर तथा काउंटिंग असिस्टेंट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

**धनबादः** नगर निकाय आम निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसी क्रम में मंगलवार को मतगणना हेतु काउंटिंग सुपरवाइजर तथा काउंटिंग असिस्टेंट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न कराया गया।

यह रेंडमाइजेशन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। पूरी प्रक्रिया जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन तथा सामान्य प्रेक्षक नगर निगम तथा नगर परिषद की उपस्थिति में संपन्न कराई गई, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज समेत सभी आरओ, एआरओ, डीआईओ मौजूद रहे।

### सामान्य प्रेक्षक ने की प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की समीक्षा

**धनबादः** धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो ने राजकीय पॉलिटेक्निक में धनबाद नगर निगम के महापौर व 55 वार्ड के वार्ड पार्षद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष व 21 वार्ड पार्षद प्रत्याशी तथा उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की समीक्षा की।

इस दौरान सामान्य प्रेक्षक ने धनबाद नगर निगम तथा चिरकुंडा नगर परिषद के सभी बूथ के प्रीसाइडिंग ऑफिसर से प्राप्त प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की बारी बारी से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उपस्थित प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधियों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। मौके पर धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो, महापौर पद के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार के अलावा धनबाद नगर निगम व चिरकुंडा नगर परिषद के निर्वाची पदाधिकारी मौजूद थे।

### बजट गांव, गरीब और शिक्षा के संदर्भ में संतुलित लेकिन व्यवसायियों की उपेक्षाः प्रमोद गोयल

**धनबादः** बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, धनबाद के अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट गांव, गरीब और शिक्षा के संदर्भ में संतुलित कहा जा सकता है लेकिन बजट में व्यापार और व्यवसाय जगत की उपेक्षा की गई है। झारखंड प्रोफेशनल टैक्स (जेपीटी) को खत्म करने की घोषणा की उम्मीद व्यापारी कर रहे थे लेकिन निराशा ही मिली। चैंबर ऑफ कॉमर्स झारखंड प्रोफेशनल टैक्स का हमेशा विरोध करता रहेगा। सरकार को बजट में व्यापार हित में कुछ सोचना चाहिए था। धनबाद में एयरपोर्ट के लिए जमीन उपलब्ध करवाने की घोषणा करनी चाहिए, धनबाद की उपेक्षा की गई।

### रेलवे स्टेशन के पास युवक की गोली मारकर हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

**बोकारो :** बोकारो रेलवे स्टेशन के टेम्पो स्टैंड के समीप सोमवार शाम करीब 7 बजे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सचिन यादव के रूप में हुई है। घायल अवस्था में उसे तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक के छोटे भाई मिथिलेश कुमार के लिखित आवेदन पर रेल थाना बोकारो में कांड संख्या 05/26, दिनांक 23.02.2026 के तहत धारा 103(1)/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, रेल जमशेदपुर के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक रेल चक्रधरपुर मनीष कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। छापेमारी अभियान चलाकर पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी बलराम कुमार उर्फ भोला विश्वकर्मा (26 वर्ष), निवासी रेलवे गोल मार्केट, थाना-बलिडीह, जिला-बोकारो को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक देसी पिस्तौल (मैगजीन सहित), एक मोबाइल फोन तथा घटना के समय पहना गया जैकेट बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, करीब एक माह पूर्व मृतक सचिन यादव और उसके साथियों द्वारा आरोपी के जीजा धनंजय कर्मकार के साथ मारपीट की गई थी। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव चल रहा था। घटना के दिन भी रेलवे स्टेशन परिसर में कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने सचिन यादव को गोली मार दी।

गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध बलिडीह थाना एवं आरपीएफ पोस्ट बोकारो में मारपीट, रंगदारी, अपहरण सहित कुल 15 मामले दर्ज बताए गए हैं। इस कांड के अनुसंधान में आरपीएफ बोकारो एवं बोकारो जिला बल का सहयोग लिया जा रहा है। पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। बरामद सामान में देसी पिस्तौल (मैगजीन सहित) – 01, घटना के समय पहना गया जैकेट – 01 और एक मोबाइल फोन शामिल है।

# बच्चा चोरी की अफवाह पर भीड़ का हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

» राजगंज पुलिस की त्वरित कार्रवाई, मारपीट करने वालों को भेजा गया जेल

» कानून हाथ में लेने वालों को नहीं मिलेगी राहतः एसएसपी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**राजगंज (धनबाद):** धनबाद जिले के राजगंज थाना क्षेत्र में बच्चा चोरी की अफवाह के आधार पर दो निर्दोष लोगों की बेरहमी से पिटाई करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेकर की गई इस हिंसक घटना पर पुलिस ने त्वरित और कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई के जरिए पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अफवाह फैलाकर या संदेह के आधार पर किसी भी बेगुनाह व्यक्ति के साथ मारपीट करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डब्लू महतो और दीपक महतो नामक दो व्यक्ति अपने रिश्तेदार के घर इलाके में आए हुए थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें बच्चा चोर होने के संदेह में पकड़ लिया। देखते ही देखते अफवाह फैल गई और भीड़ इकट्ठा हो गई। बिना किसी सत्यापन के भीड़ ने दोनों को घेर लिया और बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। पीड़ित लगातार अपनी पहचान बताते हुए खुद को निर्दोष बताते रहे, लेकिन भीड़ का उन्माद इस कदर था कि किसी ने उनकी बात नहीं सुनी।

घटना की सूचना मिलते ही राजगंज थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल दोनों व्यक्तियों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। समय रहते पुलिस की दखल से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

पीड़ितों की शिकायत के आधार पर राजगंज थाना में कांड संख्या-11/26, दिनांक-24/02/26 दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 191(2), 191(3), 127(1), 127(2), 115(2), 109(1), 352 एवं 351(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

राजगंज थाना प्रभारी अलीशा कुमार के नेतृत्व में मामले की त्वरित जांच शुरु की गई। जांच के दौरान भीड़ में शामिल और सक्रिय रूप से मारपीट करने वाले तीन आरोपियों विनय मिष्टी, आकाश तुरी और सोनू तुरी की पहचान की गई। पुलिस ने तीनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने इस घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से बच्चा चोर की अफवाह फैलाकर अनजान लोगों को निशाना बनाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि भीड़ द्वारा किसी निर्दोष व्यक्ति पर हमला करना न केवल अमानवीय है बल्कि कानूनन गंभीर अपराध भी है।

एसएसपी ने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, लोगों को अफवाहों से बचने और कानून हाथ में न लेने की अपील की जा रही है। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति इस तरह की हरकत करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत हो तो स्वयं कार्रवाई करने के बजाय तुरंत डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दें। कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का काम है, भीड़ का नहीं।

इस पूरे मामले में धनबाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। अफवाहों के आधार पर हिंसा करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कदम उठाए जाते रहेंगे, ताकि समाज में शांति और कानून का राज कायम रहे।

## नगर निकाय चुनावः सुबह 3:30 बजे थ्री लेयर सिक्योरिटी सुरक्षा वाला स्ट्रांग रूम हुआ सील

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद धनबाद नगर निगम एवं चिरकुंडा नगर परिषद के 1019 बूथ से सभी मतपेटिका राजकीय पॉलिटेक्निक स्थित रिसीविंग सेंटर पहुंची। रिसीविंग सेंटर पर सभी औपचारिकता पूरी कर उसे स्ट्रांग रूम में निर्धारित स्थान पर रखने की प्रक्रिया शुरू हुई।

मतपेटिका को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखने के लिए धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 1 से 5, 6 से 10, 11 से 15, 16 से 20, 21 से 25, 26 से 30, 31 से 35, 36 से 40, 41 से 45, 46 से 50 एवं 51 से वार्ड संख्या 55 तथा चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 से 21 के लिए अलग-अलग रूम चिह्नित किए गए थे।

सभी मतपेटिका को निर्धारित रूम में रखने के बाद उसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, महापौर पद के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार तथा धनबाद नगर निगम के महापौर व चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष एवं वार्ड परिषद के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सील कर दिया गया। सुबह लगभग 3:30 बजे अंतिम स्ट्रांग रूम को सील किया गया।

मतगणना की तिथि तक स्ट्रांग रूम थ्री लेयर सिक्योरिटी में रहेगा। इनर लेयर सिक्योरिटी में झारखंड आर्म्ड पुलिस तथा अन्य दो लेयर में जिला पुलिस बल को तैनात किया गया हैं।

## षष्ठम झारखंड विधानसभा के दौरान प्रस्तुत बजट पूरी तरह निराशाजनकः राज सिन्हा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने षष्ठम झारखंड विधानसभा सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को पूरी तरह निराशाजनक और जनभावनाओं के विपरीत बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार को बने एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन इसके बावजूद यह बजट महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और मजदूरों के हितों की अनदेखी करता नजर आता है।

राज सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ने नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था, जो आज भी अधूरा है। इसी प्रकार, चुनाव के दौरान सत्तारूढ़ दलों द्वारा ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन बजट में इस दिशा में कोई ठोस प्रावधान या स्पष्ट घोषणा नहीं की गई।

उन्होंने आगे कहा कि गरीबों को 7 किलो चावल एवं 2 किलो दाल मुफ्त देने तथा प्रत्येक गरीब परिवार को 15 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज देने के वादे भी इस बजट में पूरी तरह नदारद हैं। इन महत्वपूर्ण और जनहितकारी मुद्दों पर ठोस प्रावधान न होने से राज्य की जनता को गहरी निराशा हुई है।

राज सिन्हा ने पिछले बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था, लेकिन सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इसका कितना प्रभावी क्रियान्वयन हुआ। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अब तक 70 प्रतिशत लक्ष्य भी हासिल नहीं किया जा सका है। ऐसे में केवल आंकड़ों की बाजीगरी करने के बजाय सरकार को यथार्थवादी, पारदर्शी और जनहितकारी बजट प्रस्तुत करना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड की जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता और सरकार को चाहिए कि वह जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए अपने वादों को धरातल पर उतारने के लिए ठोस कदम उठाए।

## हेलीवाल बजाज ऑटो के तत्वावधान में 'ई-रिक्शा चालक बना ई-रिक्शा मालिक'

» आयोजित लक्की ड्रा में विजेता को मिला बजाज ई-रिक्शा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** हेलीवाल बजाज ऑटो की नई प्रोडक्ट इलेक्ट्रॉनिक रिक्शा बजाज रिकी के तेतूलतला मैदान में पांच दिवसीय लांचिग कार्यक्रम के आयोजन में टेस्ट ड्राइव लेने वाले सभी प्रतिभागियों को लक्की कुपन उपहार स्वरूप दिया गया था। इसका लक्की ड्रॉ 24 फरवरी को किया गया।

जिसमें भाग्यशाली विजेता आईआईटी आईएसएम क्षेत्र में रहने वाले टोटो चालक विनोद कुमार राम को मुख्य अतिथि झारखंड इ-रिक्शा टोटो संघ के संरक्षक वैभव सिन्हा, बैंक मोड़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के प्रमोद गोयल, कोषाध्यक्ष संदीप मुखर्जी, जिला चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पुराना बाजार के व्यवसायी सुभाष लिखमानिया, सुभाष खेतान, हेलीवाल बजाज शोरूम के ऑनर दिनेश हेलीवाल व बजाज के पदाधिकारीओं के द्वारा संयुक्त रूप से ई-रिक्शा बजाज 'रिकी' उपहार स्वरूप दिया गया।

लक्की ड्रॉ एक छोटी बच्ची यशिका लिखमानिया के द्वारा निकाला गया था। वैभव सिन्हा ने इस मौके पर बताया कि इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियां ही आवागमन का भविष्य है। शोरूम के ऑनर दिनेश हेलीवाल ने बताया कि बहुत ही शानदार और खूबसूरत दिखने वाली मजबूत टिकाऊ भरोसेमंद आधुनिक इ-रिक्शा बजाज 'रिकी' यात्रियों की सुविधा और बेहतर लास्ट माइल्ड कनेक्टिविटी के लिए डिजाइन किया गया है।

झारखंड में सबसे पहले धनबाद के 'रिकी' के पांच दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम में लोगों के द्वारा बहुत पसंद की गई और काफी बुकिंग हुई। बजाज 'रिकी' टोटो की खासियत है कि इसमें मोनो कॉक चेसिस, इंडिपेंडेंट सस्पेशन के कारण आरामदायक यात्रा साथ ही 2 स्पीड ट्रासमिशन भी है। ये गाड़ी की माइलेज 149 किलोमीटर है, बैटरी की गारंटी 3 साल या 60,000 समेत अन्य विशेषताएं हैं।

बताया कि 'रिकी' बजाज का स्लोगन है भरोसे की भागीदारी, 'रिकी' चलाओ मजबूती आजमाओ। हेलीवाल बजाज शोरूम में बजाज 'रिकी' बहुत ही आसान फाइनेंस किस्तों में उपलब्ध है। रिकी लॉन्चिंग के समापन समारोह एवं लकी ड्रॉ कार्यक्रम में हेलीवाल बजाज शोरूम के ओनर दिनेश हेलीवाल, सीताराम हेलीवाल, सचिन हेलीवाल, पुरुषोत्तम हेलीवाल, महाप्रबंधक राजकुमार सिन्हा, बजाज के एरिया मैनेजर अनंत पांडा, मो.सिराज समेत अन्य अतिथि उपस्थित थे।

## डीडीसी ने कृषक पठशाला में फल, सब्जी, फूलों की खेती करने का दिया निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गोविंदपुर में समेकित ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला का निरीक्षण किया।

उन्होंने पाठशाला में संचालित गाय पालन, बत्तख पालन, मत्स्य पालन, फसल उत्पादन सहित अन्य गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पाठशाला में अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, केला, पपीता, गन्ना, टमाटर, बैगन, खीरा, करेला, तरबूज के पौधों का रोपण करने का निर्देश दिया। साथ ही मेरीगोल्ड, गुलाब व अन्य खुशबूदार फूलों की खेती करने का भी निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बकरी, मुर्गी और सूकर पालन के कार्य शीघ्रता से प्रारंभ करने, पाठशाला में साफ-सफाई और उच्च गुणवत्ता के फसलों की खेती प्रारंभ करने का निदेश दिया।

इसके बाद उन्होंने प्रखंड परिसर में बन रहे पौधा संरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सन्नी राज के साथ जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

## जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त, समस्याओं के निष्पादन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** मंगलवार को उपायुक्त आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा।

जनता दरबार में रोहड़ा बांध बस्ती से आए एक व्यक्ति ने सेल द्वारा भूमि अधिग्रहण में मिलने वाली मुआवजा राशि एवं नियोजन से संबंधित आवेदन उपायुक्त को सौंपा, कंचनपुर से आई पूजा कुमारी ने ओबीसी प्रमाण पत्र बनने में आ रही समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया, पूर्वी टुंडी से आए अर्जुन कुमार ने अपने रैयती जमीन पर घर निर्माण कार्य नहीं करने देने से संबंधित शिकायत दर्ज कराई, वही अमलाटांड़ से आए मोहम्मद हसन अंसारी ने मकान का शौचालय तोड़ने तथा बिजली काटने और रंगदारी मांगने से संबंधित समेत विभिन्न समस्याओं एवं शिकायत से उपायुक्त अवगत हुए।

उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

## कड़े सुरक्षा घेरे में राजकीय पॉलिटेक्निक, 27 फरवरी की सुबह शुरू होगी मतगणना

» सीसीटीवी पर सतत निगरानी, 24 घंटे अलर्ट पर प्रशासन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** नगर निकाय चुनाव के शांतिपूर्ण समापन के बाद सभी मतदान केंद्रों से मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच संग्रहित कर राजकीय पॉकिटेक्निक में सुरक्षित रखा गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 फरवरी की सुबह मतों की गिनती शुरू की जाएगी। मतगणना को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं।

मतगणना स्थल को पूरी तरह सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। परिसर में तीन स्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया गया है। बाहरी घेरा में सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है, जहां आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है। मध्य घेरा में दंडाधिकारियों एवं डीएसपी स्तर के पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है, जबकि आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी विशेष रूप से प्रशिक्षित बलों को सौंपी गई है। तीसरे घेरे के आगे किसी का भी जाना प्रतिबंधित है।

पूरे परिसर तथा संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसकी सतत निगरानी कंट्रोल रूम से की जा रही है। मतपेटियों के जमा होने के बाद स्ट्रांग रूम को विधिवत सील कर दिया गया है और इसकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और लगातार अधिकारियों से अपडेट ले रहे हैं। डीएसपी स्तर के अधिकारी 24 घंटे स्ट्रांग रूम पर कैंप कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त अग्निशमन दल और चिकित्सा टीम को भी सतर्क रखा गया है।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि मतगणना प्रक्रिया पूर्णतः शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के लिए मतगणना के दिन भी सुरक्षा का कड़ा प्रबंध रहेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### बाल विवाह उन्मूलन को लेकर कार्यशाला आयोजित

**डुमरी:** प्रखंड मुख्यालय सभागार में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल संरक्षण इकाई के नेतृत्व में मंगलवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई।उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं,जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत सचिव को बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूक किया गया।अंचल अधिकारी शशिभूषण वर्मा ने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है और इसे जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।कार्यशाला में अन्य वक्ताओं ने बताया कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्रतिभागी को बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलाई गई तथा समाज को इस कुरीति से मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

### पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरियातू में एफएलएन मेला का हुआ आयोजन

**विद्यालय का हो रहा है संपूर्ण विकास : प्रधानाध्यापक**

**गोला** : गोला प्रखंड क्षेत्र के पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरियातू में मंगलवार को एफएलएन मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में छात्र छात्राओं ने शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।मेले में विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। बच्चों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक गतिविधियों ने सभी का मनमोह लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल को सुदृढ़ करना था।अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होने के साथ शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ती है और उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है विद्यालय का विकास चरम पर है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मनोज पुजहर,वासुदेव प्रसाद,विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कृपसिंधु महतो, बरियातू सीआरसी के शिक्षक,साड़म पंचायत के उपमुखिया तुलसी महतो एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ विद्यालय के छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

### लुगु बुरु पहाड़ पर हाथियों का मूवमेंट, गोमिया में हाई अलर्ट

**गोमिया** : प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो ने लुगु बुरु पहाड़ क्षेत्र में हाथियों के झुंड की सक्रियता को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को सूचित किया है कि वर्तमान में लुगु बुरु पहाड़ पर हाथियों का झुंड मौजूद है और वे किसी भी समय पहाड़ से नीचे उतर सकते हैं। ऐसे में आसपास के गांवों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

प्रखंड प्रशासन ने विशेष रूप से चोरगावा, मुरपा, खाखंडा, गंगपुर, बेलडीह, तुलबुल, पिंडरा, तुतिझरना, डकासाडम, सेहेदा, तिलैया, नारण, लवालांग, अंबाडीह और केरी गांव के ग्रामीणों को अलर्ट रहने को कहा है। महादेव कुमार महतो ने निर्देश दिया है कि विशेषकर रात के समय घरों से बाहर न निकलें, क्योंकि हाथी अंधेरे में तेज गति से चलते हैं। यदि हाथी गांव के निकट पहुंचते हैं तो लोग तुरंत पक्के मकान या उसकी छत पर शरण लें, क्योंकि पूर्व अनुभवों में छत अपेक्षाकृत सुरक्षित पाई गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि हाथी अक्सर भोजन की तलाश में घरों की ओर बढ़ते हैं, इसलिए जान-माल की सुरक्षा को प्राथमिकता दें और टकराव से बचें। किसी भी प्रकार की फसल या मकान क्षति होने पर विभाग द्वारा त्वरित मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया है।

मुआवजा और सहायता के लिए लुगु बुरु एवं झुमरा क्षेत्र में अजीत मुर्मू (8797380577) तथा महुआटांड़ एवं बरकी पुन्नू क्षेत्र में निताई चंद्र महतो (7070466084) से संपर्क करने को कहा गया है। वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और प्रशासन ने लोगों से सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील की है।

# रामगढ़ में बाल विवाह रोकथाम पर कार्यशाला, कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**दुमका** : रामगढ़ प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को बाल विवाह पर रोक लगाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के आदेश पर ग्राम ज्योति एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिन्हा और धोबा पंचायत की मुखिया ज्योति देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ सह प्रभारी सीडीपीओ कमलेंद्र कुमार सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत इसमें दो वर्ष तक का कठोर कारावास और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि विवाह के लिए वधू की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और वर की 21 वर्ष निर्धारित है। इससे कम आयु में होने वाला विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है।

उन्होंने मैरिज हॉल संचालकों, टेंट व्यवसायियों, बैंड-बाजा, कैटर्स संचालकों और पंडित-मौलवियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि विवाह से पूर्व वर-वधू की आयु की पुष्टि कर लें। यदि निर्धारित आयु से कम में विवाह कराया गया तो दोनों पक्षों के साथ आयोजन में शामिल सभी लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बाल विवाह की सूचना तुरंत दें, शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसके लिए चाइल्डलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112, जेआरसी हेल्पलाइन 18001027222 या प्रशासनिक अधिकारियों के मोबाइल और व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रखंड स्तरीय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, थाना प्रभारी और पंचायत सचिवों के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। साथ ही सभी पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर टोल फ्री नंबर अंकित करने तथा गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

कार्यशाला को मुखिया ज्योति देवी, नीति आयोग के अमलेश कुमार, ग्राम ज्योति संस्था के मुकेश दूबे, ज्योति चौधरी और बाल विकास परियोजना की प्रखंड समन्वयक अपर्णा कुमारी ने भी संबोधित किया। मौके पर रीमा दत्ता, तारा प्रसाद, बीपीओ आनंद शंकर मुर्मू सहित पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य और विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु उपस्थित थे।

# रामगढ़ में ओवरलोड हाईवा की टक्कर से चालक की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। महुबना के समीप रामगढ़–गुहियाजोरी मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़ी एक हाईवा में पीछे से आ रही दूसरी हाईवा ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हाईवा (जेएच15जेड 8186) सड़क किनारे पंचर होने के कारण खड़ी थी। चालक और उपचालक टायर बदल रहे थे। इसी दौरान रात करीब 11 बजे गुहियाजोरी की ओर से आ रही हाईवा (जेएच15एके 4731) ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टायर बदल रहा चालक वाहन की चपेट में आ गया और उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे में दूसरी हाईवा का चालक घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों हाईवा गिट्टी से ओवरलोड थीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

# महिधाशा में अवैध विदेशी शराब बरामद, 11 बोरे जब्त

**» पोड़ैयाहाट थाना कांड संख्या 27/2026 दर्ज, अभियुक्तों की तलाश जारी**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**गोड्डा** । गोड्डा जिला अंतर्गत पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के महिधाशा गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। बताया जाता है कि शराब को बिहार ले जाने की तैयारी थी।

पुलिस को सूचना मिली थी कि महिधाशा केंदुवा गांव स्थित कालीचरण बास्की के घर में अवैध विदेशी शराब बनाकर और जमा कर रखी गई है। सूचना की पुष्टि के बाद वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर दिवा गश्ती दल ने उक्त स्थान पर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान घर से 11 प्लास्टिक के बोरे बरामद किए गए। तलाशी लेने पर प्रत्येक बोरे में 200 एमएल के 150-150 पाउच अवैध विदेशी शराब पाई गई। सभी शराब को विधिवत जब्ती सूची तैयार कर थाना लाया गया।

इस संबंध में पोड़ैयाहाट थाना कांड संख्या-27/2026 दिनांक 24.02.2026 दर्ज किया गया है। मामला भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 274/275/3(5) तथा उत्पाद अधिनियम की धारा 47(A) के तहत दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

**छापेमारी दल में शामिल अधिकारी:**

- पु0नि0 मधुसुदन मोदक (सदर प्रभाग, गोड्डा),
- पु0नि0 महाबीर पंडित (प्रभारी, मोतिया ओपी),
- पु0अ0नि0 मुकेश कुमार,
- पु0अ0नि0 कृष्णा प्रसाद मंडल एवं
- पोड़ैयाहाट थाना के चौकीदार शामिल थे।

# गोपीकांदर में सड़क सुरक्षा अभियान, हेलमेट और ओवरलोडिंग पर सख्ती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**दुमका** : गोपीकांदर थाना गेट के समीप थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। दुमका–पाकुड़ मुख्य सड़क पर आयोजित इस अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया और सघन जांच भी की गई।

थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत ने दोपहिया चालकों से हेलमेट पहनने की अपील करते हुए कहा कि हेलमेट का प्रयोग सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, सीट बेल्ट लगाने, अत्यधिक तेज गति से वाहन नहीं चलाने और शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों को दो-दो हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी और सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा।

अभियान के दौरान वाहनों की सघन जांच की गई। ओवरलोडिंग और माइनिंग से जुड़े कागजातों की जांच की गई। दोपहिया वाहनों के हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गई, वहीं बड़े वाहनों में सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से जुर्माना वसूला गया, जिसमें कुछ का ऑनलाइन चालान और कुछ का ऑफलाइन चालान किया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि इस तरह के अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। जांच के दौरान एएसआई धर्मल माझी, भरत भूषण सिंह, सूरज टुडू, सत्यम कुमार, विश्वजीत सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

# दुमका में अखबार एजेंट अरुण सिंह को मारी गोली, 48 घंटे का अल्टीमेटम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**दुमका** : मंगलवार सुबह बस स्टैंड क्षेत्र उस समय दहशत में आ गया जब बस स्टैंड के एजेंट और प्रभात खबर के एजेंट अरुण सिंह को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। घटना दुमका डीआईजी कार्यालय के समीप हुई। बताया जा रहा है कि गोली उनकी पीठ में लगी। गंभीर अवस्था में उन्हें सदर अस्पताल दुमका लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर मिशन अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार अरुण सिंह पर यह तीसरा जानलेवा हमला है। इससे पहले भी दो बार उन्हें गोली लग चुकी है। लगातार हो रहे हमलों से क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब तक किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

गोलीकांड के बाद दुमका बस स्टैंड परिसर में विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों की बैठक हुई। बैठक में पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 48 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी का अल्टीमेटम दिया गया। संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो बस स्टैंड की सभी दुकानें बंद कर दी जाएंगी और बसों का परिचालन भी ठप कर दिया जाएगा।

फिलहाल पूरे मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। आने वाले 48 घंटे दुमका पुलिस के लिए अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि गिरफ्तारी नहीं होने की स्थिति में शहर की यातायात व्यवस्था और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

# बज्रगृह का किया गया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**दुमका** : इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित बज्रगृह का निर्वाचन पदाधिकारी अभिजीत सिन्हा ने किया निरीक्षण उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। स्पष्ट निर्देश दिया कि बज्रगृह परिसर में किसी भी अनावश्यक व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहे तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

उन्होंने परिसर में अतिरिक्त बैरीकेडिंग कराने का निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी 2026 को मतगणना निर्धारित है।

इसे ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। मतगणना स्थल पर आवश्यक संसाधन, सुरक्षा बल की पर्याप्त तैनाती एवं व्यवस्थित प्रवेश-निकास व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वही मौके पर सभी निर्वाची पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

# झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के नाम डीसी को सौंपा मांग पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**डुमरी:** झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने मंगलवार को सूबे के मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त गिरिडीह को एक मांग पत्र सौंप डुमरी अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी,प्रखंड कार्यालय में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं निबंधन कार्यलय में रजिस्टार को पदस्थापित करने के साथ-साथ विभिन्न विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग की है।पत्र में लिखा है कि अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा निबंधन कार्यलय में रजिस्टार पदस्थापित नहीं हैं,जिस कारण आम जनता को भारी कठिनाईयों का करना पड़ रहा है।क्योंकि इन विभागों में स्थायी रूप से पदाधिकारी नहीं रहने के कारण लोगों को विभाग से संबंधित कार्य करवाने के लिए कार्यालय का नाहक ही चक्कर काटना पड़ता है।इसलिए उपरोक्त विभाग में पदाधिकारी का पदस्थापन अतिशिघ्र किया जाय ताकि जनता का काम सुचारू रूप हो सके।साथ ही

पत्र के माध्यम अन्य विभागों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है।जिसमें प्रखंड के कुलगो पंचायत में स्थित एसबीआई सीएससी संचालक द्वारा फर्जी डिपोजिट रसीद देकर करोड़ों रुपये का गबन किया गया है। जिसकी सूचना इससे संबंधित भारतीय स्टेट बैंक शाखा इसरी बाजार के अलावे सभी पदाधिकारियों को दी जा चुकी है।परंतु कोई कार्रवाई नही हुई है।प्रखंड के प्रत्येक पंचायत के सचिवालय में जनसेवक पंचायत सेवक, रोजगार सेवक,प्रज्ञा केन्द्र के कर्मचारी एवं जेई को बैठाया जाय।ताकि जनता की समस्या को हल किया जा सके।प्रखंड में भू-माफिया द्वारा अवैध तरीके से गैरमजरूवा और खतियानी जमीन का येन केन प्रकरेण अधिग्रहण करके उसे प्लॉटिंग कर बिक्री किया जा रहा है इसको रोका जाय।जिस पर रोक लगाना आवश्यक है।जमीन की दाखिल खारिज में खाता,प्लॉट ऑनलाइन चढ़ाने में दलाली एवं राशि वसूली हावी है इस पर भी रोक लगाया जाय।प्रखंड के अन्तर्गत विभिन्न विभागो में आउटसोर्सिंग की नियुक्ति में स्थानीय स्तर से 75 प्रतिशत बेरोजगार युवकों की नियुक्ति की जाय।जेएसएलपीएस में डुमरी प्रखंड में बीपीओ,एफटीसी,एक सीसी वर्षों से जमे हैं साथ ही झारखंड निवासी नहीं है,जो जेएसएलपीएस के नियम विरूद्ध है।इसकी जांच कर उपरोक्त पद पर कार्यरत कर्मियों को विरमित करते हुए स्थानीय झारखंडी कर्मियों को पदस्थापित किया जाए।पत्र में लिखा है कि एक पखवाड़े के अंदर उपरोक्त मांगों पर आवश्यक पहल किया जाय अन्यथा झारखण्ड एकता किसान मजदूर यूनियन के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीण अनुमंडल कार्यालय परिसर डुमरी में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।पत्र की प्रतिलिपि अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा प्रभारी डुमरी व निमियाघाट को भी दिया है।

## श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़!

# श्री श्री राम नवमी पूजा महासमिति रामगढ़ के अध्यक्ष बने राजेश ठाकुर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**रामगढ़** : श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति की बैठक मंगलवार को किला मंदिर रामगढ़ के प्रांगण में रखी गई। जिसकी अध्यक्षता महासमिति के पूर्व अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने किया और संचालन महासमिति के महासचिव विशाल जायसवाल ने किया। बैठक में महासमिति के नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा की गई,जिसमें सर्वसम्मति से राजेश ठाकुर को महासमिति का अध्यक्ष चुना गया। राजेश ठाकुर ने कहा कि रामगढ़ की सभी अखाड़ा कमेटी, महासमिति के सदस्यों एवं अभिभावक स्वरूप संरक्षक सदस्यों ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपा है, उसे मैं पूरी इमानदारी पूर्वक निर्वहन करूंगा एवं भव्य ओर ऐतिहासिक रामनवमी होने का मैं वचन देता हूं।आगे उन्होंने कहा कि 24 मार्च 2026 को रामगढ़ में भव्य एवं ऐतिहासिक मंगला शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें पूरे रामगढ़ से 30 से 40 हजार हिंदू एकत्र होंगे। समिति के पूर्व अध्यक्ष छोटन सिंह ने कहा कि राजेश ठाकुर का अनुभव महासमिति को एक नए कृतिमान स्थापित करेगा और महासमिति पूरी इमानदारी के साथ राजेश ठाकुर का साथ देगी। बैठक समाप्ति महासचिव तुलेश्वर पासवान ने किया।। बैठक में मुख्य रूप से शुभम वर्मा, राहुल वर्मा ,बच्चन सिंह ,संतोष कुमार नायक ,पवन पासवान ,अजय कुमार,अंशु पांडे, शंभू महतो ,गोलू कुमार, आशीष सोनी,सूरज वर्मा,बबीता कुमारी, कीर्ति गौरव, दीपक सिसोदिया, कुणाल दस, दीपक सोनकर,अयोध्या वर्मा,बद्री विश्वकर्मा, मनीष मिश्रा, आयुष कुमार,सौरव गुप्ता,सुमित कुमार पांडा, अनामिका श्रीवास्तव, नन्द किशोर राम,दानिश पटेल,सौरव जायसवाल,सुमित अग्रवाल, संजय अग्रवाल, शशि शेखर सिंह,रोहित सोनी,अमन राजा,आकाश राय राहुल रजक,श्रवण,सतीश ठाकुर ,शुभम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

# सांप्रदायिक भावनाओं के कारण तनाव

**राजनेताओं को स्वार्थ से उठ कर समस्या पर विचार करना चाहिए। समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ रहे हों, तब थोपी गई एकता कारगर नहीं हो सकती। जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है।**

पिछले महीने मणिपुर चूराचंदपुर में 31 वर्षीय मयंगलम्बम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी, जब वे अपनी मंगेतर से मिलने गए थे। मंगेतर कुकी-जो समुदाय की थी। उस हृदय-विदारक घटनाक्रम में इक_ी भीड़ ने युवती को वहां से जाने दिया। उसके बाद मयंगलम्बम सिंह को मार डाला गया। हत्यारों ने दया की भीख मांगते उस व्यक्ति का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। इस घटना से जाहिर हुआ था कि पौने तीन साल से जारी हिंसा ने मैतेई और कुकी समुदायों में किस हद तक दुराव पैदा किया है। उस घटना के बाद मीडिया में आई रिपोर्टों से संकेत मिला है कि सांप्रदायिक नफरत का ये जहर किस हद तक फैला चुका है। असर इतना घातक है कि अब विवाहित मैतई और कुकी दंपती अपने को मुसीबत में पा रहे हैं। ऐसे कई सामने आए मामले हैं, जिनमें ऐसे दंपतियों पर तलाक लेने का दबाव उनके समुदाय के लोगों ने बनाया है। उनमें कई दंपतियों की कई संतानें भी हैं। कुछ मामले तो ऐसे हैं, जिनमें पति- पत्नी हिंसा भड़कने के बाद से अलग रहने को मजबूर हैं। हैरतअंगेज है कि राजनीतिक दलों को समाज में उभरी ऐसी विभाजक प्रवृत्तियों की फिक्र नहीं है। इन हालात को नजरअंदाज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने इस महीने मणिपुर में नई सरकार बनाई। उसके बाद से राज्य में हिंसा का नया दौर आया हुआ है। चूराचंदपुर, उखरुल और अन्य कुकी बहुल इलाकों में आगजनी, पथराव, पुलिस से झड़प आदि जैसी अनेक घटनाएं हुई हैं। कुकी-जो समुदाय के लोग अपनी बहुलता वाले इलाको को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं। यानी वे मणिपुर का हिस्सा नहीं रहना चाहते, जिसमें मैतेई बहुसंख्यक हैं। राजनेताओं को थोड़े समय के लिए स्वार्थ से उठ कर इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि जब समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ गए हों, तब ऊपर से थोपी गई राजनीतिक एकता कारगर नहीं हो सकती।

# मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक



ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुई, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई की जानी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

# मैं बिकाऊ हूँ



डॉ प्रशान्त करण

रिटायरमेंट के बाद रवि बाबू को पैसे की तंगी हो गयी थी।नौकरी के बकाए पैसे के लिए उन्हें गैर-सरकारी से सरकारी अफसरों,वकीलों,डॉक्टरों,नेताओं आदि से पाला पड़ा।लेकिन अपने बुद्धि-कौशल से वे बकाया वसूल करने में सफल रहे।बुद्धि-कौशल भी उन्हीं अफसरों,वकीलों,डॉक्टरों,नेताओं आदि से सीखा था।अब वे सार्वजनिक रूप से ऐलान करते फिरते हैं कि मैं बिकाऊ हूँ।रवि बाबू का साफ कहना है कि बिकने में कोई हिल-हुज्जत नहीं करता,कोई मोल-तोल नहीं करता,कोई खीच-खीच नहीं,एकदम से झटके भर में ग्राहक देखकर बिक जाता हूँ।बिकने का आनन्द ही कुछ और है।कभी एक समय था कि करोड़ों रुपये में भी नहीं बिका।नतीजा यह हुआ कि बड़ी कठिनाई से परिवार चलता।पैसे के लाले पड़े थे,खर्च मुँह बाए खड़े रहते और हम मजबूर।पर जब से बिकने लगा हूँ, बड़े आराम से ज़िंदगी चल रही है।पैसे खर्च ही नहीं होते।कभी-कभार खर्च करने की नौबत आती भी है तो मुझे खरीदने वाला बिना मुझसे पूछे या बताए वह खर्च कर डालता है।अब ज़िंदगी मजे से कट रही है।लगता है कि खालिस सरकारी महकमे में बड़े पोस्ट पर लगा हूँ या राजनीति में ऊंचे मुकाम पर पँहुच गया हूँ।इसलिए दिन-दहाड़े,सरेआम यह कहता फिरता हूँ कि मैं बिकाऊ हूँ।जो चाहे मुझे खरीद सकता हूँ।अपना तो बिकना और बिकते रहना ही एकमात्र उसूल है।हाँ-जैसा काम,वैसा दाम।पर दाम खुद नहीं बोलता।यह खरीदने वाले के विवेक पर निर्भर करता है।कीमत कम होती है तो मैं अपने से काम में कटौती कर देता हूँ और आत्मविश्वास से झूठ बोलकर बहाने बना लेता हूँ।पर बिकाऊ हूँ।जो चाहे,जब चाहे मुझे खरीद सकता है।थोक में खरीदे या खुदरे में,एक बार ही खरीद ले या किश्तों में ,मैं हमेशा तैयार बैठा हूँ।रात-दिन बस ग्राहकों के फिराक में रहता हूँ।अब तो तजुर्बा इतना हो गया है कि ग्राहक को देखकर ही समझ जाता हूँ कि कैसे बिकूँगा और खरीदने वाला कब-कैसे दाम देगा।

एक दिन अहले सुबह रवि बाबू तैयार होकर घर से निकलने लगे।घरवाली ने पूछा-कुछ खा कर जाओ, पता नहीं कब आओगे।रवि बाबू ने उन्हें मुस्कुराते हुए समझाया-काम ऐसा है कि खरीदने वाला खुशामद कर खिलायेगा और तुम्हारे लिए भी बांधकर देगा।इसलिए अपने घर का आटा गिला मत करो।दोपहर तक लौट आऊंगा।यह कहकर रवि बाबू ने अपने खटारा फटफटिया स्टार्ट की।शहर से निकले ही थे कि देहाती थाने में लगी चेकिंग में रोक लिए गए।रवि बाबू के पास न तो उस कटारे फटफटिया के कोई कागजात थे और न ही ड्राइविंग लाइसेंस।नाके पर पुलिस के जमादारसाहब मथुरा जी की ड्यूटी थी।मथुरा जी रवि बाबू के देखकर समझ गए कि वे अच्छे दामों में बिकेंगे और रवि बाबू समझ गए कि मथुरा जी उन्हें ऊंची कीमत में जरूर खरीदेंगे।दोनों ने आजमाइश शुरू की।मथुरा जी ने गाड़ी जप्त और उन्हें चोरी की गाड़ी बताकर उन्हें जेल भिजवाने तक की बात कह डाली।रवि बाबू मुस्कुराते रहे।जब भीड़ थोड़ी कम हुई और मथुरा जी अकेले हुए तब रवि बाबू ने अचूक दांव चल दिया।मथुरा जी की दुखती रग पर हाथ रख दिया।रवि बाबू बोले-अरे मथुरा जी!यहाँ देहाती थाने में क्या रखा है?क्या आमदनी होती है-हम नहीं जानते क्या?आप कहिए तो आपको शहर के राजमार्ग वाले ओपी का इंचार्ज बनवा देंगे।दांव सही लगा।मथुरा जी रवि बाबू को हाथ पकड़कर किनारे ले गए।बोले-आप कैसे मेरा पोस्टिंग कराइयेगा?रवि बाबू बोले-आपका गृह सचिव मेरा सहपाठी है।यह सुनते ही मथुरा जी का मुँह खुला का खुला रह गया।वे रवि बाबू को सलाम करके बोले-हजूर गलती हो गयी।आपको पहचान नहीं पाए।कैसे पोस्टिंग होगी सो बताया जाए।जिज्ञ भक्ति-भाव से ,जिस जिज्ञासा से मथुरा जी पूछ रहे थे जैसे लगा कि विष्णु-पुराण के प्रथम अध्याय के ग्यारहवें श्लोक में सुत जी पराशर जी से कह रहे हों-

**ब्राह्मणं प्रसादप्रवणम कुरुष्व मयि मानसम।**-एनाहमेतजजानियाँ त्वत्प्रसादानमहामुने ।।

अर्थात हे ब्राह्मण! आप मेरे प्रति अपना चित्त प्रसादोंमुख कीजिये जिससे हे महामुने मैं आपकी कृपा से यह सब जान सकूं।

रवि बाबू ने जब देखा कि बिकने के लिए उपयुक्त ग्राहक है तो वे धीरे से उनके कान में बोले-सरकारी मशीनरी का काम है।आप तो जानते हैं कि मशीन चलने में तेल खर्च होता है।मथुरा जी की आंखों में बड़ी आशावादिता उमड़ पड़ी।उन्होंने खुद कहा-हजूर वहाँ की पोस्टिंग के लिए चार लाख लगता है, आप कुछ सस्ते में करवा दीजिए।रवि बाबू ने मथुरा जी को ताड़ लिया।फिर बोले-साढ़े तीन में काम हो जाएगा।लेकिन एडवांस में देना पड़ेगा।मथुरा जी ने कहा-हजूर अगले सोमवार तक इंतज़ाम हो जाएगा।कहां मिलिएगा?रवि बाबू फोन चेक कर बोले-अगले रविवार को मुझे इधर ही आना है।देख लीजिए।मथुरा जी ने रवि बाबू को मुस्कुराते हुए सलाम किया और रवि बाबू अपने अगले ग्राहक के यहाँ चल पड़े।

अगले रविवार मथुरा जी चेक नाका पर सुबह से ही तैयारी हालत में रवि बाबू के इंतज़ार में खड़े थे।देर शाम रवि बाबू आए और मथुरा जी उन्हें सलाम कर मिल लिए।रवि बाबू चलते-चलते बोले-शुक्रवार तक आपका काम हो जाएगा।रवि बाबू ने एस पी के कानों तक यह बात रामलाल जी से पँहुचवा दी कि मथुरा जी तो काफी लूट-पाट मचा रखे हैं।उन्हें शंट करने के लिए राजमार्ग वाले ओपी में भेज दीजिए।अपने ठीक हो जाएगा।एस पी साहब नए थे।बुधवार को ही मथुरा जी की बदली ओपी में हो गयी।रवि बाबू को रामलाल जी ने खबर दे दी।रवि बाबू ने रामलाल जी को धन्यवाद दिया।और रवि बाबू से अपनी तारीफ सुनकर उन्हें शाम की पार्टी में बुला लिया।

रवि बाबू अब जोर से कहने लगे हैं कि मैं बिकाऊ हूँ।क्या आप उन्हें खरीदना चाहते हैं?

**@सर्वाधिकार सुरक्षित**

# विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र?

**डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल**

शैक्षणिक स्वतंत्रता, ज्ञान की खोज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ऐसी चीजें हैं जिन पर विश्वविद्यालय अक्सर गर्व करते हैं। हालांकि, कुछ वामपंथी और इस्लामी वैचारिक समूह इनका दुरुपयोग समाज में असमानता और कई कॉलेजों में राष्ट्र-विरोधी आचरण को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। सहकर्मी नेटवर्क और संस्थागत पुरस्कार प्रणालियाँ जो एक विशिष्ट असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी वैचारिक विचारधारा को दूसरों पर प्राथमिकता देती हैं, शैक्षणिक विभागों को ऐसे प्रतिध्वनि कक्षों में बदल देती हैं जहाँ कुछ विशेष दृष्टिकोण हावी हो जाते हैं। दुनिया इस साम्यवादी मानसिक और संज्ञानात्मक विकृति से पीड़ित होने लगी है। यह विकृति भारतीय विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित करती है, जिससे राष्ट्र और समाज को गंभीर नुकसान पहुँचता है। कई विश्वविद्यालय जिनमें मानविकी विभाग है, एक साम्यवादी थीम पार्क बन गए हैं। लक्ष्य है भारत का विघटन करना और सनातन धर्म को विकृत सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से ध्वस्त करना, चाहे वह समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, भाषा या कानून का क्षेत्र हो।





**मेष राशि**: आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। घर के बडों से नई बात आप सीखेंगे। आज काफी दिनों से आपका रुका काम पूरा हो जायेगा।

**वृष राशि** : आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। मिलजुल कर किये गए कार्यो में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। निवेश के मामले में आपको घर के बडों से अच्छी सलाह मिलेगी। काम की जगह बदलने से आपकी ऊर्जा में बदलाव आएगा।

**मिथुन राशि**: आज नए कार्यों करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको ख़ुशी मिलेगी। करियर में आप नये आयाम स्थापित करेंगे। परिवार में किसी सदस्य को सरकारी नौकरी मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आज आप किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर कहीं निवेश न करें। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी।

**कर्क राशि**: आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

**सिंह राशि** : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बडों की राय लेना आपके लिए बेहतर होगा। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

**कन्या राशि** : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

**तुला राशि** : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। छात्र आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, आपको अपने दिनचर्या में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मामले पर खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

**वृश्चिक राशि** : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके विरोधी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को सहयोगियों से मदद मिलेगी, जिससे आपका कार्य जल्दी पूरा हो जायेगा।

**धनु राशि** : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी।

**मकर राशि** : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपको खुशियां देंगे। आज कार्यों में माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके काम समय से पूरे हो जायेंगे।

**कुंभ राशि** : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है, पार्टी में नयी जिम्मेदारी मिलेगी।

**मीन राशि** : आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज शुभ समाचार मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आयेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं। आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आयेगी । आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी।

# कब सामने आएगी तीन बच्चियों की मौत की असली वजह?

**मनोज कुमार अग्रवाल**

बीती चार फरवरी को गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों (निशिका 16, प्राची 14, और पाखी 12 वर्ष) की मौत की वारदात के पीछे की सच्चाई सामने नही आई है। इन तीनों ने भारत सिटी सोसाइटी की 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इस मामले को आत्महत्या ही माना जा रहा है, लेकिन लड़की के पिता से जुड़े हैरान करने वाले खुलासे हो रहे हैं और उसका स्वयं का चरित्र विश्वसनीयता से परे है। आपको पता है कि बताया गया कि तीनों बच्चियां कोरियन गेम्स और ऑनलाइन कंटेंट की गंभीर लत में फंस चुकी थीं। परिवार द्वारा उन्हें इन गतिविधियों से दूर करने की कोशिश की गई, जिससे वे मानसिक रूप से टूट गईं और कथित तौर पर नौवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट से कूदकर अपनी जान दे दी। अब वहीं, दूसरी थ्योरी भी निकलकर सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि मरने वाले बच्चियों के पिता आर्थिक तंगी से परेशान था। बिजली का बिल भरना था उसके लिए पैसे नहीं थे इसलिए उन्होंने बेटियों का फोन बेंच दिया, जिसके बाद से परिवार में महौल बिगड़ गया। इसके पहले लड़कियों के पिता चेतन ने ही बयान दिया था कि तीनों लड़कियां कोरियन गेम खेल रही थीं, जिसमें लास्ट टास्क पूरा करना था और उसके लिए उन्होंने छत से कूदकर अपनी जान दे दीं। अब पुलिस को इन गोलमटोल बयानों से संदेह और गहरा हो गया है। तीन बहनों के सुसाइड मामले के पार्श्व में कुछ असहज हकीकत छिपी हैं। पुलिस जितनी गहराई से जांच कर रही है, मामला उतना ही उलझता जा रहा है। अब तक यह जानकारी सामने आई थी कि मृत बच्चियों के पिता की तीन शादियां हुई थीं और उनके पांच बच्चे थे, लेकिन अब नए तथ्य सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिता के एक चौथी महिला से भी संबंध थे, जिसकी मौत भी छत से गिरने के कारण हुई थी। इतना ही नहीं, उस महिला की मौत के बाद उसके ही एक रिश्तेदार के साथ संबंध बने, जिससे वह गर्भवती हो गई। यह सारी बातें बच्चियों के पिता चेतन ने पूछताछ के दौरान कबूल की हैं। पुलिस पूछताछ में जब मृत बच्चियों के पिता चेतन से उसकी शादियों और लिव-इन पार्टनर की मौत को लेकर सवाल किए गए, तो उसने तीन शादियां करने और एक महिला की मौत की बात स्वीकार की। चेतन ने बताया कि उसकी पहली पत्नी सुजाता है, लेकिन दोनों की कोई संतान नहीं हुई। इसके बाद सुजाता की सहमति से उसने अपनी सगी साली हिना से शादी कर ली। आगे चलकर चेतन का सीलमपुर में ससुराल के पड़ोस में रहने वाली तब्बू से संबंध बन गया और करीब नौ साल पहले वह उसे राजेंद्रनगर स्थित फ्लैट में साथ रहने के लिए ले आया। इसके बाद घर में लगातार विवाद होने लगे। वर्ष 2018 में तब्बू की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। चेतन ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि घटना के वक्त वह घर पर मौजूद नहीं था और पुलिस जांच में उसे पहले ही क्लीन चिट मिल चुकी है। आपको बता दें कि तीन नाबालिग बहनों द्वारा बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या की गुत्थी उलझती जा रही है. एक पिता, दो मां और कुल पांच भाई बहन होने के चलते उलझे हुए रिश्ते और कोरियन गेम की लत वाली थ्योरी को लेकर बारीकी से जांच जारी है. महज 12, 14 और 16 साल की नाबालिग लड़कियों के पिता ने साफ साफ कहा कि उनकी बेटियों को कोरिया जाना था. परिवार के मुताबिक, तीनों बहनें कोई कोरियन गेम खेलने की आदि थीं. ये ऑनलाइन टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेला करती थीं. तीनों लड़कियों की आदत इस तरह हो चुकी थी कि वे नहाने, खाने, स्कूल जाने और सोने जैसे रोजमर्रा के सभी काम एक साथ किया करती थीं. इसी तरह तीनों ने एक साथ इमारत से कूदकर आत्महत्या की. इस घटना से परिवार सदमे में है. हालांकि, सच क्या है ये सवाल अभी भी सवाल ही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि तीनों बहनों ने अपना एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था. इस चैनल पर वे कोरियन कल्चर, कोरियन ड्रामा, म्यूजिक और वहां के रहन-सहन से जुड़े वीडियो अपलोड करती थीं. यह चैनल काफी पॉपुलर हो चुका था और इसके लगभग 2000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स थे. जब पिता को इस चैनल और बेटियों की कोरियन कल्चर के प्रति बढ़ती दीवानगी का पता चला, तो उन्होंने वह यूट्यूब चैनल डिलीट करवा दिया. पिता का यह कदम बेटियों को रास नहीं आया और वे उनसे नाराज रहने लगीं. बेटियों को लगा कि उनकी 'डिजिटल पहचान' छीन ली गई है.पिता ने कैमरे पर आए बिना बताया कि बच्चों ने कोरियन पर्सनैलिटी बनाई थी और अपना नाम बदल दिया था ये सच है. लॉस था मेरा 20-30 लाख का, लेकिन ये वजह खुदकुशी की नहीं हो सकती है. वे बोलते थे हम कोरिया जाएंगे, कोरिया ले चलो, इंडियन के नाम से गुस्सा आ जाता था, बच्चे तो इंडिया के नाम पर खाना तक नहीं खाते थे. उन्होंने कहा- हम चाहते हैं कोरियन ड्रामा, वीडियो जो भी चल रहे हैं जिनसे बच्चे एडिक्ट हो रहे हैं वे सभी बन्द होने चाहिए. बच्चे ऐसी चीजें तीन चार साल से देख रहे थे. वो कहते थे कि कोरिया नहीं गए तो मर जाएंगे.घर की छानबीन में पुलिस को पता चला कि लड़कियों ने अपना कमरा पूरी तरह कोरियन स्टाइल में सजा रखा था. वे अपनी सबसे छोटी बहन को 'देवु' और अन्य को 'लीनो' व 'कुइना' जैसे कोरियन नामों से बुलाती थीं. चौंकाने वाली बात यह है कि जिन बच्चों से उन्हें चिढ़ थी, उन्हें वे 'बॉलीवुड नाम' देकर संबोधित करती थीं. वे कोरिया की रीति-रिवाजों के अनुसार ही प्रभावित करना चाहती थीं और पूरी तरह उसी संस्कृति में ढल चुकी थीं. इन तीनों मासूमों की मौत के पीछे जिस तरह कोरियन गेम और मोबाइल इंटरनेट से प्रभावित हो रही किशोरावस्था को जोडने की कोशिश की जा रही है वह अधूरा सच मालूम पड़ती है। दरअसल एक रियल स्टेट कारोबारी द्वारा तीन तीन शादी करना और इसके बावजूद लिवइन रिलेशन बनाना और एक लिव-इन पार्टनर की संदिग्ध परिस्थितियों में इसी तरह फ्लोर से कूदकर सुसाइड करना तीनों अभागी बच्चियों के पिता के एक ऐसे चरित्र को उद्घाटित कर रहा है जो बेहद अय्याश किस्म का मालूम पड़ता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** | बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### खाली हाथ राजस्थान से लौटी पटना पुलिस

**पटना।** पटना सिविल कोर्ट को लगातार बम से उड़ने की धमकी देने के मामले में पीरबहोर थाने की पुलिस चेन्नई, राजस्थान के जैसलमेर और उसके पास के सटे जिलों में छापेमारी कर के लौट आई है। धमकी देने वाले का कोई ट्रेस नहीं मिल पाया है। यहां तक कि किस एप या दूसरे अन्य प्लेटफार्म के जरिए धमकी दी गई थी, इसके बारे में भी पता नहीं लग पाया है। धमकी मिलने के बाद पीरबहोर और एटीएस में कैसे रजिस्टर्ड हुआ था। इसके बाद पटना पुलिस की ओर से एक टीम गठित की गई थी। जिसमें SI रैंक के दो पदाधिकारी थाने से दूसरे राज्यों में धमकी देने वाले के बारे में पता लगाने गए थे। पटना सिविल कोर्ट को लगातार बम से उड़ने की धमकी मिलने के बाद अब पुलिस रोज सुबह के वक्त कोर्ट में सर्च कर रही है। सुबह 7:00 से लेकर कोर्ट खुलने से पहले तक पूरे परिसर को सेनीटाइज कर दिया जा रहा है। यह कदम एहतियातन बराबर मिल रही धमकी के बाद उठाया गया है। टीम चेन्नई और जयपुर जा चुकी है। 2 दिन चेन्नई और 3 दिन जयपुर में पुलिस ने सस्पेक्टेड की खाक छानी। लेकिन कंक्लुजन नहीं निकल पाया। यहां 3 से 4 सस्पेक्ट से पूछताछ भी की गई। जिन लोगों से पूछताछ हुई, वह वैसे थे, जो संबंधित आईपी एड्रेस की लोकेशन में आए थे। लेकिन सत्यापन के दौरान थ्रेट से संबंधित एविडेंस नहीं मिले।

### क्या अक्षय कुमार के साथ काम करेंगी अक्षरा सिंह, एक्टर के साथ तस्वीर शेयर की, लिखा- बड़ा सरप्राइज मिलेगा

**पटना।** भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वो अपने गानों और तस्वीरों के लेकर अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। अक्षरा एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह काफी खास है। अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार के साथ एक फोटो साझा की है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है। कैप्शन को पढ़कर फैन्स यह कयास लगाने में जुटे हैं कि अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार की कोई नहीं फिल्म आने वाले है। अक्षरा सिंह इस तस्वीर में ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। जबकि, अक्षय कुमार ग्रीन शर्ट में हैं और कैप लगा रखी है। एक्ट्रेस ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, 'जब खिलाड़ी की मुलाकात मृगनयनी से हो और, कहानी अभी बाकी है। बड़ा सरप्राइज लोड हो रहा है।' इस पोस्ट में अक्षरा ने अक्षय कुमार को भी टैग किया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। कुछ यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि शायद दोनों किसी फिल्म में काम करने वाले हैं। जबकि कुछ यूजर्स ने कहना है कि किसी नए गाने में इनकी जोड़ी देखने को मिले सकती है? अन्य यूजर ने लिखा है, 'कुछ तो पक रहा है'। दूसरे यूजर्स ने लिका कि- अक्षय कुमार फिट आदमी हैं। एक यूजर ने लिखा- तुम बॉलीवुड जाओ।

### महावीर मंदिर प्रांगण में हिंदू सम्मेलन संपन्न, पटना में राष्ट्र की मजबूती के लिए 'पंच परिवर्तन' पर हुआ मंथन

**पटना।** पटना के महावीर मंदिर के ऐतिहासिक प्रांगण में आयोजित हिंदू सम्मेलन अत्यंत गौरवमयी और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में राष्ट्र की मजबूती के लिए 'पंच परिवर्तन' के विचार को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्यों के पालन और स्वदेशी अपनाने को समय की आवश्यकता बताया। विचार-मंथन के दौरान प्रबुद्ध वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक समरसता के माध्यम से ही समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त किया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। कुटुंब प्रबोधन के जरिए परिवार संस्था को संस्कारवान और सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ी नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हो। साथ ही नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता लाकर अनुशासित और सशक्त राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया। आर्थिक स्वावलंबन के लिए स्वदेशी को जीवन का आधार बनाने की अपील भी की गई। सम्मेलन में स्वामी सीताराम सरन की पावन उपस्थिति रही। उन्होंने अपने आशीर्वचनों में समाज को संगठित और संस्कारित बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ अधिकारी अनिल ठाकुर ने सांगठनिक दृष्टिकोण साझा किया। वहीं मंदिर के सचिव सायन कुणाल ने मंदिर की सामाजिक सक्रियता और सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में नवल गुप्ता सहित समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने 'पंच परिवर्तन' के संकल्प को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक प्रण लिया।

### धनबाद-भोपाल और चोपन-भोपाल के लिए 2 नई ट्रेनें, सप्ताह में 3 और 1 दिन होगा परिचालन

**हाजीपुर।** यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर धनबाद और भोपाल तथा चोपन और भोपाल के बीच दो नई ट्रेन सेवाओं का परिचालन शुरू किया जा रहा है। इनमें से एक ट्रेन धनबाद और भोपाल के बीच सप्ताह में तीन दिन चलेगी, जबकि दूसरी ट्रेन चोपन और भोपाल के बीच साप्ताहिक रूप से संचालित होगी। इन दोनों नई ट्रेनों में कुल 22 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें 01 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 07 शयनयान श्रेणी और 04 साधारण श्रेणी के कोच शामिल हैं। धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस बोकारो थर्मल, रांची रोड, टोरी, डालटनगंज, गढ़वा, चोपन और सिंगरौली के रास्ते चलेगी। गाड़ी संख्या 11631/11632 भोपाल-धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) का नियमित परिचालन भोपाल से 27 फरवरी 2026 से प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार और गुरुवार को शुरू होगा। वहीं, धनबाद से यह ट्रेन 01 मार्च 2026 से प्रत्येक रविवार, बुधवार और शनिवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस भोपाल से रात 08:55 बजे रवाना होगी और बीना, दमोह, कटनी मुरवाड़ा के रास्ते अगले दिन सुबह 08:45 बजे सिंगरौली, 10:20 बजे चोपन, 11:20 बजे रेणुकूट, 12:35 बजे गढ़वा, 01:20 बजे डालटनगंज, 02:52 बजे टोरी, 05:05 बजे रांची रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए रात 08:20 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस धनबाद से सुबह 07:20 बजे चलकर सुबह 09:45 बजे रांची रोड, 11:20 बजे टोरी, 12:46 बजे डालटनगंज, 01:35 बजे गढ़वा, 03:08 बजे रेणुकूट, 04:05 बजे चोपन, 06:50 बजे सिंगरौली सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 07:00 बजे भोपाल पहुंचेगी।

### 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म का विरोध, प्रदर्शनकारियों ने पोस्टर जलाए, रिलीज पर रोक लगाने की मांग

**हाजीपुर।** वैशाली जिले के बिदुपुर के गांधी चौक पर सोमवार की देर शाम हिन्दू समाज के सैकड़ों लोगों ने आगामी फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के खिलाब जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने फिल्म के पोस्टर को जलाते हुए नारेबाजी की ओर फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इस फिल्म के 27 फरवरी को रिलीज होने की संभावना है, जिसे लेकर समाज के लोगों में भारी रोष है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म के निर्माता संदीप ने जानबूझकर यह फिल्म यादव समाज की अस्मिता पर सीधा हमला करने के लिए बनाई है। इस मौके पर खिलवत पंचायत के पूर्व मुखिया संजीव कुमार सिंह ने कहा, "यह फिल्म हमारी सामाजिक छवि को धूमिल करने वाली है। हम सवाल उठाते हैं कि सेंसर बोर्ड ने आखिर कैसे इस फिल्म को मंजूरी दे दी।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यह फिल्म रिलीज हुई, तो इसका विरोध पूरे देश में उग्र रूप ले लेगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को अंजाम भुगतना पड़ेगा। वहीं जिला परिषद प्रतिनिधि राजा यादव ने कहा कि इस तरह की फिल्में समाज को बिगाड़ने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, "आज यादव जी पर लव स्टोरी बनाई जा रही है, तो कल किसी अन्य जाति पर भी ऐसी फिल्म बन सकती है। यह एक खतरनाक परंपरा है।" उन्होंने केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप कर इस फिल्म को रिलीज होने से रोकने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान राजा यादव ने बिहार के सभी सिनेमाघर मालिकों से अपील की कि वे इस फिल्म को अपने सिनेमाघरों में न लगाएं। उन्होंने कहा, "अगर फिल्म नहीं रोकी गई तो हम लोग जल्द ही मशाल जुलूस निकालकर और मुख्यालय पर धरना देकर इसका जमकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। हमारा सीधा सवाल फिल्म के निर्माता संदीप से है कि वे इस फिल्म को जल्द से जल्द रोकें।"

# पटना में लाइब्रेरियन कैंडिडेट्स का प्रदर्शन, सड़क पर लेटे

एजेंसी, पटना

बिहार में लाइब्रेरियन बहाली की प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर कैंडिडेट्स सड़क पर उतर गए हैं। ऑल बिहार ट्रेंड लाइब्रेरियन एसोसिएशन की ओर से पटना में आक्रोश मार्च निकाला है। मार्च की शुरुआत पटना विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी से हुई है, जो करगिल चौक तक पहुंच गया है। यहां कैंडिडेट्स विरोध जताते हुए पहले सड़क पर बैठे, फिर तकिया लगाकर वही लेट गए। अभ्यर्थी शंखनाद कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री हाय-हाय के नारे लगा रहे हैं। इधर, शांति व्यवस्था के लिए करगिल चौक पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। फोर्स के साथ वाटर कैनन भी बुला लिया गया है।

- करगिल चौक पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन के साथ फोर्स तैनात, 10 हजार पद खाली

**एग्जाम डेट नहीं निकला तो आंदोलन तेज होगा:** एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार ने बहाली की नियमावली तो जारी कर दी, लेकिन अब तक लाइब्रेरी पात्रता परीक्षा की तिथि घोषित नहीं की गई है। पटना जिला अध्यक्ष हर्षित राज ने बताया कि यह मार्च सरकार तक अभ्यर्थियों की मांग पहुंचाने का प्रयास है। यदि जल्द परीक्षा तिथि घोषित नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

**10 हजार से अधिक पद खाली:** बिहार में लाइब्रेरियन के करीब 10 हजार पद खाली हैं। इनमें प्लस टू स्कूलों से लेकर कॉलेज और विश्वविद्यालयों तक के पद शामिल हैं। पद खाली रहने के कारण लाइब्रेरी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई जगहों पर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही कार्य संभाल रहे हैं।

## जीईसी पलामू को जेसीएसटीआई से तीन शोध परियोजनाओं की मंजूरी

संवाददाता

**पलामू :** सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए यह गौरव का क्षण है कि संस्थान को झारखंड काउंसिल ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, रांची से एक साथ तीन अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि कॉलेज के सुदृढ़ होते शोध वातावरण और बढ़ती शैक्षणिक सक्रियता को दर्शाती है।

स्वीकृत परियोजनाओं में डॉ. अभिषेक शर्मा (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) और डॉ. मुरली मनोहर (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) को सह-अन्वेषक के रूप में "पोटेंशियल एनर्जी रिकवरी फ्रॉम एग्रीकल्चरल एंड प्लास्टिक वेस्ट वाया को-पायरोलेसिस" विषय पर 8 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। यह परियोजना कृषि अवशेष और प्लास्टिक कचरे से सतत ऊर्जा उत्पादन के समाधान विकसित करने पर केंद्रित है।

इसी क्रम में डॉ. दीपेश कुमार (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) को "एआई-आधारित प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस ऑफ क्रिटिकल माइन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट इन झारखंड्स कोल माइंस" परियोजना के लिए 3 लाख रुपये का अनुदान मिला है। यह शोध कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से खनन क्षेत्र में विद्युत उपकरणों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने पर केंद्रित है।

इसके अतिरिक्त प्रो. भवेश कुमार (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) को "लो-कॉस्ट स्मार्ट डिवाइस फॉर अर्ली डिटेक्शन ऑफ कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट इन स्टूडेंट्स ऑफ रूरल स्कूल्स इन झारखंड" परियोजना के लिए 5 लाख 40 हजार रुपये की स्वीकृति मिली है। यह परियोजना ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों में संज्ञानात्मक समस्याओं की प्रारंभिक पहचान हेतु कम लागत वाले उपकरण के विकास से जुड़ी है।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी डॉ. सुमित कुमार को जेसीएसटीआई से अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ था, जो संस्थान की निरंतर शोध प्रगति का संकेत है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रो. संजय कुमार सिंह ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि ये परियोजनाएं झारखंड के तकनीकी और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

## भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का बिहार दौरा

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज एक दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। वे दिल्ली से सीधे दरभंगा पहुंचें, वहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की मां के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुई हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की। दरभंगा कार्यक्रम के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सीधे पटना पहुंचेंगे। यहां वे भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

बैठक में बिहार में चल रही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा, संगठनात्मक मजबूती, सदस्यता विस्तार और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक पटना प्रवास के दौरान नितिन नवीन कुछ व्यक्तिगत कार्यक्रमों में भी शामिल हो सकते हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अलग से संवाद करेंगे।

**सीएम नीतीश भी जाएंगे**

- दरभंगा में श्रद्धांजलि सभा के बाद पटना में करेंगे बैठक, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद

**दरभंगा:** संजय सरावगी की माता के निधन के बाद भाजपा में शोक का माहौल है। इसी क्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रहेगी। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, मंत्री दिलीप जायसवाल सहित राज्य सरकार के कई मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

# विधानसभा में गूंजा दामोदर का दर्द, सरयू राय के सवाल पर सरकार सख्त

## पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी को ले डीवीसी सीटीपीएस पर 7.42 लाख का जुर्माना

संवाददाता

**बोकारो थर्मल :** झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में नदियों के अस्तित्व और पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा गरमाया रहा। प्रखर विधायक सरयू राय द्वारा दामोदर और कोनार नदी में बढ़ते प्रदूषण तथा अतिक्रमण को लेकर पूछे गए तीखे सवालों पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि डीवीसी के चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट (सीटीपीएस) ने नियमों की धज्जी उड़ाई है, जिसके लिए उन पर आर्थिक दंड भी अधिरोपित किया गया है। विधायक सरयू राय के सवाल के जवाब में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अवर सचिव सुनील कुमार ने सदन को बताया कि चंद्रपुरा पावर प्लांट ने ऐश पॉन्ड विस्तार के दौरान भारी अनियमितता बरती है। जांच में यह सच सामने आया है कि प्लांट प्रबंधन द्वारा दामोदर नदी के बहाव क्षेत्र (हाइएस्ट फ्लड लेवल) के भीतर अवैध रूप से पक्की कंक्रीट की दीवार खड़ी कर दी गई थी। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा 29 जनवरी 2026 को किए

गए स्थल निरीक्षण में इस उल्लंघन की पुष्टि हुई है। नियमों की इस अनदेखी पर सरकार ने कड़ा प्रहार करते हुए इकाई पर 7 लाख 42 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का जुर्माना लगाया है और प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

**मंत्री ने दिलाया भरोसा- दंडात्मक कार्रवाई के साथ होगी नियमित निगरानी-** सदन में चर्चा के दौरान विधायक सरयू राय ने मंगलवार को दोबारा इस मुद्दे को उठाते हुए स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया। इस पर जवाब देते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सदन को आश्वस्त किया कि सिर्फ जुर्माना ही काफी नहीं है, बल्कि सीटीओ (परिचालन-सहमति) के विचलन पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में दंडात्मक कदम भी उठाए जाएंगे।विधायक ने बोकारो थर्मल (बीटीपीएस) की पाइपलाइन फटने से कोनार नदी में बह रही छाई (ऐश) का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया। हालांकि, सरकार ने 12 फरवरी के निरीक्षण का हवाला देते हुए फिलहाल किसी भी सक्रिय प्रदूषित बहाव की पुष्टि नहीं की है। लेकिन. विधायक की आपत्ति के बाद मंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि एक विशेष जांच कमेटी गठित की जाए, जो हर महीने इन संयंत्रों की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी ताकि नदियों की शुचिता बनी रहे।

**पर्यावरण से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : सरयू-** सरकार के इस जवाब से यह साफ हो गया है कि अब औद्योगिक घरानों द्वारा नदी के प्राकृतिक बहाव से छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदूषण नियंत्रण पर्षद को अब नियमित अंतराल पर बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा के इलाकों में पैनी नजर रखने का आदेश दिया गया है। रांची से विधायक सरयू राय ने मंगलवार को यह तमाम जानकारियां साझा करते हुए स्पष्ट किया कि पर्यावरण से खिलवाड़ करने वाली इकाइयों को जवाबदेह ठहराना ही उनकी प्राथमिकता है।

## अमित शाह का बिहार में 3 दिवसीय दौरा

एजेंसी, पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 फरवरी से तीन दिवसीय बिहार दौरे पर रहेंगे। 25, 26 और 27 फरवरी तक चलने वाले इस दौरे में उनका मुख्य फोकस राज्य के सीमावर्ती जिलों किशनगंज और अररिया पर रहेगा।

बिहार सरकार के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि गृह मंत्री कई अहम बैठकों और कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वहीं, सदन के बाहर विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि गृह मंत्री देश की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। वो बिहार आ रहे हैं, उनके टॉप प्रायोरिटी में बिहार है। यहां आते हैं, घुसपैठियों पर बात होती है, एक्शन प्लान बनता है, कई मुद्दों पर बातचीत होती है। सरकारी कर्मचारियों को पूरी तरह से सक्रिय किया जाता है।

**स्थानीय प्रशासन और केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर**

- विधायक बोले- गृह मंत्री की टॉप प्रायोरिटी है बिहार, सीमावर्ती सुरक्षा पर करेंगे हाई-लेवल समीक्षा

**तालमेल:** किशनगंज और अररिया, दोनों जिले अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसे में गृह मंत्री का यह दौरा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

**'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम की जमीनी समीक्षा:** गृह मंत्री सीमावर्ती गांवों में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की प्रगति का भी जायजा लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों और बुनियादी ढांचे का विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

**स्थानीय लोगों के रोजगार और जीवन स्तर में सुधार:** सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री कुछ चयनित गांवों का दौरा कर स्थानीय लोगों से सीधे संवाद भी कर सकते हैं, ताकि योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। गृह मंत्री का यह तीन दिवसीय बिहार दौरा सुरक्षा, विकास और सीमावर्ती क्षेत्रों के सशक्तिकरण के लिहाज से निर्णायक साबित हो सकता है। सीमावर्ती जिलों पर केंद्रित यह दौरा केवल सुरक्षा समीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास और जनसंपर्क के दृष्टिकोण से भी अहम है।

## पटना में 17 जगहों पर लगेंगे नए ट्रैफिक सिग्नल, कैमरे और सेंसर से होंगे लैस

एजेंसी, पटना

पटना में ट्रैफिक व्यवस्था को स्मार्ट बनाने के लिए शहर में 17 नए स्थानों पर ऑटोमेटिक ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। ये सभी नए सिग्नल मॉडर्न कैमरों और सेंसर से लैस होंगे। अब शहर में ट्रैफिक सिग्नलों की संख्या 28 से बढ़कर 45 हो जाएगी। हाल ही में पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी थी। इसके बाद स्मार्ट सिटी ने शहर के 25 चौराहों का सर्वे कराया, जिनमें से 17 जगहों को सिग्नल के लिए सही पाया गया, जबकि 8 जगहों पर तकनीकी दिक्कतों के कारण सिग्नल नहीं लग सकेंगे।

**इन 17 जगहों पर लगेंगे नए सिग्नल:** ये सभी नए सिग्नल इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़ेंगे, जिससे ट्रैफिक की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव होगा। सर्वे के अनुसार मीठापुर न्यू बाइपास, मलाही पकड़ी पुल के नीचे, करबिगहिया पेट्रोल पंप, मुन्ना चौक, डीपीएस मोड़, गोला रोड, रूपसपुर पुल (दोनों ओर), आरा गार्डन मोड़, अंबेडकर पथ, त्रिभुवन मोड़, आयुक्त कार्यालय मोड़, स्वामी नंदन तिराहा, गौरिया टोली, जीपीओ पुल के नीचे, डंका इमली गोलंबर, एनआइटी मोड़ और आर

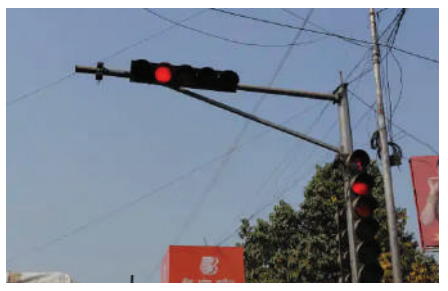

ब्लॉक के नीचे सिग्नल लगाए जाएंगे।

**आरपीएस मोड़ पर मेट्रो के काम के कारण नहीं लगेगा सिग्नल:** वहीं, इस सर्वे में 8 स्थानों को रिजेक्ट कर दिया गया है। आरपीएस मोड़ पर मेट्रो का काम चलने के कारण अभी सिग्नल नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा जीपीओ के ऊपर पुल होने और चिल्ड्रेन पार्क के पास तकनीकी दिक्कत के कारण सिग्नल नहीं लगेंगे। वहीं, अगमकुआं आरओबी, पूरब दरवाजा, चौक थाना, विसंभरपुर और बिहटा चौक में सड़कें संकरी होने या निर्माण कार्य चलने की वजह से इन्हें अनपुयुक्त पाया गया है।

## पटना वीमेंस कॉलेज में 1089 छात्राओं को मिली डिग्रियां

एजेंसी, पटना

पटना वीमेंस कॉलेज में आज दीक्षांत समारोह हुआ। समारोह में 35 छात्राओं को गोल्ड मेडल मिला। 2025 में पास होने वालीं स्नातक, बीएड और पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की छात्राओं को डिग्रियां दी गई, जिसमें 1089 छात्राएं शामिल हैं। कॉलेज के वेरोनिका ऑडिटोरियम में कार्यक्रम शुरू हुआ। सभी छात्राओं ने बिहार की संस्कृति को दिखाते हुए मिथिला पाग पहना था। सुरक्षा और अनुशासन के मद्देनजर ऑडिटोरियम के अंदर मोबाइल, खाने-पीने की वस्तुएं और पानी की बोतल ले जाना पूरी तरह मना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी मोतिहारी के प्रो. संजय श्रीवास्तव, पीयू की वीसी प्रो नमिता सिंह, रजिस्ट्रार प्रो शालिनी शामिल थी।

**दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड किया गया था लागू:** इस

दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड भी लागू किए गए हैं। छात्राओं को लाल या सुनहरी बॉर्डर वाली सफेद या ऑफ-व्हाइट साड़ी/सलवार सूट पहनकर आना था। इस दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाली सभी छात्राओं को अपनी भुगतान रसीद साथ लाना अनिवार्य था। समारोह वाले दिन ही सुबह 9 से 10 बजे के बीच अंगवस्त्र का वितरण ऑडिटोरियम के बाहर बने काउंटरों से किया गया। हर एक छात्रा के साथ केवल एक अभिभावक को शामिल होने की अनुमति दी गई थी, जिन्हें सुबह 10:30 बजे तक अपना स्थान ग्रहण करना था।

## बनारस की तर्ज पर बिहार में साफ होगी गंगा, दीघा से लेकर पटना सिटी तक के नाले एसटीपी से जुड़ेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार में गंगा बनारस की तर्ज पर साफ होगी। इसके लिए बिहार में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की संख्या बढ़ाई जा रही है। राज्य के विभिन्न नालों से निकलने वाला गंदा पानी अब बिना ट्रीटमेंट गंगा में नहीं गिरेगा। पहले बिहार में कुल STP की संख्या 39 थी, जो अब बढ़कर 44 हो गई है। समस्तीपुर, जमालपुर, खगड़िया और बरौनी में नया STP लगाया जाएगा। इसके साथ ही पटना में बिहार का सबसे बड़ा STP लगेगा। हाल ही में दिल्ली में नमामी गंगे की बैठक हुई, जिसके बाद नगर विकास एवं आवास विभाग ने बुडको को इसपर काम करने का आदेश दिया है।

**दीघा से लेकर पटना सिटी तक के नाले STP से जुड़ेंगे:**

**बिना ट्रीटमेंट गंदा पानी नदी में नहीं गिरेगा**

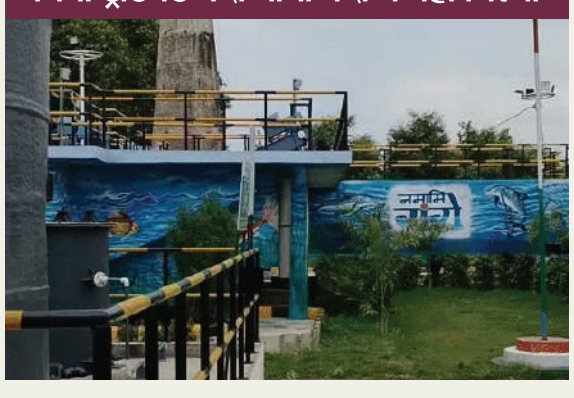

पटना में गंगा पथ के पास 400 एमएलडी क्षमता का नया एसटीपी बनेगा। यह दीघा से लेकर पटना सिटी तक के नालों को जोड़ेगा। नालों के पानी के लिए अलग चैनल बनाया जाएगा। बुडको प्रशासन के मुताबिक पटना में सर्वे का काम किया जा रहा है। अब सिर्फ एक एसटीपी 400 एमएलडी की बनेगी या दो एसटीपी 200 एमएलडी की बनेगी, ये डिजाइनिंग के समय फाइनल किया जाएगा। फ़िलहाल 39 STP में से 21 STP पूरा हो चुका है। 13 STP क्रियान्वित है, जिसमें से 6 इस साल कंप्लीट होगा और 7 अगले साल पूरा किया जाएगा। वहीं, 5 टेंडर फेज में है।

**सभी बड़े नालों की टैपिंग होगी:** पटना में बनने वाले नए STP से दीघा, कुर्जी, राजापुर, मंदिरी, अंटा घाट और मित्तन घाट के नालें जुड़ेंगे। प्रमुख नालों का आंकलन किया गया है। अब डीपीआर तैयार होगी। सभी बड़े नालों की टैपिंग होगी।

नालों का पानी इंटरसेप्शन एंड डाइवर्जन से एसटीपी तक लाया जाएगा। जहां पहले से सीवर लाइन का काम चल रहा है, वह पूरा होगा। लेकिन अब नए सिरे से सड़कों और गलियों की खुदाई नहीं होगी। संकरी गलियों में नेटवर्किंग का काम रोका जाएगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 25 फरवरी, 2026



## संक्षिप्त समाचार

### विद्यापीठ में बिना लिफाफे की डिग्री देने पर सीएम से शिकायत

**वाराणसी , एजेंसी।** महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में डिग्री शिष्टाचार का पालन न करने का आरोप लगा है। सोमवार को एक छात्रा को खिड़की संख्या पांच पर बिना लिफाफे की डिग्री दे दी गई। इस पर साथ गए परिजन नाराज हो गए और कहा कि डिग्री हमेशा बंद लिफाफे में ही देनी चाहिए। इस तरह से डिग्री देना अपमानजनक होने के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से भी ठीक नहीं है। कौशलेश नगर के प्रमिल पांडेय ने बताया कि सोमवार को वह अपनी बेटी की एमए की डिग्री लेने के लिए साथ में विद्यापीठ गए थे। वहां मौजूद सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को हाथ में ही डिग्री दी जा रही थी। इसकी शिकायत कुलपति से करने के बाद आरजीएस पोर्टल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी की गई है।

### गायिका सुचरिता के गीतों का नवांकुरों ने किया लयात्मक अभ्यास

**वाराणसी , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम लखनऊ और बौद्धायन सोसाइटी संस्था की तरफ से चल रहे 15 दिवसीय संस्कृत गान प्रशिक्षण कार्यशाला के सातवें दिन सोमवार को उपशास्त्रीय गायिका सुचरिता गुप्ता ने सुर, लय व ताल का महत्व बताते हुए गीतों का लयात्मक अभ्यास कराया। तबले पर सन्नी गुप्त रहे। वहीं डॉ. सरोज पांडेय ने गुरुजी की संस्कृत रचना का भोजपुरी धुन में अभ्यास कराया। इस मौके पर वरिष्ठ रंगकर्मी सुमन पाठक, विद्यालय की प्राचार्या नन्दिता शास्त्री, डॉ. लता पांडेय, रासबिहारी पांडेय व संयोजक डॉ. मंजरी पांडेय आदि मौजूद रहीं।

### श्रीकाशी विश्वनाथ संस्कृति उदय के अध्यक्ष बने राहुल सिंह

**वाराणसी , एजेंसी।** भारत विकास परिषद काशी प्रांत की नई शाखा श्रीकाशी विश्वनाथ संस्कृति उदय का गठन हुआ। सोमवार को महमूरगंज स्थित शृंगेरी मठ में हुए समारोह में राहुल सिंह संस्थापक अध्यक्ष बनाए गए। जयदीप शुक्ला सचिव, सुनील टंडन कोषाध्यक्ष, सरोज शुक्ला महिला संयोजिका सहभागिता, सूफिया समीर जायसवाल संस्कार गतिविधि संयोजक, साक्षी लखवानी सेवा गतिविधि संयोजक, रोली लोहिया पर्यावरण गतिविधि संयोजक बनाई गईं। प्रांतीय अध्यक्ष अध्यक्ष अजीत मेहरोत्रा ने सभी को शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि सचिंद्रनाथ महाराज ने सभी को बधाई दी। अजीत मेहरोत्रा ने इस नई शाखा के संकल्प के साथ कार्य पर विश्वास जताया। इस मौके पर विशाल लोहिया, रचना केसरी, सुमन अग्निहोत्री, प्रिया मिश्रा, रमेश कुमार, विष्णु सेठ आदि रहे।

### एनईपी सिर्फ ग्रेजुएट नहीं ज्ञान और कौशल भी बढ़ाएगी

**वाराणसी , एजेंसी।** बीएचयू के इतिहास विभाग की ओर से वैदिक विज्ञान केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय व्याख्यान में कई कुलपति पहुंचे। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) विद्यार्थियों को न केवल ग्रेजुएट बनाएगी, बल्कि ज्ञान और कौशल युक्त ग्रेजुएट बनने की बात करती है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के कुलपति प्रो. महाबीर सिंह ने कहा कि एआई का सामना करने के लिए शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को स्वयं पर ज्यादा काम करना होगा। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने कहा कि एनईपी हमें अपने अतीत से जोड़ते हुए भविष्य की ओर चलने का मार्ग दिखाती है। इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. घनश्याम और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सत्यपाल यादव मौजूद रहे।

### गोरक्षनगरी में निजी क्षेत्र की बसेगी पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप

**गोरखपुर , एजेंसी।** गोरखपुर। गोरक्षनगरी में जल्द ही निजी क्षेत्र की पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप बसने जा रही है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने ग्राम ताल जहदा एवं गायघाट में निजी क्षेत्र की पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित करने के लिए एक कंपनी की डीपीआर को मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति-2023 के तहत 104.92 एकड़ भूमि पर टाउनशिप विकसित की जाएगी। जीडीए के विस्तारित क्षेत्र नया गोरखपुर में सोनौली और कुशीनगर रोड पर यह परियोजना बेहतर कनेक्टिविटी एवं आधुनिक शहरी सुविधाओं से युक्त होगी। रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) में पंजीकरण बाकी है। कंपनी निम्न आय वर्ग के लिए 338 आवास ला रही हैं, जिनमें 50-50 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस और एलआईजी के होंगे। इस परियोजना में मध्यम से मध्य आय वर्ग एवं उच्च आय वर्ग के लिए विभिन्न श्रेणियों के आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही विभिन्न आकार के आवासीय भूखंड, हाई-राइज अपार्टमेंट, आधुनिक विला एवं सुव्यवस्थित आवासीय ब्लॉक विकसित होंगे। नागरिकों की सुविधा के लिए विद्यालय, अस्पताल, सामुदायिक केंद्र, चौड़ी सड़कों का नेटवर्क, समुचित जल निकासी व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, हरित क्षेत्र, पर्याप्त खुले पार्क एवं अन्य सार्वजनिक मूलभूत सुविधाएं विकसित होंगी।

### सीएम योगी सिंगापुर में, 20 हजार करोड़ के समझौते

# बड़ी संख्या में पैदा होंगे रोजगार के अवसर

**लखनऊ, एजेंसी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे के पहले दिन तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ 19,877 करोड़ रुपये के एमओयू किए। इन समझौतों से करीब 20 हजार नए रोजगार के अवसर खुलेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि प्रदेश सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतिगत ढांचा, जल्द स्वीकृतियां और बेहतर बुनियादी सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

समझौता ज्ञापनों (एमओयू) में यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में 6,650 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव किया। इन परियोजनाओं से शहरी विकास, औद्योगिक गतिविधियों और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी क्रम में गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए 8,000 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की।

प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी) ने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और कृषि सह सोलर (एग्री-पीवी) परियोजनाओं में 2,500 करोड़ रुपये का एमओयू किया। इसके अतिरिक्त एवीपीएन लिमिटेड ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और एग्री-पीवी क्षेत्र में 2,727 करोड़ रुपये के लिए एमओयू किया।

मुख्यमंत्री के सिंगापुर दौरे के पहले दिन तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) को सुदृढ़ करने के लिए आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) के साथ सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत आईटीईईएस शैक्षणिक विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार, नेतृत्व और क्षमता निर्माण, आईएसक्यू प्रमाणन और क्वालिटी एश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में परामर्श और तकनीकी सहयोग करेगा। इसका उद्देश्य प्रदेश की कौशल व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है।

**अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट :** यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के करीब 100 एकड़ जमीन पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित टाउनशिप विकसित करेगा। वर्ष 2027 में शुरू होने वाली इस परियोजना में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। लगभग 12,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

**कानपुर-लखनऊ हाईवे पर लॉजिस्टिक्स पार्क :** इसी ग्रुप की दूसरी परियोजना कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में लॉजिस्टिक्स पार्क के विकास से संबंधित है। इसमें 650 करोड़ रुपये का निवेश होगा। लगभग 7,500 रोजगार सृजित होंगे। ये भी अगले साल शुरू होगी।

**नोएडा/ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर पार्क :** तीसरी परियोजना के तहत नोएडा/ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ जमीन पर 40 मेगावाट आईटी पावर क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क बनेगा। इसमें 2,500 करोड़ का निवेश होगा और लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। एमओयू के अनुसार प्रोजेक्ट वर्ष 2028 में शुरू करने की योजना है।

**100 मेगावाट का डेटा सेंटर बनाएगी जीएससी ग्रीन्स :** सिंगापुर की कंपनी गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ग्रीन्स के निदेशक सुमित नंदा ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए 8000 करोड़ का एमओयू किया है। इससे पहले सीएम के साथ बैठक में रूफटॉप सोलर परियोजनाओं, बैटरी स्टोरेज, ग्रिड सपोर्ट सॉल्यूशंस, ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्वच्छ ऊर्जा संचालित ग्रीन इंडस्ट्रियल पार्कों के विकास पर चर्चा हुई।

### डायवर्जन बनी मुसीबत...

## सफर लंबा होने से छात्र और राहगीरों की राह मुश्किल

**गोरखपुर , एजेंसी।** रामजानकी मार्ग सिकरीगंज से धनघटा तक सोमवार को डायवर्जन होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि संबंधित विभाग को तब डायवर्जन करना चाहिए था। पहले से आने-जाने के लिए किसी मार्ग की वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। वर्तमान में सिर्फ बैरिकेडिंग ही किया गया है। पुल पर रिपेयरिंग से संबंधित अभी कोई कार्य नहीं किया जा रहा है।

सोमवार को शाम छह बजे के बाद सिकरीगंज स्थित कुआनो नदी के पुल के दोनों तरफ संबंधित विभाग की ओर से बैरिकेडिंग कर दिया गया। इस दौरान पुल के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुल के दोनों तरफ बैरिकेडिंग के चलते वाहन वापस जाते नजर आए।

इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के जेई आनंद प्रकाश ने बताया कि एनएचएआई की ओर से जो निर्देश दिया गया है उसका पालन किया जा रहा है। वैकल्पिक मार्ग के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

इस तरह से बैरिकेडिंग करना गलत है। बच्चों का बोर्ड परीक्षा चल रहा है। ऐसे में उन्हें किस रास्ते से ले जाया जाएगा, यह समझ में नहीं आ रहा है। सिकरीगंज आने के लिए बैजुनाथ के रास्ते बंधे से होते हुए सोपाइघाट लगभग 10 किलोमीटर की दूरी अधिक तय करनी पड़ेगी। विभाग को यह कार्य करने से पहले वैकल्पिक मार्ग की उचित व्यवस्था करनी चाहिए थी।

## स्कूल में फीस न जमा होने से रोके गए परीक्षार्थी, हंगामे के बाद कंट्रोल रूम से मिली अनुमति

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की मंगलवार को आयोजित बोर्ड परीक्षा के दौरान कई जिलों में फीस जमा न होने के कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा में बैठने से रोक दिए जाने के मामले सामने आए। लखनऊ स्थित राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम के हस्तक्षेप के बाद संबंधित केंद्रों को निर्देश दिए गए और विद्यार्थियों को परीक्षा देने की अनुमति मिल सकी। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम प्रभारी विवेक नौटियाल ने बताया कि बलरामपुर जिले में इंटरमीडिएट की छात्रा रिंकी को विद्यालय द्वारा फीस जमा न होने के कारण प्रवेश पत्र और परीक्षा की अनुमति नहीं दी जा रही थी। इसी तरह अमरोहा जिले के इंटरमीडिएट छात्र सहदेव को भी परीक्षा से रोका गया था। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए दोनों अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल कराने के निर्देश जारी किए। इसके अलावा सहारनपुर के एक परीक्षा केंद्र पर साधारण कलाई घड़ी पहनने के कारण एक अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था, जबकि एक अन्य छात्र को जैकेट पहनने पर रोका गया। कंट्रोल रूम से स्पष्ट निर्देश दिए गए कि नियमों के दायरे में रहते हुए किसी भी परीक्षार्थी को अनावश्यक रूप से परीक्षा से वंचित न किया जाए। परीक्षा की निष्पक्षता और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। गलत या भ्रामक सूचना प्रसारित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

## प्रदेश में बिजली कर्मचारियों के घर में जबरन घुसकर मीटर लगाने के आरोप, 26 फरवरी को होगा आंदोलन

**लखनऊ, एजेंसी।** विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों के घरों में जबरन स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाया जा रहा है। इसके जरिये बिजली कर्मियों को पूर्व से मिल रही रियायती बिजली सुविधा समाप्त की जा रही है। पदाधिकारियों ने कहा, यह सीएम के साथ हुए लिखित समझौते तथा उप्र पॉवर सेक्टर रिफॉर्म एक्ट का खुला उल्लंघन है। समिति ने कर्मचारियों के घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने के विरोध में सोमवार को सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया।

पदाधिकारियों ने बताया कि 25 जनवरी 2000 को तत्कालीन मुख्यमंत्री राम प्रकाश गुप्त के साथ हुए लिखित समझौता हुआ था कि बिजली कर्मियों को मिल रही रियायती बिजली की सुविधा मिलती रहेगी। इसी समझौते के आधार पर बनी ट्रांसफर स्कीम, 2000 में भी कर्मचारियों को पूर्ववत सुविधाएं जारी रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संघर्ष समिति ने एलान किया है कि 26 फरवरी को लखनऊ में होने वाली प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

**स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा भार-परिषद :** राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार डालने का आरोप लगाया है। कहा, यह वसूली कभी स्मार्ट प्रीपेड मीटर तो कभी ईंधन अधिभार के नाम पर हो रही है। भविष्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटर में तकनीक उन्नयन खर्च उपभोक्ताओं से लिया जाएगा या नहीं इस पर पॉवर कॉर्पोरेशन स्पष्टीकरण जारी करे। भविष्य में अगर कंपनियों ने इसका भार उपभोक्ताओं पर डाला तो हर माह 5 से 10 फीसदी अतिरिक्त बिजली बिल देना होगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2019 में स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत 2जी एवं 3जी तकनीक आधारित मीटरों से की गई थी। परिषद की आपत्ति के बाद विद्युत नियामक आयोग ने स्पष्ट किया था कि तकनीकी उन्नयन की जिम्मेदारी एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड की होगी। अब पहले से लगे करीब 12 हजार मीटरों को बदलने का खर्च संबंधित कंपनी नहीं उठा रही है बल्कि मीटरों को रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन स्कीम (आरडीएसएस) में बदला जा रहा है। अब तक आरडीएसएस योजना में 2.80 करोड़ उपभोक्ताओं के घरों में 4जी तकनीक आधारित स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं।

सवाल उठता है कि भविष्य में तकनीक बदलेगी तो क्या उसका खर्च उपभोक्ताओं पर ही डाला जाएगा? उन्होंने पॉवर कॉर्पोरेशन से इसका स्पष्टीकरण मांगा है। कहा, अगर बिजली कंपनियां नियामक आयोग से मीटर शुल्क को टैरिफ में शामिल करवा लेती हैं तो हर महीने उपभोक्ताओं को प्रति मीटर लगभग 100 रुपये से ज्यादा का भुगतान करना होगा। इससे साफ है कि स्मार्ट मीटर बदलने का खर्च सीधे उपभोक्ताओं से वसूला जाएगा। जबकि भारत सरकार ने स्पष्ट किया था कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर का खर्च आम जनता पर नहीं डाला जाएगा। अब कंपनियां दूसरे माध्यमों से इसका व्यय उपभोक्ताओं पर स्थानांतरित कर रही हैं।

## बदल रहे अमेरिकी टैरिफ से नए ऑर्डरों पर ब्रेक, 300 से लेकर 400 करोड़ के सौदे रूके: विशेषज्ञ

**कानपुर , एजेंसी।** ट्रंप सरकार ने भारत पर टैरिफ घटाकर 15 प्रतिशत तो किया है, लेकिन इसे मात्र 150 दिन के लिए लागू करने की शर्त से कानपुर के निर्यातकों में डर है। इस अनिश्चितता के कारण करोड़ों के सौदे रुक गए हैं और लेदर-टेक्सटाइल उद्योग में मंदी का खतरा बढ़ गया है।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ को असंवैधानिक बताने के बाद ट्रंप ने भारत पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान किया है। नई व्यवस्था मंगलवार से लागू हो रही है। यह केवल 150 दिन के लिए रहेगी। पूर्व में भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क था। सात फरवरी को ट्रंप ने 18 प्रतिशत शुल्क का ऐलान किया था। टैरिफ के लगातार बदल रहे नियमों से निर्यातक असमंजस में हैं। उनका कहना है कि हर दिन नई-नई घोषणा से नए सौदे रोक दिए हैं। द्विपक्षीय व्यापार समझौता होने के बाद ही स्थिरता आ सकेगी। लगभग 300 से 400 करोड़ के सौदे रोके गए हैं। निर्यातकों के मुताबिक नया आर्डर मिलने, सैंपल आने और कंसाइनमेंट अमेरिका को जाने में 40-50 दिन का वक्त लग जाता है। राष्ट्रपति की नई टैरिफ व्यवस्था 150 दिन के लिए ही है। ऐसे में तो बेहद कम कंसाइनमेंट वहां जा सकेंगे और 150 दिनों के बाद क्या होगी। यह भी स्पष्ट नहीं है। शहर के लिए अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है। अमेरिका को बीते तीन साल में निर्यात तेजी से बढ़ रहा था। शहर से 2500 करोड़ का निर्यात पिछले साल किया गया था। इसमें 1200-1300 करोड़ की अकेले हिस्सेदारी केवल चमड़ा कारोबार की थी, जबकि टेक्सटाइल, हैंडलूम उत्पादों की हिस्सेदारी का आंकड़ा 500-600 करोड़ था।

टैरिफ लगने के बाद से वहां की कंपनियों और खरीदारों ने ऑर्डर निरस्त कर दिए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले साल दो अप्रैल को भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जो नौ अप्रैल से प्रभावी होना था। हालांकि बाद में इसे 90 दिन तक स्थगित कर दिया गया। बाद में यह नौ जुलाई से प्रभावी किया जाना था फिर इसे 30 जुलाई तक बढ़ा दिया गया। एक अगस्त को रूस से तेल खरीदने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया, जो सात अगस्त से प्रभावी होना था।

## कुछ सेकंड में खाता हो जाता है खाली, साइबर ठगों का नया तरीका, मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी पुलिस

**आगरा, एजेंसी।** साइबर क्राइम पुलिस ने एपीके फाइल भेजकर लोगों के बैंक खाते खाली करने वाले गिरोह के सदस्य को तीन दिन की रिमांड पर लिया है, जबकि मास्टरमाइंड गोल्डी फरार है। जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम विदेश भेजकर क्रिप्टोकरेंसी में बदली जाती थी और गिरोह के तार तामताड़ा के साइबर अपराधियों से जुड़े हैं।

आगरा के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने एपीके फाइल भेजकर खातों को खाली करने वाले गिरोह के सदस्य देवेश यादव को कस्टडी रिमांड पर लिया है। उससे तीन दिन तक पुलिस पूछताछ करेगी। गिरोह से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। वहीं मास्टरमाइंड गोल्डी की गिरफ्तारी के लिए भी टीम लगी है।

थाना साइबर क्राइम पुलिस ने सागर, मध्य प्रदेश निवासी देवेश यादव और आशीष रजक को गिरफ्तार किया था। उनसे दो मोबाइल और दो डेबिट कार्ड बरामद किए गए थे। वह इंदौर के रहने वाले गोल्डी के लिए काम करते थे। दोनों ने उसे 80 बैंक खातों की चेकबुक, डेबिट कार्ड, सिम आदि उपलब्ध कराए थे। पुलिस की जांच में पता चला कि गोल्डी साइबर ठगी का गिरोह संचालित करता है। वह बिल्डर है। उसने एक ऑफिस बना रखा है।

इसमें कई युवकों को काम पर रखे हुए है। वह एपीके फाइल बनाते हैं। यह फाइल कई लोगों के मोबाइल पर भेजी जाती है। जब लोग एपीके फाइल को डाउनलोड करते हैं तो आरोपी मोबाइल हैक करके खातों को खाली कर देते हैं।

एडीसीपी क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि पुलिस को गोल्डी की तलाश है। वह घर से भाग गया है। आरोपी देवेश को तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। उससे गिरोह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उसकी मदद से आरोपी गोल्डी की भी गिरफ्तारी के प्रयास किए जाएंगे। यह पता किया जा रहा है कि गिरोह किस तरह रकम को विदेश भेजकर क्रिप्टोकरेंसी में बदलते थे। उनके तार तामताड़ा के साइबर ठगों से भी जुड़े हुए हैं।

## नदी-नहरों पर बने पुलों पर सुरक्षा की अनदेखी

**अलीगढ़ , एजेंसी।** नदी-नहरों पर बने पुल-पुलियों पर रेलिंग और बाउंड्री टूटी होने से हादसे थम नहीं रहे हैं। बिजौली में हरदोई रजबहा पर बिना रेलिंग के पुल से बरात की बस गिरने के अलावा जिले में कई स्थानों के बिना बाउंड्री के पुल हैं, जिसमें गोंडा में हाथरस ब्रांच नहर का पुल और सायफन पुल हादसों का कारण बने हुए हैं।

गोंडा संवाददाता के अनुसार खैर-टैंटी गांव मार्ग स्थित नगला बिरखू के समीप से हाथरस ब्रांच की नहर गुजर रही है, नहर पर बना पुल काफी पुराना है। वर्ष 2016 में मार्ग का चौड़ीकरण हुआ तो मार्ग सात मीटर चौड़ा हो गया परन्तु पुल की चौड़ाई करीब चार मीटर ही रही। नगला बिरखू की ओर से खैर जाने के दौरान पुल से पहले हल्का मोड़ है, वहां पुल संकरे होने का कोई संकेतक नहीं है। मोड़ से बढ़ते ही संकरा पुल पर आने वाले वाहन अनियंत्रित होते हैं या तो वह बाउंड्रीवॉल से टकराते हैं या नहर में गिर जाते हैं, जबकि यह मार्ग खैर क्षेत्र सहित, गोंडा के गांव के लोगों के लिए वृंदावन जाने के लिए सबसे मुफीद मार्ग है।

सायफन पुल पर भी होते हैं हादसे

क्षेत्र से गुजर रही करबन नदी और हाथरस ब्रांच नहर गांव तलेसरा और नयाबास के बीच में एक-दूसरे को क्रास रही हैं। अंग्रेजों के समय में करबन नदी के ऊपर से नहर को गुजारने के लिए सायफन पुल का निर्माण वर्ष 1911 में कराया गया था, पुल पर उस समय सुरक्षा के लिहाज से लोहे की रेलिंग लगी हुई थी। समय बीतने के साथ ही अवांछनीय तत्वों ने पुल से रेलिंग धीरे-धीरे गायब कर दी। वर्तमान में नहर की ओर पुल पर बाउंड्रीवॉल नाम मात्र को रह गई, जिसकी ऊंचाई एक फीट भी नहीं है जो नहर की ओर किसी को भी गिरने से रोकने में नाकाफी है।पुल के एक ओर नहर है दूसरी ओर करवन नदी। पुल के दोनों ओर पटरी मार्ग पर तीव्र मोड है, वाहन अगर तेज गति से पुल की ओर आए तो नहर में जाने का पूरा अंदेशा रहता है।

गोंडा। गांव नयाबास और तलेसरा के मध्य हाथरस ब्रांच नहर के सायफन पुल पर पुलिस के सिपाही की जान गए एक वर्ष से अधिक समय हो गया लेकिन जिम्मेदार विभाग इतना समय बीतने के बाद भी पुल पर यातायात सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर सका, जबकि घटना के तुरंत बाद सुरक्षा के इंतजाम करने को निवर्तमान सीओ इगलास राजीव द्विवेदी ने डीएम और एसपी-यातायात को पुल से पहले संकेतक लगवाने को पत्र भी लिखा था, लेकिन इसकी भी अनदेखी कर दी गई।

## 16 स्लीपर सीटों की थी अनुमति छेड़छाड़ कर बना दीं 43 सीटें

**लखनऊ, एजेंसी।** लखनऊ। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना का शिकार हुई डबल डेकर बस कागजों में फिट थी। फिटनेस से लेकर प्रदूषण तक सारे कागज मुकम्मल थे। लेकिन मौके पर बस की जांच में तमाम खामियां मिलीं। बस में 16 स्लीपर व 32 सिटिंग सीटों की क्षमता थी, लेकिन छेड़छाड़ कर 43 स्लीपर सीटें बना दी गई थीं। वहीं, सिटिंग सीटें सिर्फ नौ मिलीं। बस में 90 यात्री ठूंसे गए थे।

इमरजेंसी गेट के सामने भी सीट लगा दी गई थी, जिससे गेट बंद हो गया था। बस की छत पर भी अतिरिक्त लोहे के स्ट्रक्चर लगाए गए थे और लंबाई-चौड़ाई से भी छेड़छाड़ की गई थी। यह जानकारी मौके पर पहुंचे उप परिवहन आयुक्त राधेश्याम, आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पांडेय व एआरटीओ, प्रवर्तन आलोक कुमार यादव की जांच में सामने आई।

**होने चाहिए थे दो ड्राइवर :** लंबी दूरी की बसों में दो ड्राइवरों के होने का नियम है, लेकिन इसमें सिर्फ एक ही ड्राइवर था। जिसे पंजाब से बिहार तक पूरी 1360 किमी की दूरी तय करनी थी। मानकों के अनुसार 4.5 घंटे ड्राइविंग के बाद कम से कम पौन घंटे का ब्रेक लेना चाहिए। 14 घंटे की ड्यूटी के दौरान तीन घंटे आराम जरूरी है। इसका पालन नहीं हो रहा था।

**कागजों में पूरी तरह फिट थी डबल डेकर बस :** डबल डेकर बस गुरुग्राम हरियाणा में प्रदीप कुमार के नाम पंजीकृत थी। बस संख्या एचएआर 55 एएफ 1323 की उम्र छह साल व आठ महीने ही थी। भारत स्टेज चार श्रेणी की बस का पंजीकरण 3 जून, 2019 को हुआ था। फिटनेस 27 अगस्त 2027 को पूरी हो रही है। टैक्स इस वर्ष 28 फरवरी और इंश्योरेंस 27 अगस्त तक मान्य है। परमिट 3 जून, 2029 तक और पॉल्यूशन पीयूसीसी 11 फरवरी 2027 तक का है। आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पांडेय ने बताया कि कागजातों के लिहाज से बस फिट थी। परमिट, इंश्योरेंस, टैक्स, पॉल्यूशन आदि पूरे थे।

**67 चालान के साथ दौड़ रही थी :** डबल डेकर बस पर कुल 67 चालान हुए हैं। जिन्हें जमा नहीं किया गया। इतने चालान होने के बावजूद बस सड़क पर दौड़ रही थी। इस बीच 50 से अधिक आरटीओ, एआरटीओ के क्षेत्रों से बस गुजरी थी। न पुलिस, न ट्रैफिक और न ही परिवहन विभाग की ओर से बस के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई।

**आज होगी तकनीकी जांच :** बस की तकनीकी जांच मंगलवार को की जाएगी। आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पांडेय ने बताया कि बस के ब्रेक, पहियों, टायर, वायरिंग सहित अन्य तकनीकी जांच आरआई टेक्निकल की ओर से की जाएगी। उनकी रिपोर्ट आने पर ही बस की तकनीकी स्थिति सामने आ सकेगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर पर टॉयलेट की दिक्कत, 45 मिनट तक लाइन में लग रहे सैनिक

**तेल अवीव।** ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर USS जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टॉयलेट बंद हो चुके हैं। इससे 4,500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टॉयलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टॉयलेट सिस्टम बंद हो जाता है।

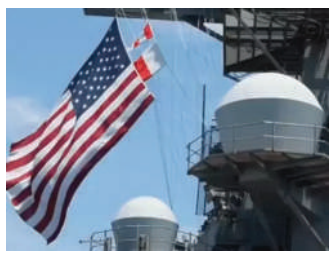

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टॉयलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी। USS जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार ऑपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डॉलर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर को 2017 में कमीशन किया गया था।

### मेक्सिको- गर्लफ्रेंड का पीछा कर ड्रग माफिया तक पहुंची सेना, एल मेंचो की मौत से 20 राज्यों में हिंसा

**नई दिल्ली।** मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी। एल मेंचो की मौत के बाद सोमवार को भी हिंसक प्रदर्शन हुए। BBC के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लॉक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुईं हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और रॉकेट लॉन्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। सेना के ऑपरेशन के दौरान एल मेंचो घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए। ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है।

### एआई समिट हंगामा- उदय भानु 4 दिन हिरासत में

**नई दिल्ली।** AI इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें आज सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी। इधर AI समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई। चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है। राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' साथियों पर गर्व, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर AI समिट के दौरान शर्टलैस होकर PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

### स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, दिल्ली से लेह जा रही थी, 150 यात्री सवार थे

**नई दिल्ली।** एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट SG-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली के ही आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए उड़ान भरी थी। कुछ देर बाद प्लेन के इंजन-2 में खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने प्लेन वापस दिल्ली की ओर मोड़ लिया। फ्लाइट की 6.49 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 150 यात्री-क्रू सवार थे। घटना पर एयरलाइन ने कहा है कि फ्लाइट की सेफ लैंडिंग हुई है। कॉकपिट में किसी तरह की आग का अलर्ट नहीं मिला था। सभी यात्री सुरक्षित हैं। लंदन से हैदराबाद जा रही ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट को खराब मौसम के कारण मंगलवार सुबह नागपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया है। एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि यह फ्लाइट लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से रवाना हुई थी और सुबह करीब 5.30 बजे नागपुर में लैंड हुई। हैदराबाद में खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण विमान को नागपुर भेजा गया। विमान को तकनीकी कारणों से नागपुर एयरपोर्ट पर ही रोका गया है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति की जांच की जा रही है।

### राजस्थान में दिन का तापमान 35° पहुंचा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा में बारिश-ओलावृष्टि

**नई दिल्ली/देहरादून/भोपाल/रायपुर/चंडीगढ़।** राजस्थान में फरवरी में ही तेज गर्मी का असर दिखने लगा है। दिन का तापमान 35°C तक पहुंचा है। यहां बाढ़मेर का तापमान इतना रहा। 20 से ज्यादा शहरों का तापमान 30°C या इससे ज्यादा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिन में अधिकतम तापमान में 2°C से 3°C की बढ़ोतरी हो सकती है। राज्य में मिनिमम टेम्परेचर 16°C के आस-पास है। इधर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा में बारिश और ओलावृष्टि का असर है। MP में लो प्रेशर एरिया और दो ट्रफ के असर के चलते 10 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। इस दौरान शिवपुरी में ओलेवृष्टि भी हुई। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग में लगातार दूसरे दिन बर्फबारी हुई। इसके साथ ही चमोली के गोपेश्वर में बारिश हुई। 3 जिलों उत्तरकाशी, चमोली, और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट है। इनमें सोमवार को दिल्ली में मौसम सामान्य से ज्यादा गर्म रहा। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 30.5°C सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य तापमान से 5°C ज्यादा था। पालम का अधिकतम तापमान 28.6°C रहा।

# राहुल बोले-मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की

## पीएम पर एपस्टीन-अडाणी के केस का दबाव, भोपाल में कांग्रेस की किसान महाचौपाल

एजेंसी, भोपाल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की। उन पर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव है। इस वजह से उन्होंने हिंदुस्तान और किसानों का डेटा अमेरिका को बेच दिया। राहुल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बोल रहे थे। कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में किसान चौपाल बुलाई थी। इस दौरान राहुल ने कहा, हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। मैं चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहता था। राहुल ने कहा- मैंने लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की बात रखी थी, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि जब चीनी घुसपैठ हुई थी तो उन्हें हिंदुस्तान की सरकार ने अकेला छोड़ दिया।

राहुल ने कहा– हिंदुस्तान और अमरीका का समझौता चार महीने के लिए रुका हुआ था। ये कृषि के मामले पर रुका था। हिंदुस्तान की सरकार नहीं चाहती थी कि अमरीका की बड़ी–बड़ी कंपनियां, सोया, कपास, भुट्टा हिंदुस्तान

में बेच पाएं। हिंदुस्तान का कोई किसान और नेता नहीं चाहता। चार महीने चर्चा बंद पड़ी थी। मैंने भाषण दिया। उसमें मैं सिर्फ नरवणे की बात नहीं कहना चाहता था। दो–तीन चीजें और कहने वाला था। मेरा भाषण खत्म होते ही पीएम गए और बिना कैबिनेट से पूछे उसी दिन ट्रंप को फोन लगाया। ट्रंप ने ट्वीट किया है कि हिंदुस्तान के पीएम ने मुझे फोन किया और कह दिया कि यूएस इंडिया डील को मैं साइन करने को तैयार हूं।

**राहुल ने मोदी-ट्रंप डील के ये दो कारण बताए:** राहुल बोले– लोकसभा से नरेंद्र मोदी भागते हुए गए। आप गडकरी जी, शिवराज जी से पूछिए। क्या किसी से बात की उन्होंने। बिना कैबिनेट से पूछे हिंदुस्तान के किसानों को बेच दिया। हमारा सारा डेटा दे दिया। इसके दो कारण हैं...

**पहला:** अमेरिका में लाखों फाइल, एपस्टीन की फाइल बंद पड़ी हुई हैं। तीस लाख फाइल। उसमें ईमेल है। मैसेज हैं। वीडियो हैं। सबकुछ है। वो रिलीज नहीं हुई हैं। बंद पड़ी हैं। धमकाने के लिए हरदीप पुरी का नाम रिलीज किया है। ये मैसेज है कि भैया आपने हमारी बात सुनी नहीं तो फिर उन फाइलों में से माल निकलेगा। भाइयो–बहनों अनिल अंबानी मेरा मित्र नहीं है। नरेंद्र मोदी जी आप बताइए अनिल अंबानी से आपका रिश्ता क्या है? अनिल एपस्टीन फाइल में है।

**दूसरा:** मैं अभी गाड़ी में आ रहा था। देखा अडाणी आईसीसी, जहां भी देखो अडाणी। ये जो अडाणी है मामूली कंपनी नहीं है। ये बीजेपी का नरेंद्र मोदी का फाइनेंशियल स्ट्रक्चर है। दूसरी धमकी है कि अमरीका में अडाणी पर क्रिमनल केस है। अडाणी अमरीका नहीं जा सकते हैं। डरे हुए हैं कि मैं गया तो पकड़ लेंगे। दरअसल, उस केस का लक्ष्य अडाणी नहीं, नरेंद्र मोदी है। वो तीर अडाणी की तरफ नहीं, नरेंद्र मोदी की तरफ मारा जा रहा है।

# अंडमान में समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग, तकनीकी खराबी आई

एजेंसी, श्री विजयापुरम

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें 5 यात्री और 2 पायलट सवार थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और 5 यात्री घायल हुए हैं। सभी को मायाबंदर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केंद्र सरकार की हेलिकॉप्टर सेवा कंपनी पवन हंस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के बाद पोर्ट ब्लेयर से राहत हेलिकॉप्टर भेजा गया था। मामले की जांच कराई जा रही है। एक दिन पहले ही झारखंड के चतरा में एयर एंबुलेंस क्रैश में 7 लोगों की मौत हुई थी। प्लेन के दोनों पायलट भी मारे गए थे।

♦ पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार सभी 7 लोग सुरक्षित

**झारखंड: चतरा में प्लेन क्रैश, 7 की मौत:** 23 फरवरी की रात रांची से दिल्ली जा रही रेडबर्ड एयरवेज कंपनी की एयर एंबुलेंस झारखंड के चतरा में कसियातु जंगल में क्रैश हुई थी। घटना में प्लेन सवार सभी 7 लोगों की मौत हुई। एंबुलेंस ने शाम 7.11 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। 7:34 बजे कोलकाता एटीसी से संपर्क टूट गया। रात 8:05 बजे रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर एक्टिव किया गया। मरने वालों में प्लेन के दोनों पायलट कैप्टन विवेक, कैप्टन सबराजदीप, मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना देवी, भगीना ध्रुव कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता, एक पैरामेडिक सचिन कुमार मिश्रा शामिल हैं।

# पिता को मारकर शव के टुकड़े नीले ड्रम में छिपाए

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ में वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को आरी से काटकर टुकड़े नीले ड्रम में भर दिए। सिर को काटकर कार में रखा और घरसे 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा।

पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े

बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह NEET क्वालीफाई करके MBBS करे। वह इस बात पर अड़ा था कि MBBS के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा। इसी बात को लेकर 20 फरवरी को पिता से बहस हुई। गुस्से में उसने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी। वारदात आशियाना कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-L की है।

# अमेरिका का दावा-चीन ने 2020 में छिपकर न्यूक्लियर टेस्ट किया, 6 साल में 400 परमाणु हथियार बनाए

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि चीन ने छह साल पहले 2020 में एक सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट किया था। अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने सोमवार को कहा कि 22 जून 2020 को चीन के पश्चिमी इलाके में स्थित लोप नूर में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट सेंटर पर एक विस्फोट हुआ था। यह विस्फोट 2.75 तीव्रता का था, जिसकी जानकारी पड़ोसी देश कजाकिस्तान के स्टेशन से मिली। येव ने इसे एक परमाणु विस्फोट बताया। उन्होंने कहा कि भूकंप माइनिंग विस्फोट से अलग थे। यह एक सिंगल फायर एक्सप्लोजन की तरह था, जो परमाणु परीक्षण की निशानी है। येव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर अपनी परमाणु ताकत बढ़ाई है। उन्होने बताया कि 2020 से अब तक चीन के परमाणु हथियार 200 से बढ़कर 600 से ज्यादा हो गए हैं। अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 1,000 से ऊपर पहुंच जाएगी।

**अमेरिका का दावा- चीन अपने परमाणु जखीरे का विस्तार कर रहा:** यह दावा ऐसे समय में आया है जब इस महीने अमेरिका और रूस के बीच का आखिरी बड़ा परमाणु समझौता न्यू स्टार्ट संधि खत्म हो गया है। इस संधि के खत्म होने के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं हट गई हैं, जिससे नए न्यूक्लियर हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका अब चीन और रूस से पारदर्शिता और खतरनाक हथियारों को सीमित करने की मांग कर रहा है, जबकि चीन इन आरोपों को बेबुनियाद बता रहा है। येव ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित निरस्त्रीकरण (हथियारों का त्याग) कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू स्टार्ट समझौते की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें चीन के तेजी से बढ़ते और गोपनीय

♦ 2030 तक 1000 से ज्यादा होंगे परमाणु कार्यक्रम को शामिल नहीं किया गया।

**अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा समझौता चाहते हैं ट्रम्प:** पिछले कुछ सालों में परमाणु हथियारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विवाद हुए हैं। 2010 में अमेरिका और रूस ने न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती थी। इस संधि के तहत दोनों देशों को अपने परमाणु वारहेड्स को 1,550 तक सीमित रखना था और मिसाइलों और बॉम्बर्स की संख्या पर भी पाबंदी थी। इस संधि में रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों, जैसे छोटी दूरी के हथियारों को शामिल नहीं किया गया था। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा परमाणु समझौते की कोशिश की थी, लेकिन यह असफल रही। ट्रम्प ने 2020 में अमेरिका के परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने की बात भी कही थी, हालांकि बाद में स्पष्ट किया गया कि इसमें विस्फोटक परीक्षण नहीं होंगे। 1992 के बाद अमेरिका ने कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है।

# ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था। अमेरिकी US कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (CPB) ने एक बयान में कहा- 1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके कार्गो सिस्टम से हटा दिए जाएंगे। पेन व्हार्टन बजट मॉडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को

175 अरब डॉलर (15.75 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है। रॉयटर्स के मुताबिक, IEEPA के तहत लगाए गए टैरिफ से अमेरिका की हर दिन 50 करोड़ डॉलर (4,500 करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई हो रही थी। अब इन्हें रद्द किए जाने के बाद कंपनियां रिफंड की मांग कर सकती हैं।

**ट्रम्प बोले- कई देशों ने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया:** ट्रूथ सोशल पर ट्रम्प ने कहा, 'कई देशों ने अमेरिका को व्यापार में बरसों तक नुकसान पहुंचाया है।' ट्रम्प का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मंगलवार से भारत समेत सभी देशों पर 15% टैरिफ शुरू हो जाएगा। दरअसल, कुछ देश 15% टैरिफ का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों से ट्रेड डील कर 10% अमेरिकी

❐ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी, कहा- गेम मत खेलो, ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

बेस लाइन टैरिफ चुकाने पर सहमति जताई थी। अब 15% टैरिफ चुकाना पड़ेगा। इन देशों का कहना है कि ट्रेड डील में जब 10% टैरिफ पर करार हुआ है तो वे ज्यादा टैरिफ नहीं चुकाएंगे। इस पर ट्रम्प प्रशासन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

**ट्रम्प बोले- सुप्रीम कोर्ट ने मुझे पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए:** राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद सोमवार को कहा कि इस फैसले से उल्टा उनकी ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनजाने में उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए हैं। ट्रम्प ने कहा, 'मैं कुछ समय तक 'सुप्रीम कोर्ट' स्माल लेटर में लिखूंगा, क्योंकि मुझे इस फैसले का सम्मान नहीं रहा।' उन्होंने फैसले को मूर्खतापूर्ण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांटने वाला बताया। इसके बावजूद ट्रम्प का कहना है कि इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि वह दूसरे कानूनों के तहत टैरिफ लगाने की अपनी ताकत का और ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने बाकी बचे टैरिफ को कानूनीतौर पर मजबूत कर दिया है और अब वह उन्हें और ज्यादा सख्त तरीके से लागू कर सकते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह लाइसेंस जैसे तरीकों का इस्तेमाल करके देशों के खिलाफ कड़े कदम उठा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि कोर्ट ने बाकी सभी टैरिफ को मंजूरी दे दी है और ऐसे टैरिफ की संख्या काफी ज्यादा है।यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तीन दिन से ज्यादा समय बाद लागू किया जा रहा है। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि इन तीन दिनों में टैरिफ क्यों वसूले जाते रहे। यह भी साफ नहीं किया गया है कि जिन लोगों से पैसा लिया गया है, उन्हें वह वापस मिलेगा या नहीं। यह आदेश सिर्फ IEEPA कानून के तहत लगाए गए टैरिफ पर लागू होगा। जबकि नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर 'सेक्शन 232' के तहत और अनफेयर ट्रेड केस के 'सेक्शन 301' के तहत लगाए गए टैरिफ जारी रहेंगे और उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा।

# मप्र कृषि उत्पादन में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल, खाद्यान्न-दलहन और तिलहन उत्पादन में अग्रणी

एजेंसी, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश ने कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार राज्य खाद्यान्न, दलहन तथ तिलहन फसलों के उत्पादन में शीर्ष तीन राज्यों में शामिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि मध्य प्रदेश ने कुल खाद्यान्न उत्पादन में 46.63 मिलियन टन उत्पादन के साथ देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जो राष्ट्रीय उत्पादन का लगभग 13.04 प्रतिशत है। राज्य कुल दलहन फसल उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर हैं। तिलहन फसलों के उत्पादन में देश में दूसरा स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कृषकों की आय को बढ़ाने एवं उनके समग्र कल्याण के उद्देश्य से वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। गेहूं उत्पादन में राज्य ने 24.51 मिलियन टन उत्पादन किया और लगभग 20.78 प्रतिशत

हिस्सेदारी के साथ देश में दूसरा स्थान हासिल किया। राज्य मक्का उत्पादन में भी अग्रणी रहा, 6.64 मिलियन टन उत्पादन के साथ मध्य प्रदेश का राष्ट्रीय हिस्सेदारी में लगभग 15.30 प्रतिशत योगदान रहा, जिससे यह देश का प्रमुख उत्पादक राज्य बना। मोटे अनाज (न्यूट्री/कोर्स सीरियल्स) के उत्पादन में भी राज्य ने 7.78 मिलियन टन उत्पादन करते हुए लगभग 12.17 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की और देश में तृतीय स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दलहन क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल दलहन उत्पादन में 5.24 मिलियन टन उत्पादन किया और 20.40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश में पहला स्थान प्राप्त किया। चना उत्पादन में राज्य 2.11 मिलियन टन उत्पादन और लगभग 19.01 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष तीन राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा।

# पश्चिम बंगाल एसआईआर-ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन में मदद

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए 2 राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट SIR प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के सिविल जजों की मदद ले सकता है। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल SIR लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस आगे बढ़ता है तो पोल पैनल सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी कर सकता है। इससे पहले 20 फरवरी को, पश्चिम बंगाल सरकार और EC के बीच चल रही खींचतान से निराश होकर कोर्ट ने SIR प्रोसेस में पोल पैनल की मदद के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जजों को तैनात करने का निर्देश जारी किया था।

**कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था- क्लेम से निपटने में 80 दिन लग सकते हैं :** कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम

कोर्ट को लिखे लेटर में बताया था कि 80 लाख लोगों के क्लेम से निपटने के लिए 250 डिस्ट्रिक्ट जजों को 80 दिन लग सकते हैं। इस पर एक्शन लेते हुए CJI ने सिविल जजों की मदद लेने की परमिशन दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा कि वे झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के ज्यूडिशियल ऑफिसर भेजने की मांग रख सकते हैं। बेंच ने कहा कि इन ऑफिसरों का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा। राज्य में SIR प्रक्रिया के दौरान लिस्ट में से हटाए गए 80 लाख दावों में माता-पिता के

♦ सुप्रीम कोर्ट बोला- इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए, 80 लाख दावों का निपटारा बाकी

नाम, वोटर और उसके माता-पिता के बीच उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना शामिल है।

**सुप्रीम कोर्ट ने किया अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल:** सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पूरी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए आदेश जारी किया कि बंगाल में सप्लीमेंट्री इलेक्टोरल रोल में वोटरों को फाइनल लिस्ट में शामिल माना जाएगा। यह शक्तियां कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली हैं। यह अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को विशेष शक्ति देता है कि वह पूर्ण न्याय के लिए जरूरी आदेश या डिक्री जारी कर सके। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले में ऐसा आदेश दे सकता है जो पूर्ण न्याय के लिए जरूरी हो। वह आदेश पूरे भारत में लागू होगा। हालांकि यह शक्तियां असीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट संविधान और मौलिक अधिकारों के खिलाफ आदेश नहीं दे सकता। संसद के बनाए कानूनों का उल्लंघन नहीं कर सकता।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/



# अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू

भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं। कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

# टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

एजेंसी, कोलंबो

मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है। सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते

दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।' पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे। दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:**

**श्रीलंका:** दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

**न्यूजीलैंड:** मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

## सितंबर में फिर आमने-सामने होंगे फ्लॉयड मेवेदर और मैनी पैकियाओ, लास वेगास के स्फीयर में ऐतिहासिक रीमैच

एजेंसी, लॉस एंजिलिस

दिग्गज मुक्केबाज़ फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ ने अपने चर्चित 2015 मुकाबले के रीमैच पर सहमति जता दी है। दोनों महान खिलाड़ी 19 सितंबर को लास वेगास में एक बार फिर आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला लास वेगास के अत्याधुनिक वेन्यू स्फीयर में आयोजित किया जाएगा और इसे नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। करीब 49 वर्ष के मेवेदर ने हाल ही में नौ साल के प्रतिस्पर्धी संन्यास को समाप्त करने की घोषणा की थी। वहीं 47 वर्षीय पैकियाओ भी चार साल के अंतराल के बाद दोबारा रिंग में लौटे हैं। दोनों मुक्केबाज़ों ने अभी तक रीमैच के लिए वज़न वर्ग और राउंड की संख्या की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि 2015 में हुए उनके पहले मुकाबले में मेवेदर ने निर्णायक जीत दर्ज की थी।

हालांकि वह मुकाबला लंबे समय से बनी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया, लेकिन कमाई के मामले में उसने पे-पर-व्यू के कई रिकॉर्ड तोड़े थे और वैश्विक स्तर पर भारी चर्चा बटोरी थी। मेवेदर ने बयान में कहा कि नतीजा पहले जैसा ही रहेगा, जबकि पैकियाओ ने दावा किया कि पिछली बार वह चोट के बावजूद लड़े थे और इस बार प्रशंसकों को बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ी अपने करियर के चरम से आगे निकल चुके हैं, लेकिन लोकप्रियता के मामले में आज भी दुनिया के सबसे बड़े नामों में गिने जाते हैं। ऐसे में सितंबर में होने वाला यह रीमैच बॉक्सिंग जगत की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक माना जा रहा है।

## धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

एजेंसी, रांची

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक्स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे

भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है।इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स्टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

## प्रीमियर लीगः सुपर सब बेंजामिन सेस्को के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 1-0 से हराया

एजेंसी, लिवरपूल

प्रीमियर लीग 2025-26 में सोमवार को खेले गए मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एवर्टन को 1-0 से हराकर महत्वपूर्ण तीन अंक हासिल किए। जीत के नायक एक बार फिर सुपर सब बेंजामिन सेस्को बने, जिन्होंने मैदान पर उतरने के 13 मिनट बाद निर्णायक गोल दागा। सेस्को ने पिछले चार मैचों में तीसरी बार बेंच से आकर गोल किया और टीम को अहम अंक दिलाए। मैच के 71वें मिनट में उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड के पार पहुंचाया। यह गोल पूरे मैच का सबसे बेहतरीन मूव था। हमले की शुरुआत मैथियस कुन्हा की लंबी पास से हुई, जिसे ब्रायन म्बेउमो ने बेहतरीन तरीके से कंट्रोल किया और सटीक पास सेस्को को दिया। सेस्को ने बिना गलती किए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अंतरिम कोच माइकल कैरिक ने गोल की तारीफ

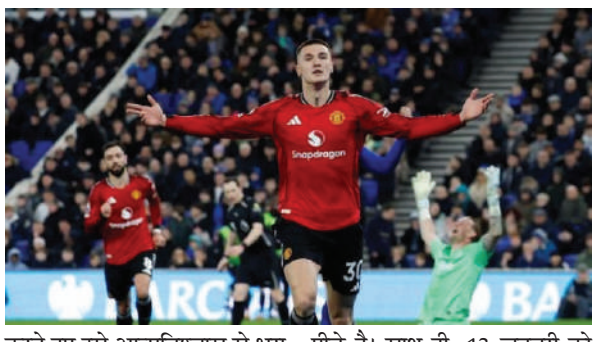

करते हुए इसे आत्मविश्वास से भरा और निर्णायक फिनिश बताया। मैच का अधिकांश समय दोनों टीमों की डिफेंस हावी रही। भारी पिच के कारण खेल की रफ्तार धीमी रही और आक्रमण में धार कम नजर आई। हालांकि यूनाइटेड ने जवाबी हमले में अपनी ताकत दिखाई और एकमात्र मौके को गोल में बदल दिया। इस जीत के साथ चौथे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड ने चेल्सी और लिवरपूल पर तीन अंकों की बढ़त बना ली है। टीम अब एस्टन विला से तीन अंक पीछे है। साथ ही, 13 जनवरी को रुबेन अमोरिम की जगह जिम्मेदारी संभालने वाले कैरिक की टीम लगातार छह मैचों से अजेय है। वहीं एवर्टन के लिए यह हार यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को झटका है। टीम नौवें स्थान पर खिसक गई है और चेल्सी व लिवरपूल से आठ अंक पीछे हो गई है। कोच डेविड मोयेस ने कहा कि उनकी टीम ने अच्छा प्रयास किया, लेकिन जवाबी हमले में गोल खा बैठी और गुणवत्ता की कमी के कारण मौके भुना नहीं सकी।

## संक्षिप्त

### तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

**चेन्नई।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे। अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, "अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।" श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

### T20 विश्व कप 2026: हेटमायर के 85 और मोती के 4 विकेट से वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदा

एजेंसी, मुंबई

शिमरॉन हेटमेयर की तूफानी 34 गेंदों में 85 रन की पारी और गुडाकेश मोती के चार विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया।

**हेटमायर की रिकॉर्डतोड़ पारी-** स्पिन को मदद दे रही पिच पर हेटमायर ने सात चौके और सात छक्के जड़ते हुए 34 गेंदों में 85 रन ठोक दिए। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 254/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस टूर्नामेंट का सर्वोच्च और टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। नंबर-2 पर बल्लेबाजी करते हुए हेटमायर ने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर वेस्टइंडीज के लिए टी20 विश्व कप का सबसे तेज पचासा जड़ा। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रिस गेल (23 गेंद, 2009) के नाम था। हेटमायर ने कप्तान रोवमन पॉवेल (35 गेंद में 59 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। दोनों ने सिर्फ 45 गेंदों में 100 रन जोड़कर मैच पूरी तरह एकतरफा बना दिया।

**लक्ष्य के दबाव में बिखरा जिम्बाब्वे-** 255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम तीसरे ओवर में

20/3 पर सिमट गई। कप्तान सिकंदर रजा ने 20 गेंदों में 27 रन बनाकर संघर्ष किया, जबकि ब्रैड इवांस ने 21 गेंदों में 43 रन की आक्रामक पारी खेली। इसके बावजूद रन रेट का दबाव बहुत ज्यादा था और पूरी टीम 17.4 ओवर में 147 रन पर ढेर हो गई। लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराने वाली जिम्बाब्वे के लिए यह करारा झटका रहा।

**मोटी और होसैन की घातक गेंदबाजी-** गेंदबाजी में गुडाकेश मोटी ने 4/28 के शानदार आंकड़े दर्ज किए। अकील होसैन (3/28) और मैथ्यू फोर्ड (2/27) ने बेहतरीन साथ दिया।

इस बड़ी जीत से वेस्टइंडीज का नेट रन रेट +5 से ऊपर पहुंच गया है, जिससे सेमीफाइनल की दौड़ और रोमांचक हो गई है। हालांकि यह मुकाबला पूरी तरह हेटमायर के नाम रहा, जिनकी विस्फोटक पारी ने वेस्टइंडीज को खिताब की प्रबल दावेदारों में ला खड़ा किया है।

## प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव में खिताब का सूखा खत्म करने उतरेंगे डी. गुकेश

एजेंसी, प्राग (चेक गणराज्य)

विश्व चैंपियन डी. गुकेश बुधवार से शुरू हो रहे प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव में भारत की चुनौती की अगुवाई करते हुए 2026 में अपनी पहली बड़ी सफलता हासिल करने की उम्मीद के साथ उतरेंगे। विश्व कप में शुरुआती बाहर होने और टाटा स्टील मास्टर्स में साधारण प्रदर्शन के बाद गुकेश इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में वापसी की राह तलाशेंगे। युवा लेकिन बेहद प्रतिस्पर्धी फील्ड में दूसरी वरीयता प्राप्त गुकेश के सामने शीर्ष वरीय जर्मनी के विन्सेंट कीमर और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव जैसी मजबूत चुनौतियां होंगी। हालिया प्रतियोगिताओं के नतीजों को देखें तो कीमर और अब्दुसत्तोरोव का प्रदर्शन गुकेश से बेहतर रहा है। लाइव रेटिंग में कीमर चौथे स्थान पर हैं, उनके ठीक पीछे अब्दुसत्तोरोव हैं, जबकि गुकेश 10वें स्थान पर

रहते हुए शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। कुछ समय पहले तक शीर्ष-10 में तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन अर्जुन एरिगैसी और आर. प्रज्ञानानंदा की रैंकिंग में हालिया गिरावट के बाद गुकेश लाइव रेटिंग में भारत के नए नंबर-एक बन गए हैं। हालांकि वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन निरंतर रहा है। गुकेश के साथ भारत की ओर से गत चैंपियन अरविंद चितंबरम भी मास्टर्स वर्ग में हिस्सा लेंगे। चेन्नई के इस खिलाड़ी को इसी टूर्नामेंट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान दिलाई थी। सातवीं वरीयता प्राप्त चितंबरम टाटा स्टील प्रतियोगिता में औसत प्रदर्शन के बाद फिर से 2700 रेटिंग क्लब में वापसी की कोशिश करेंगे, हालांकि उनके सामने खिताब बचाने की कड़ी चुनौती होगी। अब्दुसत्तोरोव, जो टाटा स्टील मास्टर्स का पहला खिताब जीतकर आ रहे हैं, यहां भी खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। वहीं कीमर भी सभी प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हैं। अमेरिका के हांस नीमन भी उलटफेर करने की क्षमता रखते हैं। ईरान के परहम मगसूदलू शीर्ष स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश करेंगे, जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट मजबूत टूर्नामेंटों में कम भागीदारी के बावजूद निरंतरता के लिए जाने जाते हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुब्बोएव स्पेन के डेविड एंतोन गुइहारो और मेजबान देश के स्टार खिलाड़ी डेविड नवार्रा 10 खिलाड़ियों की नौ दौर की मास्टर्स प्रतियोगिता को पूरा करते हैं। चैलेंजर्स वर्ग में भारत की ओर से अनुभवी ग्रैंडमास्टर सूर्य शेखर गांगुली के साथ महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख चुनौती पेश करेंगी। इस वर्ग में हंगरी के बेंजामिन ग्लेदुरा शीर्ष वरीय हैं, जबकि डेनमार्क के जोनास बुल बियरे दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। नौ दौर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सभी की निगाहें गुकेश पर टिकी होंगी, जो नए साल में अपनी पहली बड़ी जीत दर्ज कर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे।

## डिफेंडर जर्मनप्रीत सिंह ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के विश्वसनीय डिफेंडर जर्मनप्रीत सिंह को भारत के लिए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच (कैप) पूरे करने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट चरण में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के तीसरे मुकाबले में स्पेन के खिलाफ मैदान पर उतरते ही हासिल की। पंजाब के अमृतसर जिले के राजधान गांव से ताल्लुक रखने वाले जर्मनप्रीत सिंह ने अपनी सजग रक्षण कला, संयम और खेल की समझ के दम पर भारतीय टीम में खुद को एक मजबूत स्तंभ के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने 2018 में नीदरलैंड में आयोजित पुरुष हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, जहां भारत उपविजेता रहा था। यहीं से उनके सफल अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत हुई। उनके करियर का एक स्वर्णिम क्षण तब आया जब उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका

निभाई। यह उपलब्धि भारतीय हॉकी के इतिहास में विशेष मानी जाती है और इससे टीम में उनकी अहमियत और मजबूत हुई। जर्मनप्रीत सिंह कई बड़ी सफलताओं का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने मस्कट (ओमान) में आयोजित पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में योगदान दिया, जबकि ढाका (बांग्लादेश) में आयोजित इसी प्रतियोगिता में भारत के तीसरे स्थान पर रहने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अलावा वह बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी रहे। हाल के वर्षों में उन्होंने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक, चेन्नई 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, चीन 2024 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और राजगीर (बिहार) 2025 पुरुष हॉकी एशिया कप में भी भारत की विजयी मुहिम का हिस्सा बनकर अपनी निरंतरता साबित की है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने जर्मनप्रीत को बधाई देते हुए कहा कि 150 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करना उनके समर्पण, अनुशासन और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जर्मनप्रीत टीम की रक्षण पंक्ति में स्थिरता और आत्मविश्वास लाते हैं और भविष्य में भी उनसे ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि जर्मनप्रीत की यात्रा खेल के उच्चतम स्तर पर उनके संघर्ष और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 150 कैप तक पहुंचना न केवल उनके लिए बल्कि भारतीय हॉकी के लिए भी गर्व का क्षण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह आगे भी भारतीय जर्सी में कई यादगार प्रदर्शन करेंगे।

## एआईयू ने डोप टेस्ट से भागने पर पूजा आत्माराम पर लगाया तीन साल का प्रतिबंध

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम पर एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने डोप टेस्ट से बचने के मामले में तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। एआईयू ने अपने विस्तृत फैसले में घटना का पूरा क्रम बताते हुए कहा कि खिलाड़ी ने परीक्षण की औपचारिक सूचना मिलने के बाद सैंपल देने से इनकार किया और चैपरॉन से बचकर भीड़ में भाग गईं। एआईयू के बयान के अनुसार, "एथलीट को रेस समाप्त होते ही डोपिंग कंट्रोल अधिकारी द्वारा मौखिक रूप से परीक्षण के लिए सूचित किया गया था, लेकिन उन्होंने डोपिंग कंट्रोल फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं किए। इसके बाद उन्हें चैपरॉन के साथ डोपिंग कंट्रोल

स्टेशन ले जाया जा रहा था, तभी वह अचानक विपरीत दिशा में भाग गईं और भीड़ में गायब हो गईं।" एआईयू ने आगे कहा, "चैपरॉन ने उनका पीछा किया, लेकिन भीड़ के कारण वह नजरों से ओझल हो गईं। इसके बाद डोपिंग कंट्रोल अधिकारी और रेस डायरेक्टर ने फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अंततः खिलाड़ी का सैंपल एकत्र नहीं किया जा सका।" 30 वर्षीय पूजा आत्माराम मुख्य रूप से 5000 मीटर और 10,000 मीटर स्पर्धाओं में हिस्सा लेती हैं। 23 नवंबर, 2025 को मुंबई में आयोजित इंडियन ऑयल डब्ल्यूएनसी नेवी हाफ मैराथन जीतने के बाद उन्हें डोप टेस्ट के लिए चुना गया था। 3 फरवरी, 2026 को उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई। 9 फरवरी को पूजा आत्माराम ने एआईयू को लिखित माफी भेजी और 17 फरवरी को एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन स्वीकार करते हुए परिणामों को मानने का फॉर्म जमा किया। प्रारंभ में चार साल का प्रतिबंध प्रस्तावित था, लेकिन गलती स्वीकार करने और सहयोग करने के कारण एआईयू ने एक वर्ष की छूट देते हुए तीन साल का प्रतिबंध लगाया। यह निलंबन 3 फरवरी 2026 से प्रभावी होगा। साथ ही, 23 नवंबर 2025 और उसके बाद के उनके सभी परिणाम रद्द कर दिए गए हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



# मनाली-लेह मार्ग का भूत मंदिर यहां हर वाहन चालक चढ़ाता है पानी की बोतल

**मनाली-लेह मार्ग पर 16616 फीट की ऊंचाई पर स्थित लचुलुंगला के पास 22 मोड़ से गुजरने वाला हर वाहन चालक यहां के भूत मंदिर में पानी की एक बोतल जरूर चढ़ाता है। जो लोग पानी की बोतल नहीं चढ़ाते, उनके साथ अनहोनी हो जाती है। ऐसा हम नहीं गांव के लोग बताते हैं।**

इस जगह पर एक युवक की आत्मा दिन रात भटकती रहती है। यह आने जाने वाले हर वाहन चालक से बस पानी मांगती है। ऐसे दर्जनों लोग हैं जो इस आवाज को सुन भी चुके हैं। बिना पानी की बोतल चढ़ाए कोई यहां से आगे नहीं बढ़ता। लोग कहते हैं भूत इस मंदिर में मिनरल वाटर पीता है। बताया जाता है कि आठ वर्ष पहले एक ड्राइवर-कंडक्टर ट्रक लेकर लेह जा रहे थे। सरचू से तकरीबन 35 किलोमीटर लचुलुंगला के पास 22 मोड़ में वाहन गिर गया। कंडक्टर उसकी चपेट में आ गया। उधर, ड्राइवर घायल कंडक्टर को छोड़कर भाग गया। वहीं, कुछ लोग बताते हैं कि यह ड्राइवर दूर गांव में मदद के लिए गया मगर वापस लौटते काफी देर हो गई। उसी रात वहां से गुजर रहे एक अन्य ड्राइवर ने घायल कंडक्टर को देखा तो वह पानी के लिए चिल्ला रहा था।

जब तक वह पानी लाता उसकी मौत हो चुकी थी। बिना खाना पानी के उसे दर्दनाक मौत मिली थी। इसके बाद ही उसकी आत्मा यहां भटकने लगी। यहां से गुजरने वाले हर ड्राइवर-कंडक्टर को उसकी रूह का आभास होता और पानी-पानी चिल्लाने की आवाज सुनाई देती है। बताया जाता है कि कंडक्टर की लाश को यहीं पर दफना दिया था। इसके बाद ही यहां अचानक डरावनी घटनाएं घटने लगी। आते जाते ड्राइवरों को एक लड़के की आत्मा डराने लगी। यह लड़का भी लोगों को दिखने लगा था। यह आते जाते ड्राइवरों से खाने के लिए सामान मांगता था। जो लोग उसे यह नहीं देते थे वह किसी न किसी हादसे का शिकार होने लगे। बाद में यहां पर मंदिर बना लिया गया।

लाहौल के वयोवृद्ध इतिहासकार छेरिंग दोरजे ने बताया कि यह बात दस साल पहले की है। ट्रक ड्राइवर सुरेंद्र कुमार, राजू राम, नंद किशोर और भागसेन ने बताया कि उस मार्ग से गुजरते समय ड्राइवर-कंडक्टर वहां आत्मा के लिए पानी की बोतल छोड़ते हैं। एसआरटीसी केलांग डिपो के चालक रमेश लाल ने बताया कि कई ड्राइवर उन्हें बता चुके हैं उन्होंने उस आत्मा की चीख सुनी है जो पानी मांगती है। डर से ही सही यहां ड्राइवर पानी की बोतलें छोड़ते हैं।

## सऊदी में है दुनिया की सबसे बड़ी कांच की इमारत, गिनीज बुक में दर्ज है नाम, देखते ही चौंधिया जाएंगी आंखें!

दुनिया में एक से एक इमारतें हैं जो अपनी भव्यता और सुंदरता के लिए जानी जाती हैं। हर प्रसिद्ध इमारतों में कुछ न कुछ खास बात होती है। ऐसी ही एक इमारत सऊदी अरब में है जो कि पूरी कांच की बनी है। इस बिल्डिंग का नाम गिनीज वर्ल्ड बुक में दर्ज है। ये दुनिया की सबसे बड़ी कांच की इमारत है। ये इमारत सऊदी अरब के अलउला में स्थित है। इस बिल्डिंग का नाम माराया है। ये एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ दर्पण या प्रतिबिंब होता है। रिपोर्ट के अनुसार, यह इमारत 9,740 ग्लास पैनलों से बनी है, जो इमारत के 105,000 वर्ग फुट को कवर करता है. इस बिल्डिंग को वास्तुशिल्प का चमत्कार कहा जाता है. इसको रेत के टीलों, पहाड़ों को दर्शाते हुए, इसके आसपास के दृश्यों के साथ आसानी से घुलने-मिलने के लिए डिजाइन किया गया है.

### चार मंजिला ऊंची है ये बिल्डिंग

माराया को कॉन्सर्ट हॉल, इवेंट्स स्पेस और मनोरंजन स्थल के रूप में बनाया गया है. कॉन्सर्ट हॉल में 500 सीटें लगी हुई हैं. ऑपनिंग के बाद से, इस बिल्डिंग में एंड्रिया बोसेली, एलिसिया कीज़, अशर, एंगहम और माजिद अल मोहंदिस सहित कई स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकार अपना शो कर चुके हैं. यह बिल्डिंग चार मंजिला ऊंची है, जिसमें एंटरटेनमेंट वेन्यू, इवेंट, कॉन्फ्रेंस और डाइनिंग की सुविधाएं हैं. माराया कॉन्सर्ट हॉल, बड़ा ही अद्भुत बना हुआ है. यह 1777 वर्गमीटर का ऑडिटोरियम है, जिसमें 500 गेस्ट्स के बैठने की क्षमता है. वीआईपी बक्सों में अधिकतम 8 लोग बैठ सकते हैं और उपस्थित लोगों के पास अपना प्राइवेट बटलर होगा, जो प्रोग्राम के दौरान गेस्ट की सेवा करता है. इसके अलावा, कॉन्सर्ट हॉल के भीतर एक रॉयल सुइट भी है, जो रॉयल फैमिली के लोगों के लिए आरक्षित रहता है.

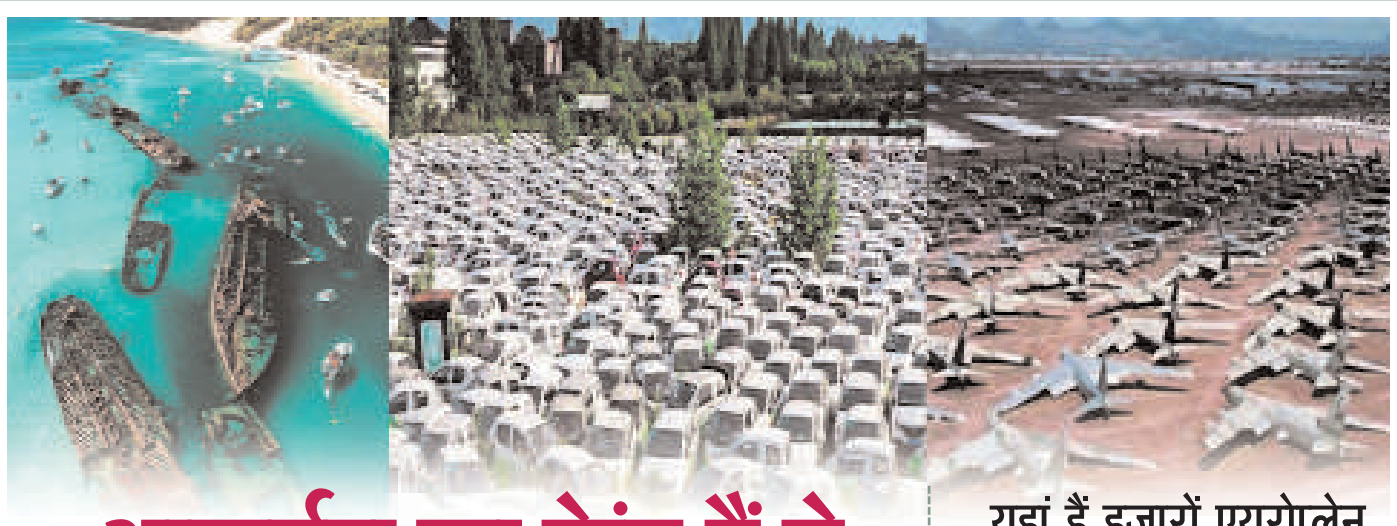

# आकर्षण का केंद्र हैं ये कबाड़खाने, कहीं हैं हजारों प्लेन तो कहीं सैकड़ों कारें

**दुनियाभर में यातायात के कई साधन हैं। कोई कार तो कोई ट्रेन, एयरोप्लेन और जहाज का इस्तेमाल आवागमन के लिए करता है। आज जानते हैं दुनिया की कुछ ऐसी जगहों के बारे में, जहां हजारों की संख्या में एयरोप्लेन और सैकड़ों कारें कबाड़ के रूप में पड़ी हुई हैं।**

### ऑस्ट्रेलिया में एक ही जगह डूबे हैं कई जहाज

ब्रिस्बेन शहर से 90 मिनट की दूरी पर टंगालूमा आइलैंड पर करीब 15 जहाज पानी में डूबे हुए हैं। ये जहाज 12 मीटर गहरे पानी में डूबे हैं। इन जहाजों को जहाज 1963 से 1980 के बीच समुद्र में योजना के तहत डुबोया गया है। इन जहाजों को डुबाकर छोटी नावों के लिए ब्रेक वॉल बनाई गई है। अब ये जगह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। टंगालूमा आइलैंड जहाज के मलबे को देखने के लिए स्नॉर्कलिंग टूर चलाता है। इसका एक व्यक्ति का किराया 4 हजार रुपए है। गर्मों के दिनों में यहां ज्यादा पर्यटक आते हैं।

### चीन में रखी हैं इलेक्ट्रिक कारें

चीन के हांगझू शहर के बाहर खुले मैदान में बहुत सारी इलेक्ट्रिक कारें रखी हुई हैं। इन कारों का नाम लाइफन-333 ईवी है। इन कारों की बिक्री 2015 में शुरू हुई थी। ये कारें एक बार चार्ज होने पर 150 किलोमीटर तक चल सकती थीं। लेकिन 2018 में चीन में एक के बाद एक इलेक्ट्रिक गाड़ियां लॉन्च होने लगीं। लेकिन उस समय लाइफन कंपनी दिवालिया घोषित हो गई थी। तभी से ये कारें इसी तरह मैदान में रखी हुई हैं।

### यहां हैं हजारों एयरोप्लेन और अंतरिक्ष यान

हवाई जहाजों का ये अनोखा कब्रिस्तान अमेरिका के एरिजोना में स्थित है. विमानों के इस कब्रिस्तान को डेविस मोंथान एयरफोर्स बेस के नाम से जाना जाता है. जहाजों के इस कब्रिस्तान में 4400 से भी ज्यादा छोटे और बड़े विमान धूल फांक रहे हैं. ये विमान अब किसी भी प्रकार की सेवाएं देने योग्य नही हैं.

हवाई जहाजों का ये अनोखा कब्रिस्तान अमेरिका के एरिजोना में स्थित है. विमानों के इस कब्रिस्तान को डेविस मोंथान एयरफोर्स बेस के नाम से जाना जाता है. जहाजों के इस कब्रिस्तान में 4400 से भी ज्यादा छोटे और बड़े विमान धूल फांक रहे हैं. ये विमान अब किसी भी प्रकार की सेवाएं देने योग्य नही हैं. दरअसल, डेविस मोंथान में केवल ऐसे जहाज लाकर खड़े किए जाते हैं जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है. इसके अलावा यहां खराब हो चुके विमान भी लाकर खड़े किए जाते हैं जो अब किसी भी प्रकार से सेवाएं देने योग्य नहीं होते. जिन जगहों पर ऐसे विमान खड़े किए जाते हैं, उन्हें एयरक्राफ्ट बोनयार्ड कहा जाता है. एरिजोना का डेविस मोंथान भी एक बोनयार्ड ही है.यहां आने वाले विमानों को तोड़कर योग्य पार्ट्स को निकाल लिया जाता है. इसके अलावा जो विमान मरम्मत करने लायक होते हैं, उन्हें ठीक भी किया जाता है. यहां आने वाले विमानों को तोड़कर योग्य पार्ट्स को निकाल लिया जाता है. इसके अलावा जो विमान मरम्मत करने लायक होते हैं, उन्हें ठीक भी किया जाता है. इस बोनयार्ड में नासा द्वारा इस्तेमाल किए गए जहाज भी खड़े हैं. आमतौर पर बोनयार्ड को आम लोगों के लिए बंद रखा जाता है लेकिन डेविस मोंथान को पब्लिक के लिए भी खोला जाता है.

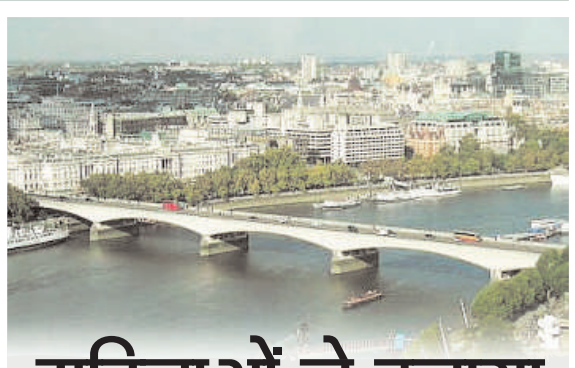

# महिलाओं ने बनाया था लंदन का मशहूर वाटरलू ब्रिज

**लंदन का मशहूर वाटरलू ब्रिज कई कारणों से जाना जाता है. इसके रोचक एतिहासिक तथ्य, इसका दो बार बनना, अनोखी सुंदरता के तौर पर पहचान, नाम में बदलाव, आदि जैसी कई बाते हैं जिनके लिए इसका जिक्र होता रह है. कहते हैं कि इसे दोबारा बनाना बहुत ही मुश्किल काम था और इसे बनाने में बहुत परेशानियां भी सामने आई थीं.**

लंदन में टेम्स नदी को पार करने वाला एक सड़क और पैदल यातायात पुल है, जो ब्लैकफियर्स ब्रिज और हंगरफ़ोर्ड ब्रिज और गोल्डन जुबली ब्रिज के बीच है. इसका नाम 1815 में वाटरलू की लड़ाई में ब्रिटिश, डच और प्रशिया की जीत की याद में रखा गया है. साधारण सा दिखने वाले इस पुल का ऐतिहासिक महत्व है और कई लिहाज से इसे यादगार माना जाता है. रोचक बात यह है कि शुरू में इस ब्रिज का नाम कुछ और ही था. वेस्टमिंस्टर और ब्लैकफ़ियर्स के बीच टेम्स पर इस पुल की योजना, खुद को स्ट्रैंड ब्रिज कंपनी कहने वाले एक समूह ने रखी थी. तब इसे स्ट्रैंड ब्रिज कहा जा रहा था. कम लोग जानते हैं कि पहले वाटरलू ब्रिज बनाने का मकसद पुल का उपयोग करने के लिए टोल वसूल कर अपने खर्चों की भरपाई करने का था. लेकिन यह मकसद पूरा नहीं हुआ क्योंकि जिस किसी को भी नदी पार करने की आवश्यकता होती थी, वह नए टोल ब्रिज के दोनों ओर ब्लैकफ़ियर्स या वेस्टमिंस्टर ब्रिज का उपयोग करता था और ये दोनों मुफ़्त थे. इसलिहाज से एक बुरा वित्तीय विचार साबित हुआ. आखिर 1877 में यह टोल मुक्त हो गया.

पहला वाटरलू ब्रिज एक वास्तुशिल्प लिहाज से बहुत ही सुंदर माना जाता था. जॉन रेनी के कॉर्निश ग्रेनाइट के नौ 120 फीट के अर्ध-अण्डाकार मेहराबों के डिजाइन की बहुत तारीफ की गई. इतालवी मूर्तिकार कैनोवा ने इसे दुनिया का सबसे महान पुलफ़ कहा था. इस पुल ने बहुत सारी पेंटिंग को प्रेरित किया था ज्यादातर लोग जानते हैं कि वाटरलू ब्रिज को लेडीज़ ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इसे युद्ध के दौरान ज्यादातर महिला कर्मचारियों ने बनाया था. नए वाटरलू ब्रिज का निर्माण 1939 में शुरू हुआ था, लेकिन कई कारणों से यह धीमा रहा. ऐतिहासिक इंग्लैंड बताता है कि इस पर काम करने वाले 500 पुरुषों में से 1941 तक सिर्फ़ 50 ही उपलब्ध थे. बाद में इसे महिलाओं ने बनाया और आज यह दुनिया का एकमात्र ऐसे पुल के रूप में जाना जाता है जिसे महिलाओं ने बनाया था.

वाटरलू ब्रिज ब्रिटेन की थेम्स नदी का एकमात्र पुल था जो द्वितीय विश्व युद्ध में नष्ट हो गया था.आज नदी को पार करने वाले इस ब्रिज को जाइल्स गिल्बर्ट स्कॉट ने डिजाइन किया था, स्कॉट एक इंजीनियर नहीं थे, और उनके डिजाइन वास्तव में लागू करना बहुत मुश्किल था. लेकिन उन्होंने इसे मैनेज किया, और वाटरलू ब्रिज मध्य लंदन में टेम्स पर पहला कंक्रीट पुल बन गया. पहले पुल की तरह यह भी, अपने सौंदर्य आदि के लिए जाना जाता है. वाटरलू ब्रिज का बाहरी हिस्सा इतना चमकदार और साफ दिखता है, और फिर भी इसका निचला हिस्सा गंदा और काला है. इसका कारण पोर्टलैंड स्टोन है. पोर्टलैंड स्टोन जब भी बारिश होती है, खुद को साफ कर लेता है. इसलिए इसे अलग से साफ करने की जरूरत नहीं पड़ती है. वहीं मूल वाटरलू ब्रिज के टुकड़े अभी भी मौजूद हैं. वाटरलू ब्रिज के खंभे पुराने पुल के ग्रेनाइट से बने हैं.

## ब्रिटेन का यंग म्यूजियम बना दुनिया का सबसे आनंदमय म्यूजियम

पूर्वी लंदन के बंधनल वीन स्थित यंग बी एंड ए ने प्रतिष्ठित म्यूजियम ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है। इसके लिए म्यूजियम को 1.3 करोड़ की राशि भी दो गई है। यह प्राइज हर साल कल्पना, नवाचार और उत्कृष्टता के क्षेत्र में कार्य करने वाले म्यूजियम को दिया जाता है। बचपन के नाम से जाना जाने वाले इस संग्रहालय का 139 करोड़ की लागत से नवीनीकरण किया गया था। इसे पिछले स्थल जुलाई में खोला गया। दोबारा खुलने के बाद पहले नी महीनों में संग्रहालय में 590,000 से अधिक आगंतुक पहुंचे हैं। 0 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए तैयार किए गए इस संग्रहालय में 2300 ईसा पूर्व से लेकर आज तक की 2,000 से ज्यादा वस्तुए प्रदर्शित हैं, जिन्हें तीन गैलेरी खेल, कल्पना और डिजाइन में प्रदर्शित किया गया है। म्यूजियम में एक ओपन डिजाइन स्टूडियो भी बनाया गया है। इसके अलावा बच्चों के लिए एक गेम डिजाइन स्थान और एक इंटरेक्टिव मानक्राफ्ट इंस्टॉलेशन को शामिल किया गया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 25 फरवरी, 2026

## महिलाओं से ऑर्डर लेने में पुरुषों को होती है दिक्कत

अभिनेता बरुण सोबती हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आए हैं। सीरीज में उनके काम को काफी पसंद किया गया है। अब अभिनेता ने इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर बन रही फिल्मों और काम पर बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं के अधिकार को लेकर पुरुषों की इनसिक्योरिटी को लेकर बात करते हुए इसे एक आम समस्या बताया है। बरुण ने 'कोहरा 2' को लेकर कहा कि सीरीज में दिखाया गया शक्ति समीकरण प्रोफेशनल जीवन में लोगों की असल सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस परिवार में पले-बढ़े हैं। लेकिन हां, यह एक आम धारणा है और हम इसे नकार नहीं सकते। स्पष्ट है कि पुरुषों को मजबूत महिलाओं से परेशानी होती है। उनसे आदेश लेना आज भी एक बड़ी बात है। यहां तक कि जब कोई महिला किसी बहस में अपनी बात मजबूती से रखती है, तो मैंने पुरुषों को असहज होते देखा है। मैं सभी पुरुषों की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा ही होता है। अपने करियर में ओटीटी की महत्वा पर बात करते हुए एक्टर ने कहा कि ओटीटी शो के सफल होने के बाद चीजें बदल गईं। इसकी शुरुआत 'असुर' से हुई। वह लोकप्रिय था, लेकिन 'कोहरा' के साथ बात बदल गई। कुछ शो आम लोग देखते हैं और कुछ शो सिर्फ इंडस्ट्री के लोग देखते हैं। 'कोहरा' को इंडस्ट्री के लोग देखते थे और तभी से मुझे ज्यादा काम मिलने लगा। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने कई अभिनेताओं के लिए अवसर पैदा किए हैं। कोहरा ने मुझे एक नई पहचान दिलाई है। बरुण सोबती 'कोहरा' के पहले सीजन में भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनका किरदार दूसरे सीजन में भी उतना ही प्रमुख है। इस बार वो मोना सिंह के साथ प्रमुख भूमिका में हैं। सीरीज में दिखाया गया है कि मोना सिंह के किरदार से ऑर्डर लेने में उन्हें असहजता महसूस होती है, क्योंकि एक महिला उनकी बॉस है। 'कोहरा' के अलावा बरुण 'असुर' के दोनों सीजन में भी अहम भूमिका में नजर आए हैं।

# प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड करियर को लेकर किए खुलासे

## बताई 'द ब्लफ' से जुड़ी बातें

**ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड सिनेमा पर भी राज कर रही हैं। प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को रिलीज हो रही है। हाल ही में प्रियंका ने अपनी फिल्म 'द ब्लफ' के अलावा अपने हॉलीवुड करियर को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही प्रियंका ने यह भी बताया कि उनके लिए 'द ब्लफ' क्यों खास है?**

### प्रियंका का हॉलीवुड करियर

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने हॉलीवुड करियर में अपनी उन्नति के बारे में कहा, 'मुझे अभी भी ऐसा नहीं लगता कि मैं सफलता के सबसे ऊपर पहुंच गई हूं, लेकिन मुझे अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा है।'

### खुद पर भरोसा करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे कहा, 'जब मैं पहली बार हॉलीवुड आई थी, तब से मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं महसूस किया। भले ही लोग मुझे जानते नहीं थे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं और मेरी क्या कीमत है। मेरा आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। हो सकता है मुझे कम मौके मिले हों या कम कामयाबी मिली हो, लेकिन मुझे अपने टैलेंट और मेहनत करने की ताकत पर हमेशा भरोसा रहा।'

### किसकी तरह बनना चाहती हैं प्रियंका

प्रियंका ने कहा, 'मैं बहुत मेहनत करने वाली हूं। किसी भी रोल या किरदार को अच्छे से निभाने के लिए मैं बहुत समय और मेहनत लगाती हूं। लेकिन ये सोचना कि मैं सफलता की मंजिल पर पहुंच गई हूं? ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे आज भी लगता है कि मैं अभी वहां नहीं पहुंची। बहुत से शानदार लोग हैं, जिन्होंने कमाल का काम किया है और मैं भी उनके जैसा बनना चाहती हूं।'

### कैसी फिल्में करना पसंद करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे बताया कि उन्हें कैसी फिल्में करना पसंद हैं। प्रियंका ने कहा, 'मुझे अलग-अलग तरह की कहानियां और जॉनर आजमाना बहुत पसंद है, इसलिए फिल्म 'द ब्लफ' को करके मुझे बहुत खुशी हुई।' फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

### 'द ब्लफ' के बारे में

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' के बारे में कहा, ''द ब्लफ' मेरी फिल्मों में एक नया बदलाव लाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि यह मेरी फिल्मोग्राफी में, खासकर अंग्रेजी फिल्मों में, विविधता लाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह फिल्म संस्कृति और इतिहास की गहराई को छूती है, लेकिन साथ ही यह एक मजेदार, भावुक और रोमांचक समुद्री डाकू फिल्म भी है। इसमें ढेर सारा ड्रामा, एक्शन और भावनाएं हैं।'

### कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'

'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है। इसकी पटकथा फ्लावर्स और जो बॉलारिनी ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन ने अभिनय किया है। फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

# मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है

साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रेजिना कैसेंड्रा ने साल 2019 में फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। मूल रूप से तेलुगू और तमिल फिल्मों में काम करने वाली रेजिना इसके बाद 'जाट', 'केसरी चैप्टर 2' जैसी फिल्मों, ओटीटी पर 'राकेट बॉयज' और 'फर्जी' जैसी हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। बीते साल अजित कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' में नजर आ चुकीं रेजिना कैसेंड्रा ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस थी। ज्यादातर साउथ इंडियंस की तुलना में, मेरी हिंदी बहुत बेहतर है। मैं हिंदी पढ़, लिख और बोल सकती हूं, और मैंने अब तक इस भाषा में जो भी काम किया है, वह मेरी अपनी आवाज में है। यह मेरी अपनी हिंदी है, और मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं उस रोल पर खरी उतरूं जो मुझे दिया गया है। लेकिन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मुझे घर जैसा महसूस होने में समय लगा।'

रेजिना कैसेंड्रा आगे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहती हैं, 'बहुत से लोगों ने मेरे साथ बुरा बर्ताव किया। सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपने काम से भी। यह मेरे लिए एक तरह का बुरा नजरिया है। मेरा मतलब है, कोई भी बता सकता था कि मुझे एक खास तरह से नीचा दिखाया जा रहा था। मैंने यह महसूस किया। इसलिए नॉर्थ में मुझे कुछ हिचकिचाहट थी। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं होता, है ना?'

जब रेजिना कैसेंड्रा से पूछा गया कि इस तरह के हालात में भी उन्होंने 'केसरी चैप्टर 2', 'रॉकेट बॉयज', 'फर्जी' और 'जाट' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम किए हैं, तो वह बताती हैं, 'जब मैं लोगों के आस-पास होती हूं, तो मुझे लगता है कि वे मेरा वह पहलू देखते हैं, जिसमें मैं लगातार सीखती हूं। मैं जिस भी इंडस्ट्री में हूं, मैं किसी न किसी तरह उसे घर जैसा महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि इस इंडस्ट्री में एक महिला होने के नाते, हमारे लिए स्टीरियोटाइप होना बहुत आसान है। मेरा मतलब है, यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि आखिर में यह एक विजुअल मीडियम है, और एक बार जब आप कुछ देखते हैं, तो वह आपके दिमाग में बैठ जाता है। लेकिन मैं हमेशा वर्सेटाइल बनना चाहती थी। इसलिए, मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है, क्योंकि मैं हमेशा मेनस्ट्रीम कमर्शियल फिल्में नहीं करना चाहती।'

# विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंस में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किंग फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग शुरू।' 'पॉकेट नॉवेल' का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

# 'जय हनुमान' में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे राणा दग्गुबाती

**प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बन रही 'जय हनुमान' फिल्म को लेकर एक दिलचस्प खबर आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऋषभ शेट्टी स्टारर इस फिल्म में राणा दग्गुबाती को कास्ट किया गया है।**

ऋषभ शेट्टी ने बीते साल 'कांतारा चैप्टर 1' से बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई। मूल रूप से कन्नड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 852.36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। अब ऋषभ शेट्टी अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जय हनुमान' की तैयारी में जुटे हुए हैं। बीते दिनों इसका फर्स्ट पोस्टर रिलीज हुआ, तो ऋषभ शेट्टी को बजरंग बली के अवतार में देखकर फैंस की बांछें खिल गई थीं। अब ताजा जानकारी ये आ रही है कि इस फिल्म में राणा दग्गुबाती की एंट्री हुई है! जी हां, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'बाहुबली' के भल्लालदेव अब 'जय हनुमान' में एक अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। ऋषभ शेट्टी की 'जय हनुमान' साल 2024 की पौराणिक एक्शन ड्रामा ब्लॉकबस्टर 'हनु-मान' का सीक्वल है। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा दग्गुबाती को इस सीक्वल में एक अहम रोल के लिए अप्रचो किया गया है। बातचीत आखिरी दौर में है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो राणा इसी साल मार्च या अप्रैल 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

'जय हनुमान' को मैथरी मूवी मेकर्स, टी-सीरीज के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रही है। एक नई खबर यह भी है कि इस फिल्म को इसी महीने ऐतिहासिक शहर हम्पी में लॉन्च किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी इस सीक्वल में भगवान हनुमान का रोल निभा रहे हैं। हालांकि, राणा दग्गुबाती का किरदार क्या होगा, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है।

## मार्च-अप्रैल में शुरू होगी शूटिंग

### 2024 में तेजा सज्जा की 'हनु-मान' बनी थी ब्लॉकबस्टर

बीते साल 2025 में, मेकर्स ने 'जय हनुमान' का पोस्टर रिलीज किया था। यह डायरेक्टर प्रशांत वर्मा के 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' का अगला चैप्टर है। साल 2024 में तेजा सज्जा स्टारर उनकी फिल्म 'हनु-मान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करते हुए वर्ल्डवाइड 295.29 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की थी।

### 'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी की कास्टिंग ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

बीते साल अक्टूबर की शुरुआत में, 'जय हनुमान' के मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी का फर्स्ट-लुक पोस्टर रिलीज किया था। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में जब पोस्टर आया और उसमें ऋषभ शेट्टी टाइटल रोल में दिखे तो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच तहलका मच गया। फर्स्ट-लुक पोस्टर में वह एक खाली पड़े मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के सामने घुटने टेकते हुए दिख रहे हैं।

### 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर फिल्म बनाएंगे प्रशांत वर्मा

डायरेक्टर प्रशांत वर्मा अपने 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' में पौराणिक कथाओं को सुपरहीरो अंदाज में पेश कर रहे हैं। वह 'हनु-मान' और 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर भी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण के बेटे मोक्षग्न लीड रोल में होंगे।